www.epaper.azadsipahi.in
* ओड़िशा संस्करण
02 दिसंबर, 2024
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00
कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही
रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 44

महिलाओं के खाते में 11 को आयेंगे 2500 रुपये

THE BLACKBOARD
RANCHI
Mirror That Reflects Future.....
UPTO 100 % SCHOLARSHIP

B-SAT 2025

Registration FREE

BLACKBOARD SCHOLARSHIP CUM ADMISSION TEST
FOR STUDENTS OF CLASS XI[TH] MOVING TO XII[TH]
Test Date: 8[th] December 2024
91-9631072713 | 91-6200438287

JHARKHAND TOPPERS

SNEHA | AASTHA PRIYADARSHNI | SHREETI KUMARI | KATYAYNI KESHRI | MAHI KUMARI

Wing A- Main Office
2nd Floor, Above TVS Showroom,
Dangra Toli Chowk,
Purulia Road, Ranchi

Wing B-NEET & JEE Campus
Opp. Audi Showroom,
Old Surya Clinic Building, Lane 2,
Kumhar Toli, Purulia Road, Ranchi

9631072713
theblackboard2018@gmail.com
www.theblackboardranchi.com
theblackboard
GET IT ON Google Play the blackboard

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

राज्य में आयरन ओर की 11 खदानों की होगी नीलामी

बोली लगाने के लिए सोना खदान भी है तैयार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की लगभग दो दर्जन खदानों की नीलामी प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इसमें 11 आयरन ओर की खदानें सहित पांच सोना की खदानें भी शामिल हैं। जिन सोना खदानों की नीलामी होगी, उनमें पूर्वी सिंहभूम के भीतरडीरी और जोजोडीह खदान, सरायकेला-खरसांवा का हेबन सेमा, बीतापुर-सोकानडीह और रामपुर कासीडीह सोना खदानें शामिल हैं। वहीं चाइबासा की 11 आयरन ओर की खदानें नीलामी के लिए तैयार हैं।

इन खनिज खदानों की भी होगी नीलामी : आयरन ओर और सोना की खदानों के साथ चार लाइम स्टोन, एक बेल मेटल और एक कॉपर खदान की भी नीलामी होगी। कॉपर और बेस मेटल की खदान गिरिडीह में है। जबकि लाइम स्टोन के दो खदान रांची और दो खदान रामगढ़ में हैं। इसके अलावा चार बॉक्साइट खनिज खदान, एक कॉप, छह ग्रेफाइट, दो लाइम स्टोन के खदान भी 2025 में नीलामी के लिए तैयार हो जायेंगी। इन खदानों का अन्वेषण कार्य अंतिम चरण में है।

खदानों की नीलामी से मिलेगा तीन से चार हजार करोड़

राज्य सरकार को खनिज खदानों की नीलामी से तीन से चार हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। इस राशि से कल्याणकारी योजनाओं को गति प्रदान की जायेगी। बताते चलें कि राज्य में झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉपोरेशन लिमिटेड को खनिजों का पता लगाने और खनन गतिविधि को आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी मिली है। यह कंपनी राज्यभर में लौह अयस्क, कोयला, तांबा, बॉक्साइट, सोना सहित अन्य खनिजों का पता लगायेगी। डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के लिए नयी आर्कजीआइएस सॉफ्टवेयर पैकेज खरीदा जायेगा। इस सॉफ्टवेयर के जरिये भू-वैज्ञानिक मैपिंग के साथ अन्वेषण रिपोर्ट और खनन योजनाएं तैयार करेंगे।

माणिक लाल हेंब्रम बनाये गये विधानसभा के सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के संयुक्त सचिव माणिक लाल हेंब्रम को विधानसभा का सचिव बनाया गया है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय के अवर सचिव जितेंद्र कुमार ने शनिवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके मुताबिक, माणिक लाल को एक दिसंबर से अगले आदेश तक झारखंड विधानसभा के सचिव पद का प्रभारी बनाया जाता है।

9 दिसंबर से विधानसभा सत्र: गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा के सचिव सैयद जावेद हैदर का कार्यकाल नवंबर 2024 में खत्म हो गया। चूंकि 9 दिसंबर से विधानसभा का विशेष सत्र आहूत है जिसमें हेमंत सरकार बहुमत पेश करेगी। 12 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र के लिहाज से सचिव का होना भी जरूरी था। इसे देखते विधानसभा सचिवालय ने माणिक लाल हेंब्रम को सचिव पद का प्रभार दिया है।

अगले दो माह में तीन आइपीएस होंगे सेवानिवृत्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में अगले दो महीनों के दौरान झारखंड पुलिस के तीन डीजी रैंक के आइपीएस अधिकारी सेवानिवृत्त होंगे। इनमें तत्कालीन डीजीपी अजय कुमार सिंह एवं एम मीणा जनवरी, 2025 में और आरके मल्लिक 31 जनवरी, 2025 को रिटायर होंगे। साथ ही नये साल के पहले दिन एक जनवरी, 2025 से 2007 बैच के तीन आइपीएस अनूप बिरथरे, सुनील भास्कर और मयूर पटेल कन्हैयालाल आइजी रैंक में प्रोन्नत हो जायेंगे। इसके अलावा 2011 बैच के सीनियर एसपी रैंक (सीनियर सिलेक्शन ग्रेड) में प्रोन्नत छह आइपीएस अधिकारी एक जनवरी, 2025 से डीआइजी हो जायेंगे। सीनियर एसपी रैंक में प्रोन्नत अधिकारी को राज्य सरकार चाहे तो वर्तमान में कहीं भी प्रभारी डीआइजी बना सकती है। इनमें चंदन झा, चंदन सिन्हा, प्रियदर्शी आलोक, अजीत पीटर डुंगडुंग, अनुरंजन किस्पोट्टा और अंबर लकड़ा शामिल हैं। दूसरी ओर, झारखंड कैडर के 1989 बैच के आइपीएस अजय भटनागर शनिवार (30 नवंबर) को सेवानिवृत्त हो गये। अजय भटनागर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे और सीबीआइ में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे।

सरकार ने ट्रेजरी के 2,812 करोड़ अपनी झोली में डाले

जनता के पैसे का हो रहा दुरुपयोग : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हाल ही में ट्रेजरी से 2,812 करोड़ निकाले गये हैं, जिसे सरकार अपनी झोली में डालकर बैठी है। मरांडी ने कहा कि यह पैसा विकास कार्यों में खर्च करने के बजाय सरकारी और उनके मुलाजिमों की तिजोरी में डालने की साजिश चल रही है। आगे कहा कि जब इस राशि का हिसाब मांगा गया, तो सरकार ने चुप्पी साध ली।

विकास के नाम पर जनता के पैसे का हो रहा दुरुपयोग : मरांडी ने अपनो पोस्ट में आगे कहा कि भ्रष्टाचार इतना बढ़ चुका है कि एक विभाग का पैसा दूसरे विभाग वाले निकालकर हजम कर रहे हैं। विकास के नाम पर जनता के पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। यह विकास की राह में सबसे बड़ी रुकावट है। बाबूलाल ने आगे कहा कि विकास का पैसा विकास में लगाइये, ना कि अपनी तिजोरी का वजन बढ़ाइये। सरकार को जनता के पैसे का हिसाब देना होगा और इसका सही इस्तेमाल सुनिश्चित करना होगा। मरांडी के इस पोस्ट के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

असम के सीएम हिमंता भी झारखंड में भेजेंगे टीम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर सीएम हेमंत सोरेन और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा आमने-सामने हैं। इसकी वजह झारखंड सरकार का एक फैसला है। दरअसल 28 नवंबर को झारखंड कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि असम के चाय बागान में कार्यरत झारखंड मूल के जनजातीय समूह की दशा और उन्हें भविष्य में दिये जाने वाले सुविधा के अध्ययन के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल व पदाधिकारियों का दल असम जाकर जमीनी स्तर पर अध्ययन करेगा। साथ ही सरकार को अपना प्रतिवेदन समर्पित करेगा। इस निर्णय पर असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने भी झारखंड में एक निरीक्षण दल भेजने की बात कही है। सरमा ने कहा है कि झारखंड में कुछ चीजों का अध्ययन करने के लिए दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भेजा जायेगा। उन्होंने कहा कि पांच दिसंबर को होने वाली असम सरकार की कैबिनेट में इसका निर्णय लिया जायेगा।

रक्षा राज्य मंत्री ने किया यादव भवन का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने सांसद मद से यादव भवन का रविवार को उद्घाटन किया। यादव भवन 2400 स्क्वायर फीट में बनाया गया है। इस अवसर पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि किसी भी समाज का अपना भवन होना अनिवार्य है। इस भवन के निर्माण से समाज के गरीब बच्चों की शादी एवं अन्य कार्यक्रम के लिए यह सदुपयोग में काम आयेगा। समाज को आगे बढ़कर इस तरह के कार्य करने चाहिए। जिससे समाज के लोगों को लाभ हो। मेरा प्रयास है जो भी समाज के लोग हैं, उनके हर सुख दुख में मैं उनके साथ हमेशा खड़ा रहूंगा। प्राथमिकता के आधार पर समाज के हर वर्ग का कार्य मेरी प्राथमिकता में हैं। मौके पर मंडल के अध्यक्ष इंद्रजीत यादव, पूर्व पार्षद विनोद सिंह, अरुण झा, राम आशीष यादव, बनारस यादव, रमेश यादव, सुमन सिंह, रामचंद्र जायसवाल समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

झामुमो में वापसी से जुड़े वीडियो को पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने बताया साजिश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने फिर से झामुमो ज्वाइन करने से इंकार किया है। वे सरायकेला के भाजपा विधायक के तौर पर ही बने रहेंगे। दरअसल चंपाई ने मीडिया में वायरल एक वीडियो के संदर्भ में अपनी बात रखते कहा है कि एक एजेंडे के तहत एक पुराना वीडियो वायरल करवाया जा रहा।

उनके संबंध में कुछ भ्रामक अफवाहें फैलायी जा रही हैं। चंपाई ने इस वीडियो को साजिश बताते कहा है कि वे वापस झामुमो नहीं जा रहे। विधानसभा चुनाव 2024 के समय भी ऐसा किया गया था। उन्होंने इस वीडियो और झूठे अफवाहों से बचने को कहा है।

झामुमो का छोड़ा साथ

गौरतलब है कि जनवरी 2024 के आखिर में तत्कालीन सीएम हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला में जेल जाना पड़ा था। इसके बाद झामुमो के वरिष्ठ नेता चंपाई को सीएम बनाया गया था। पर जेल से बाहर आने के बाद चंपाई को हटाकर हेमंत फिर से सीएम बन गये थे और तब चंपाई ने झामुमो का साथ छोड़कर भाजपा ज्वाइन कर ली थी। अभी संपन्न विधानसभा चुनाव में वे सरायकेला सीट से भाजपा के विधायक चुने गये हैं।

क्या है मामला : गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर चंपाई सोरेन का एक पुराना वीडियो वायरल करते हुए यह कहा जा रहा है कि वे अब भाजपा छोड़कर फिर से झामुमो में आनेवाले हैं। इस वीडियो में उन्हें हेमंत सोरेन की तारीफ करते दिखाया जा रहा है। वीडियो के मुताबिक, चंपाई सोरेन अब जेएमएम में घर वापसी करना चाहते हैं। पहले ये जेएमएम छोड़कर भाजपा में गये थे और अब वापस जेएमएम में आना चाहते हैं।

बीजेपी ऑफिस के बाहर कुशवाहा समाज का प्रदर्शन

शशिभूषण मेहता को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद पार्टी के अंदर खींचतान की तस्वीरें सामने आने लगी हैं। एक तरफ पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दो दिवसीय समीक्षा बैठक चल रही है। वहीं दूसरी तरफ कार्यालय के बाहर कुशवाहा समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कुशवाहा समाज के विधायक शशिभूषण मेहता को नेता प्रतिपक्ष बनाये जाने की मांग की गयी। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर भाजपा कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर वे यह जताने की कोशिश की कि पार्टी में कुशवाहा समाज का प्रतिनिधित्व मजबूत होना चाहिए।

रांची की जनता व्हाट्सएप पर 24X7 कर सकेगी शिकायत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री पदभार लेने के बाद रेस हो गये हैं। वे लगातार पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जनता की समस्याओं पर चर्चा कर रहे हैं। शिकायत लेकर समाहरणालय पहुंचने वाली जनता को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसको लेकर भी डीसी ने पदाधिकारियों को कई निर्देश भी दिये हैं। डीसी के निर्देश पर जिला प्रशासन आम जनों की शिकायतों के लिए एक व्हाट्सएप नंबर 9430328080 जारी कर रहा है, जिसमें जनता अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। यह नंबर सोमवार (2 दिसंबर) से शुरू होगा। इस नंबर पर रांची की जनता 24X7 शिकायत कर सकेंगे। संबंधित विभाग लोगों की समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेगा और उसका समाधान करेगा। इसके लिए तीन पारियों में दो-दो कर्मियों और पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है।

हर सप्ताह शिकायतों की होगी समीक्षा

प्रत्येक सप्ताह के शनिवार के दिन जनता के शिकायतों की समीक्षा की जायेगी। इसमें लोगों से प्राप्त होने वाले शिकायतों को ससमय निराकरण के लिए संबंधित विभाग को भेजा जायेगा। शिकायत पर की गयी कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन समय-समय पर उपलब्ध कराना होगा।

राज्य में दिन-प्रतिदिन कमजोर हो रहे भाकपा माओवादी सहित अन्य नक्सली संगठन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में भाकपा माओवादी सहित अन्य नक्सली संगठन दिन-प्रतिदिन कमजोर होते जा रहे हैं। हाल के दिनों में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में झारखंड में माओवादियों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

पिछले 59 महीने (चार साल 11 महीने) की बात करें तो राज्य के अलग-अलग जिलों में भाकपा माओवादी संगठन और छोटे-छोटे संगठन से जुड़े कुल 64 नक्सली मारे गये। इस दौरान 620 बड़े नक्सली गिरफ्तार भी हुए। नक्सलियों के साथ इस लड़ाई में सुरक्षाबलों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। इन चार साल 11 महीने में नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में 18 जवान भी शहीद हुए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा नक्सल प्रभावित जिले हैं। इनमें पश्चिमी सिंहभूम को अति नक्सल प्रभावित जिले की सूची में रखा गया है जबकि शेष चार नक्सल प्रभाव वाले जिले गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा जिला आफ कंर्सन (डीओसी) की सूची में हैं।

टीपीसी, जेजेएमपी और पीएलएफआइ झारखंड पुलिस के रडार पर हैं। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने रविवार को बताया कि झारखंड में नक्सलवाद की समस्या 95 प्रतिशत खत्म हो चुकी है। फिलहाल, हमारे लिए नक्सलियों के छोटे संगठन (स्प्लिंटर ग्रुप) का सफाया करना बेहद जरूरी है। झारखंड के कुछ जिलों में पिछले दो महीने के दौरान नक्सलियों के स्प्लिंटर ग्रुप के जरिये कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया गया है। छोटे-छोटे समूह में तब्दील होकर स्प्लिंटर ग्रुप आगजनी के साथ-साथ व्हाट्सएप कॉल कर कारोबारियों से रंगदारी की डिमांड कर रहे हैं।

डीजीपी ने बताया कि कुछ आपराधिक गिरोह के साथ-साथ टीपीसी, पीएलएफआइ, जेजेएमपी और भाकपा माओवादियों के छोटे ग्रुप एक्टिव हैं। ऐसे नक्सलियों के जरिये कुछ घटनाओं को जरूर अंजाम दिया गया है लेकिन पिछले एक साल के दौरान उनके संगठन के अधिकांश बड़े उग्रवादी या तो मारे गये या फिर पकड़े गये लेकिन इन संगठनों के कुछ स्प्लिंटर ग्रुप बचे हुए हैं, जिन पर कार्रवाई की जा रही है।

स्प्लिंटर ग्रुप में शामिल नक्सली छोटे हथियार के साथ सिविल ड्रेस में वारदात को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे नक्सलियों की लिस्ट तैयार की गयी है। साथ ही उनके समर्थकों को भी चिह्नित किया गया है, जो उनके लिए मोबाइल सहित दूसरे समान उपलब्ध करवाते हैं। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को यह निर्देश दिया गया है कि वह एक टीम बनाकर ऐसे स्प्लिंटर्स ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई करें। खासकर पलामू आइजी को कड़ा निर्देश जारी किया गया है कि न सिर्फ कार्रवाई करें, बल्कि फरार उग्रवादियों और अपराधियों के खिलाफ जमकर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई करें।

राज्य में नक्सलियों के 11 दस्ते सक्रिय

- चाइबासा जिले के जराइकेला और टोंटो थाना क्षेत्र में मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, सिंगरई, अजय महतो का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 65 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- चाइबासा जिले के गोइल केरा और सोनूवा थाना क्षेत्र में मेहनत और अमित मुंडा का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 30 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- बोकारो जिले में विवेक और रघुनाथ का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 23 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में रविंद्र गंझू का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में पांच नक्सली कैडर शामिल हैं।
- चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में मनोहर गंझू का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में तीन नक्सली कैडर शामिल हैं।
- पलामू जिले के मोहम्मदगंज और हैदरनगर थाना क्षेत्र में नितेश यादव का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में छह नक्सली कैडर शामिल हैं।
- टीपीसी, जेजेएमपी और पीएलएफआइ पुलिस की रडार पर

डीजीपी आइजीपी सम्मेलन में अनुराग गुप्ता ने लिया भाग

पेश की झारखंड की रिपोर्ट, साइबर अपराध पर फोकस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर में 29 नवंबर से शुरू हुए 3 दिवसीय डीजीपी-आइजीपी सम्मेलन के दूसरे दिन अपने राज्य की रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि राज्य में नक्सल लगभग समाप्ति की ओर है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि झारखंड पुलिस साइबर अपराध के रोकथाम की दिशा में भी काम कर रही है।

वहीं, सम्मेलन में लगभग सभी राज्यों के डीजीपी ने अपने-अपने राज्य की रिपोर्ट पेश की। इसमें यह बात सामने निकलकर आयी कि देशभर में नक्सल पर नकेल कसी गयी है। लेकिन अब भी पुलिस के लिए साइबर अपराध चुनौती बना हुआ है। इससे निपटने को लेकर सभी राज्य आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री भी सम्मेलन में पहुंचे : बता दें कि 3 दिवसीय डीजीपी सम्मेलन के दूसरे दिन बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय सहित कई लोग मौजूद रहे। इस दौरान सम्मेलन में सभी राज्यों के समन्वय पर चर्चा हुई। सभी मिलकर राज्यों की सीमा पर अभियान चलायेंगे और मादक पदार्थ की तस्करी रोकेंगे। सभी राज्य एक-दूसरे से अवैध शराब, अवैध कारोबार, अपराध और नक्सल की रोकथाम के लिए सूचनाओं का अदान-प्रदान करते रहे हैं। इसे आगे और सतर्कता और सक्रियता के साथ करेंगे। वहीं, सम्मेलन के दौरान मानव तस्करी सहित अनेकों बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसकी रोकथाम की दिशा में भी ठोस रणनीति बनायी जा रही है।

www.epaper.azadsipahi.in

02 दिसंबर, 2024
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 44

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxlilary Nurshing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के लिए बड़ी खबर

महिलाओं के खाते में 11 को आयेंगे 2500 रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन सरकार की सत्ता वापसी के बाद झारखंड की महिलाओं के खाते में 11 दिसंबर को मंईयां सम्मान योजना की पांचवीं किस्त की राशि भेज दी जायेगी। विधानसभा चुनाव से पहले अंतिम कैबिनेट की बैठक में हेमंत सरकार ने 2500 रुपये देने का फैसला लिया था। अब सरकार बनने के बाद कल्याण विभाग 2500 रुपये भेजने की तैयारी में जुट गया है। मंईयां सम्मान योजना का रजिस्ट्रेशन लगातार चल रहा है। हेमंत सोरेन की नयी सरकार बनने के बाद इसे लेकर कवायद तेज हो गयी है। संभावना जतायी जा रही है कि 11 दिसंबर तक पांचवीं किस्त की राशि भेज दी जायेगी। इस योजना के तहत 57 लाख महिलाओं के खाते में 2500-2500 रुपये भेजे जायेंगे।

इसके पहले नवंबर महीने में महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपये भेज दिये गये थे। आचार संहिता से पहले हेमंत सरकार ने ऐलान कर दिया था कि दिसंबर से महिलाओं के खाते में मंईयां सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये भेजे जायेंगे। इससे पहले चार किस्त की राशि महिलाओं का खाते में भेजी जा चुकी है। बता दें कि मंईयां सम्मान योजना के तहत 18 से 50 साल की महिलाओं के खाते में हर माह 1000 रुपये दिये जा रहे थे, जिसे बढ़ा कर 2500 रुपये किया गया। हेमंत सोरेन और इंडिया गठबंधन ने इस योजना को अपनी हर सभा में जिक्र किया था, जिसका फायदा विधानसभा चुनाव में मिला और इंडिया गठबंधन ने प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज की।

दिव्यांग और अनाथ विद्यार्थियों को हर महीने मिलेंगे 4 हजार

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड के दिव्यांग और अनाथ विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। राज्य सरकार नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 से राज्य के सभी दिव्यांग और अनाथ विद्यार्थियों की उच्च और तकनीकी शिक्षा का पूरा खर्च उठायेगी। इसके तहत 10 लाख रुपये तक के ट्यूशन फीस का वहन भी राज्य सरकार ही करेगी। अन्य खर्च के लिए भत्ते के रूप में प्रतिमाह चार हजार रुपये और दिये जायेंगे। विद्यार्थी इसका लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे, इसके लिए पोर्टल का निर्माण भी किया जा रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद इस योजना के लिए पात्र छात्र आवेदन कर सकेंगे। नये शैक्षणिक सत्र से शुरू होने वाली इस वाल्मीकि छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रत्येक वर्ष व्यावसायिक कार्स के लिए 1200 तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए 12 हजार विद्यार्थियों को लाभ देने का अनुमान लगाया गया है। इस योजना पर राज्य सरकार के प्रतिवर्ष 99.66 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान लगाया गया है। अगले वर्ष जनवरी-फरवरी में इस योजना की विधिवत लांचिंग की जायेगी।

आलू रोकने के मामले में मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

मुख्य सचिव ने की बंगाल सरकार से बात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 30 नवंबर को बंगाल बॉर्डर पर आलू के वाहन रोकने की खबरों पर संज्ञान लिया है। राज्य के मुख्य सचिव अलका तिवारी से तत्काल मामले में बात कर इसका निपटारा करने का निर्देश भी दिया है। मुख्य सचिव ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत से फोन पर मामले का निष्पादन के लिए बात की है। मनोज पंत ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही एक कमेटी बना कर आलू के मामले का निष्पादन सुनिश्चित किया जायेगा।

क्या है मामला : गौरतलब है कि झारखंड की सीमा से सटे बंगाल के इलाकों से आलू लेकर आने वाली गाड़ियों को पश्चिम बंगाल सरकार लगातार वापस मंगा रही थी। बंगाल में आलू की किल्लत ना हो, इसके लिए बंगाल से आलू लेकर झारखंड और दूसरे राज्यों के लिए निकली गाड़ियों को बॉर्डर एरिया से वापस बुलाया जा रहा था। इस स्थिति के कारण झारखंड और अन्य राज्यों में पिछले कुछ दिनों से आलू की किल्लत हो रही है और दाम भी पांच-दस रुपये तक बढ़ गये हैं जिससे आम उपभोक्ता परेशान हो रहे थे। प्रदेश भाजपा और झारखंड चैंबर के पदाधिकारियों ने भी इसे लेकर चिंता जतायी थी। चार-पांच दिनों से आलू लदे ट्रक बंगाल बॉर्डर पर खड़े हैं। इन्हें झारखंड आने से रोक दिया गया है। आलू की आपूर्ति प्रतिबंधित करने के बाद झारखंड के खुदरा बाजार में आलू की कीमत 5 से 10 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गयी है। पश्चिम बंगाल साल भर झारखंड की आलू की 60 प्रतिशत मांग को पूरा करता है। शेष मांग उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और स्थानीय उत्पादन से पूरी होती है।

व्यापारियों ने दी हड़ताल की धमकी

पश्चिम बंगाल प्रोग्रेसिव पोटैटो ट्रेडर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीपीपीटीए) के पूर्व अध्यक्ष और सलाहकार विभास कुमार डे ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने दूसरे राज्यों में आलू के निर्यात पर अंकुश लगाने के लिए सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। पिछले तीन दिनों में आलू से भरे ट्रकों को वापस भेज दिया गया, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार से सोमवार तक प्रतिबंध वापस लेने की मांग की है। डे ने रविवार को कहा कि डब्ल्यूबीपीपीटीए और पश्चिम बंगाल कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन की संयुक्त बैठक हुई। इसमें फैसला लिया गया कि अगर प्रतिबंध नहीं हटाया गया, तो सोमवार रात से कोल्ड स्टोरेज से आलू नहीं निकाला जायेगा। वे मंगलवार से हड़ताल पर जायेंगे। पश्चिम बंगाल में आलू व्यापारियों के एक संघ के अनुसार पश्चिम बंगाल सरकार ने अपने राज्य में आलू के स्टॉक को बनाये रखने और कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए गुरुवार से अंतरराज्यीय आपूर्ति पर कथित तौर पर प्रतिबंध लगा दिया है।

न्यूज रील्स

महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री आज तय होगा : शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आये 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन मुख्यमंत्री को लेकर स्थित अभी भी साफ नहीं हुई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कहा कि नयी सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में होगा। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे रविवार को सातारा के एक मंदिर गये और कुछ देर बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'मैं अब ठीक हूं। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था। महायुति में कोई मतभेद नहीं है। मुख्यमंत्री पर फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह लेंगे। दो दिसंबर को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री तय होगा।

आंध्र प्रदेश में वक्फ बोर्ड भंग

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने स्टेट वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। इसका गठन पिछली जगन मोहन की सरकार ने किया था। 30 नवंबर को जारी आदेश में मौजूदा सरकार ने पिछली सरकार के दौरान जारी अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के आदेश को रद्द कर दिया। आदेश में कहा गया कि आंध्र प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के चुनाव पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। उसी समय राज्य वक्फ बोर्ड के गठन के 2023 के सरकारी आदेश की संवैधानिकता को चुनौती देने वाले पेंडिंग केस के कारण एक प्रशासनिक शून्यता पैदा हो गयी थी। अब राज्य में नये सिरे से वक्फ बोर्ड क गठन किया जायेगा।

पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन का समापन

मोदी ने स्मार्ट पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया

दिया राष्ट्रीय पुलिस हैकथॉन आयोजित करने का सुझाव

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 नवंबर और 1 दिसंबर, 2024 को भुवनेश्वर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया। समापन सत्र में, पीएम ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक वितरित किये। अपने समापन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्मेलन के दौरान सुरक्षा चुनौतियों के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयामों पर व्यापक चर्चा हुई और चर्चाओं से उभरी जवाबी रणनीतियों पर संतोष व्यक्त किया। अपने संबोधन के दौरान पीएम ने डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर-अपराध और एआइ तकनीक के कारण उत्पन्न संभावित खतरों पर चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को बाधित करने के लिए डीप फेक की क्षमता पर। जवाबी उपाय के रूप में उन्होंने पुलिस नेतृत्व से भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 'एस्पिरेशनल इंडिया' की दोहरी एआइ शक्ति का उपयोग करके चुनौती को अवसर में बदलने का आह्वान किया।

उन्होंने स्मार्ट पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया और पुलिस से रणनीतिक, सावधानीपूर्वक, अनुकूलनीय, विश्वसनीय और पारदर्शी बनने का आह्वान किया। शहरी पुलिसिंग में की गयी पहल की सराहना करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक पहल को एकत्रित करके देश के 100 शहरों में पूरी तरह से लागू किया जाये। उन्होंने कांस्टेबल के कार्यभार को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया और सुझाव दिया कि पुलिस स्टेशन को संसाधन आवंटन के लिए केंद्र बिंदु बनाया जाना चाहिए।

कुछ प्रमुख समस्याओं के समाधान में हैकथॉन की सफलता पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने एक राष्ट्रीय पुलिस हैकथॉन आयोजित करने पर भी विचार-विमर्श करने का सुझाव दिया। गृह मंत्रालय में सरदार वल्लभभाई पटेल के अद्वितीय योगदान को याद करते हुए प्रधान मंत्री ने गृह मंत्रालय से लेकर पुलिस स्टेशन स्तर तक पूरे सुरक्षा प्रतिष्ठान को किसी भी पहलू पर एक लक्ष्य निर्धारित करने और प्राप्त करने का संकल्प लेकर अगले वर्ष उनकी 150 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने पुलिस से आधुनिकीकरण करने और खुद को 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप ढालने का आग्रह किया।

सम्मेलन के दौरान, आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, साइबर-अपराध, आर्थिक सुरक्षा, आप्रवासन, तटीय सुरक्षा और नार्को-तस्करी सहित राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मौजूदा और उभरती चुनौतियों पर गहन चर्चा की गयी। बांग्लादेश और म्यांमार के साथ सीमा पर उभरती सुरक्षा चिंताओं, शहरी पुलिसिंग के रुझान और दुर्भावनापूर्ण आख्यानों का मुकाबला करने की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, नव अधिनियमित प्रमुख आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन, पुलिसिंग में पहल और सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ पड़ोस में सुरक्षा स्थिति की भी समीक्षा की गयी।

जय शाह ने आइसीसी चेयरमैन का पद संभाला

कहा- महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के सचिव जय शाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आइसीसी का चेयरमैन पद संभाल लिया है। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 साल के जय शाह आइसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गये हैं।

आइसीसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। संस्था ने रविवार को लिखा- आइसीसी चेयरमैन के तौर पर जय शाह का कार्यकाल शुरू होने के साथ ग्लोबल क्रिकेट का नया चैप्टर शुरू हुआ है। पद संभालने के बाद शाह ने अपने पहले बयान में कहा कि क्रिकेट के अलग-अलग फॉर्मेट्स को बढ़ावा मिले और महिला क्रिकेट में और तेजी लाना हमारी प्राथमिकता है। शाह ने कहा, आइसीसी अध्यक्ष की भूमिका के लिए चुने जाने पर डायरेक्टर्स और मेंबर बोर्ड्स के समर्थन और भरोसे के लिए आभारी हूं। ग्लोबल क्रिकेट में अपार संभावनाएं हैं और मैं हर मौके पर खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आइसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

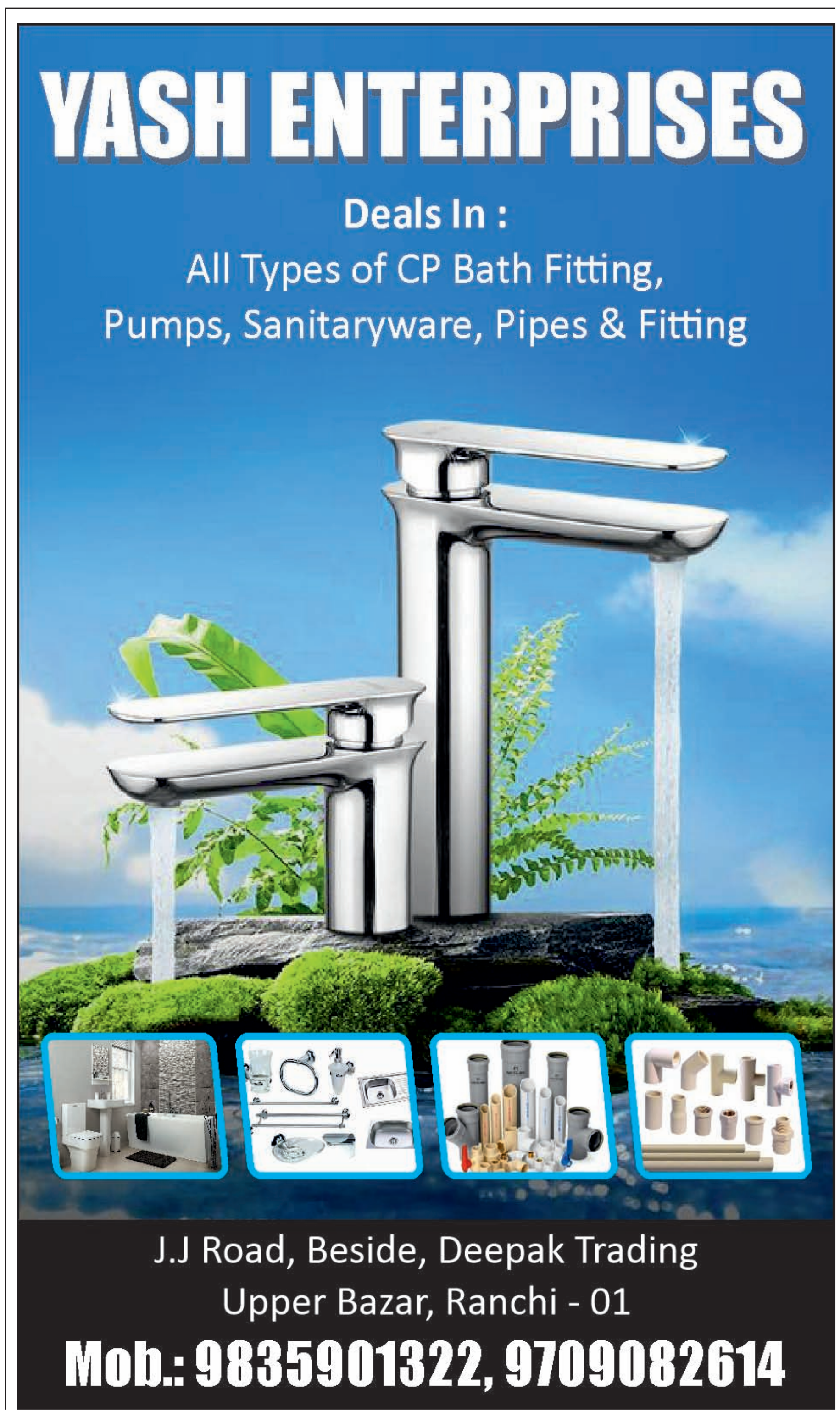

रांची में 15 दिसंबर से शुरू होगी धान की खरीदारी

साधारण धान के लिए 2400 रुपये और ए ग्रेड के लिए 2420 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगी कीमत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची जिला के विभिन्न प्रखंडों में इस वर्ष 15 दिसंबर से धान अधिप्राप्ति केंद्र का संचालन शुरू किया जायेगा। सरकार ने इस बार किसानों के लिए धान खरीद का लक्ष्य तीन लाख क्विंटल निर्धारित किया है। पिछले साल मात्र 1.2 लाख क्विंटल धान की खरीद हुई थी, लेकिन इस वर्ष बेहतर फसल उत्पादन और अनुकूल परिस्थितियों के चलते लक्ष्य को पूरा करने की संभावना है। इस बार धान में 17 प्रतिशत तक नमी को स्वीकार किया जायेगा। अधिक से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ देने के लिए एक किसान से 200 क्विंटल तक धान खरीदने की सीमा तय की गयी है। इससे अधिक मात्रा में धान की खरीद केवल अनुमोदन के बाद की जायेगी। राज्य सरकार ने इस बार साधारण धान और ग्रेड-ए धान के लिए अलग-अलग न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किये हैं। साधारण धान के लिए किसानों को 2400 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2420 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जायेगा। इसमें केंद्र सरकार द्वारा तय एमएसपी 2300 रुपये और 2320 रुपये के अतिरिक्त 100 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस भी शामिल है।

रांची जिला में 11300 किसान रजिस्टर्ड हैं। प्रशासन का प्रयास है कि अधिक से अधिक किसान केंद्रों पर पहुंचे। धान केंद्र पर देने के बाद पहले हाफ 50 प्रतिशत राशि का भुगतान होगा। इसके बाद शेष राशि का भुगतान किया जायेगा।

नौ राइस मिलों से 42 लैंपस जोड़े गये

इस प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए नौ राइस मिलों को जिले की 42 लैंपस (लार्ज एरिया मल्टीपर्पज को-ऑपरेटिव सोसाइटी) से जोड़ा गया है। यह कदम धान की उचित ढुलाई और संग्रहण सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

प्रखंड का नाम लैंपस का नाम

- **कांके** - अरसंडे, उरूगुटू लैंपस
- **रातू** - तारूप, पाली लैंपस
- **अनगड़ा** - सालहन, जोन्हा लैंपस
- **बुढ़मू** - गिंजो ठाकुरगांव, चकमे लैंपस
- **इटकी** - कुर्गी, बेड़ों, हरिहरपुर जामटोली लैंपस
- **सिल्ली** - सिल्ली, दोबाडू, टुटकी लैंपस
- **लापुंग** - मालगो, लापुंग, लतरातू, चान्हो
- **ओरमांझी** - ईचादाग, ओरमांझी।
- **खलारी** - तुमांग, राय
- **मांडर** - ब्राम्बे, मंदरों
- **नगड़ी** - साहेर, नगड़ी
- **नामकुम** - नामकुम, डुंगरी
- **सोनाहातू** - हारिण, बारूहातू, जामुदाग, हेसाडीह
- **राहे** - राहे, बी. नावाडीह
- **बुंडू** - ताउ, कांची, बुंडू, बारूहातू
- **तमाड़** - नावाडीह, तमाड़, मल्हानभुईयाडीह+

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

खाद्य पदार्थों के भाव आसमान पर, गरीब बेहाल

तेल 175 रुपये लीटर, दाल 160 मसालों की कीमत में आग लगी

खाद्य सामग्री	दर प्रति किलो	खाद्य सामग्री	दर प्रति किलो	खाद्य सामग्री	दर प्रति किलो
सरसो सलोनी	160 रु	काजू	900 रु	पापड़	89 रु
फॉरच्यून रिफाइन	150 रु	नारियल, गड़ी	400 रु	ब्रेड बड़ा	45 रु
किंग रिफाइन	135 रु	छोहारा	300 रु	ब्रेड छोटा	23 रु
मसूर दाल	80 रु	छोटी इलाइची	4000 रु	ब्राउन ब्रेड	50, 55, 60 रु
मूंग दाल	110 रु	बड़ी इलाइची	2200 रु	मक्खन100 ग्राम	60 रु
राहड़ दाल	160 रु	लौंग	1300 रु	हाथी छाप सरसो तेल	160 रुपये
चना दाल	65 रु	गोलकी	900 रु	इंजन छाप सरसो तेल	175
किशमिश	250 रु	जीरा	400 रु	पतंजलि का सरसो तेल	175 रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में खाद्य पदार्थ सहित खाने के तेल और मसालों के दाम आसमान छू रहे हैं। सलोनी, इंजन छाप या हाथी ब्रांड सभी तेल 160 से 175 रुपये लीटर बिक रहे हैं। रिफाइन 175 रुपये लीटर मिल रहा है। छोटी इलायची 4000 रुपये किलो, बड़ी इलायची 2200 रुपये, लौंग 1300 रुपये, गोलकी 900 रुपये और जीरा 400 रुपये बिक रहा है। दलहन का भी यही हाल है, मूंग दाल 110, अरहर दाल 160 रुपये, मसूर दाल 80 रुपये किलो बिक रही है। नाश्ते में खाने वाली ब्रेड की बात करें तो ब्राउन ब्रेड की कीमत 50 रुपये पहुंच गयी है। सामान्य ब्रेड की कीमत 45 रुपये है। पापड़ प्रति पैकेट 89 रुपये बिक रहा है। मक्खन 60 रुपये में 100 ग्राम मिल रहा है।

श्री श्याम मंदिर में मार्गशीर्ष अमावस्या के अवसर पर खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान हुआ संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में रविवार को मार्गशीर्ष अमावस्या के अवसर पर खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान का आयोजन धूमधाम से हुआ। इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि खाटू धाम के श्री श्याम मंदिर की परंपरा के अनुसार गंगाजल, दूध, दही शहद, चीनी, इत्र,जल, केसर, लाल गुलाब फूल के मिश्रण से महास्नान कराया गया। इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरीया, श्रवण ढाढ़ंनिया, श्याम सुंदर शर्मा, प्रवीण अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे। सोमवार को श्री सुंदरकाण्ड पाठ मंगलवार को श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में सायं 4.30 बजे से 130 वां श्री सुंदरकांड -श्रीहनुमान चालीसा का पाठ होगा। अखंड ज्योति प्रज्वलित की जायेगी। मनीष सारस्वत, ओम शर्मा की टीम पाठ करेगी। महामंत्री विश्वनाथ नारसरीया ने भक्तों को सामूहिक पाठ में भाग लेने का निवेदन किया है।

रांची में होगा सबसे बड़ा न्यू इयर सेलिब्रेशन

सीएनआर इवेंट सॉल्यूशन की ओर से आयोजित होगा कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीएनआर इवेंट सॉल्यूशन के द्वारा 31 दिसंबर को नव वर्ष के उपलक्ष्य में रांची में अभी तक का सबसे बड़ा न्यू इयर सेलिब्रेशन जेके सेलिब्रेशन में होने जा रहा है। इस इवेंट को लेकर रविवार को आयोजक रांची के इन्फ्लुएंसर्स के साथ मिलकर प्रेस कांफ्रेंस में कार्यक्रमों की जानकारी दिया। जिसमें रांची के बड़े-बड़े इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन किया गया। यह इवेंट प्रतीक और आयुष के द्वारा कराया जा रहा है। इस इवेंट में रांची के कई जाने-माने चेहरे शामिल होंगे। इस न्यू इयर सेलिब्रेशन में राग बैंड और डीजे आन्या और क्रीज क्वांटा युवाओं को अपनी धुन पर झुमायेंगे। इस मौके पर आशीष, दीपक आशुतोष, अवनीश भारद्वाज, यशवंत वर्मा और कई अन्य इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स उपस्थित थे। इसके अलावा आकांक्षा गुप्ता, रागिनी दुबे, इशिका मुखर्जी, आराध्या, शिवि, रुचि, सुप्रिया, रुचि सिंह, मुस्कान, रागिनी प्रसाद, आयुष, सौरभ, पूजा, अपूर्वा, पंकज, कृतिशा, केशर, सोनाली जिया, वत्सला और प्रतीक श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित थे।

'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेहरू युवा केंद्र, रांची, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में संजय सेठ, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद रांची संसदीय क्षेत्र उपस्थित रहे। संजय सेठ ने उपस्थित लोगों को कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस अभियान की शुरूआत इसी वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की गयी थी। इस अभियान का उद्देश्य, मां के नाम पर पेड़ लगाकर एक स्थायी स्मृति, पर्यावरण की रक्षा करना और एक हरे और समृद्ध भविष्य का निर्माण करना है। कार्यक्रम का आयोजन विवेकानंद यूथक्वेक फाउंडेशन के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल द्वारा नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी रोशन कुमार के निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम में ऐश्वर्य सेठ, प्रमोद, सुमित, एसटीपीआइ, आइटी मंत्रालय के सहायक निदेशक शुभ मिश्रा, पुरुषोत्तम, दीपक साहू, कृष्णा चौहान, ऐश्वर्य शहाय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चुटिया में हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पुष्कर स्कूल ऑफ नर्सिंग ट्रेनिंग, कृष्णपुरी, चुटिया, शैल्बी डीवाइन सुपर स्पेसिएलिटी अस्पताल और एरिस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रांची के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। हेल्थ कैंप में डॉक्टर देवनिस खेस, डॉक्टर रूचि, डॉक्टर रोहन, डॉक्टर सुहागिनी मुर्मू, डॉक्टर अनामिका, डॉक्टर अनूपा शिल्पी, सीनियर ओप्थोमिस्ट जयश्री, ओप्थोमिस्ट दीक्षा एवं मनीष कुमार ने योगदान दिया। इस कैंप में गठिया, वाय, वात, हड्डी रोग, स्त्री रोग, सर्दी खांसी, डाईविटीज, प्रेशर, आंखों कि समस्या के 150 मरीजों कि निशुल्क जांच की गयी जिसमें करीब 91 मरीजों में गंभीर लक्षण भी पाये गये। गठिया वाय वात रोग विशेषज्ञ डॉ देवनीस खेस ने बताया कि जिन लोगों से इस कैंप में ईलाज के लिए आये उन्हें सप्ताह से 13 दिनों के अंदर अस्पताल मे फ्री इलाज किया जायेगा। इस अवसर पर संस्था के सभी नर्सिंग शिक्षिका एवं नर्सिंग छात्राओं ने भी चिकित्शक दल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। पुष्कर स्कूल ऑफ नर्सिंग ट्रेनिंग के अध्यक्ष और अस्पताल के डायरेक्टर के बीच आपसी सहमति बनी कि वहां पढ़ रहे नर्सिंग छात्राओं को शैल्बी डीवाइन सुपर स्पेसिएलिटी अस्पताल में इंटर्नशिप करने कि सुविधा दी जायेगी । कैंप में मारियानुस लकड़ा और अंकेश सिंह का योगदान रहा। शैल्बी डीवाइन सुपर स्पेसिएलिटी अस्पताल के चिकित्शक दल के प्रमुख डॉक्टर देवनिस खेस एवं चिकित्सक दल के अन्य सदस्यों ने पुष्कर स्कूल ऑफ नर्सिंग ट्रेनिंग के अध्यक्ष सुनील कुमार पुष्कर का आभार व्यक्त किया।

रांची जिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची जिले के प्रेम नगर हटिया स्थित कुसुम डिजिटल फनजोन में रांची जिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता, 2024 का आयोजन किया गया। इस आयोजन के संरक्षक झारखंड राज्य ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव थे, जबकि प्रतियोगिता के आयोजक नाथ महतो रहे।

मुख्य अतिथि सुरेश प्रसाद ने पंच मारकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। अतिथि लाल प्रमोद नाथ साहदेव ने मेडल देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न क्लबों से लगभग 80 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में टीम चुटिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 स्वर्ण पदक जीते, जबकि टीम हटिया ने 8 स्वर्ण पदक अपने नाम किये। इस आयोजन ने युवाओं में ताइक्वांडो के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

कीटनाशक दवाओं से उत्पादित खाद्य पदार्थों से बनायें दूरी : डॉ मीनाक्षी सिंह

प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर लोगों की बढ़ती अभिरुचि सराहनीय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आर्गेनिक उत्पादों की मांग दिन-ब-दिन बढ़ रही है, क्योंकि लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग और पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं। उक्त बातें शहर की जानी-मानी दंत रोग विशेषज्ञ व प्रख्यात पर्यावरणविद् डॉ मीनाक्षी सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती जीवनशैली, अनियमित खान-पान व असंतुलित आहार के सेवन से लोग अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशक दवाओं से उत्पादित अनाज, फल व सब्जियों का सेवन जानलेवा साबित हो रहा है। ऐसे में ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों का नियमित रूप से सेवन सेहत के लिए जरूरी है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक व जैविक तरीके से बिना रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं के प्रयोग के उपजाये गये उत्पाद (अनाज, फल व सब्जियां आदि) स्वादिष्ट व पौष्टिकता भरे होते हैं। आर्गेनिक उत्पादों का उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल होता है। जैविक उत्पाद स्वादिष्ट और गुणवत्तायुक्त होते हैं। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज जैसे कि रागी, बाजरा, ज्वार, मड़वा आदि स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी होते हैं। मिलेट्स में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन-क्रिया दुरुस्त रखती है। साथ ही वजन कम करने में भी सहायक होता है। मिलेट्स में एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो मधुमेह को भी नियंत्रित करता है। मोटे अनाजों में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम हृदय को स्वस्थ रखने में भी सहायक है।

पौष्टिकता से परिपूर्ण है गिर गाय का दूध

डॉ सिंह के मुताबिक गिर गाय का दूध पौष्टिकता से परिपूर्ण होता है। गिर गाय एक पारंपरिक गाय की नस्ल है, जो गुजरात में पायी जाती है। यह गाय 12-15 लीटर दूध प्रतिदिन दे सकती है। इसका दूध गुणवत्तापूर्ण होता है, जिसमें वसा की मात्रा 4-5 प्रतिशत होती है। उन्होंने बताया कि रांची जिले के ठाकुरगांव में लगभग सात एकड़ में फैले नंदिनी गिर फार्म्स में प्राकृतिक और जैविक खेती द्वारा अनाज एवं फल-सब्जियां उगायी जाती हैं। वहीं, गिर गाय का दूध, दही, घी, पेड़ा, खोवा, पनीर आदि उत्पाद भी तैयार किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि ग्राहकों की पसंद और मांग को देखते हुए न्यू एजी कॉलोनी (कडरू रोड), रांची में ऑर्गेनिक बास्केट खोला गया है, जहां विभिन्न आर्गेनिक उत्पाद उपलब्ध हैं।

डॉ राजेंद्र प्रसाद के बताये मार्ग पर चलें : डॉ प्रणव कुमार बब्बू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अधिवक्ता, भाजपा नेता और सामाजिक-वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जनमंच के संयोजक डॉ. प्रणव कुमार बब्बू ने कहा है कि स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ। राजेंद्र प्रसाद के बताये मार्ग पर चलकर ही देश में सभी के लिए उस सामाजिक आर्थिक संपन्नता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, जो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान न सिर्फ सभी का सपना बल्कि सबसे प्राथमिक उद्देश्य भी था। डॉ। बब्बू ने कहा कि अगले 3 दिसंबर को देशरत्न की जयंती है और इस अवसर पर सिर्फ कहने के लिए नहीं बल्कि सभी लोगों को अपने जीवन में व्यावहारिक रूप में डॉ। राजेंद्र प्रसाद के विचारों को उतारने की जरूरत है। डॉ। बब्बू ने झारखंड सरकार विशेषकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और रांची जिला प्रशासन से मांग की कि राजधानी के राजेंद्र चौक पर स्थापित देशरत्न की प्रतिमा को राजधानी के किसी अन्य सुयोग्य एवं सुव्यवस्थित स्थल पर स्थानांतरित एवं स्थापित किया जाये। उन्होंने कहा कि डॉ। राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा के ऊपर से गुजर रहे फ्लाईओवर के कारण वहां उक्त प्रतिमा का इतने लंबे समय से स्थापित रहना ही अफसोस की बात है।

चेस और ताइक्वांडो में शारदा ग्लोबल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची सहोदया द्वारा आयोजित चेस प्रतियोगिता सरला बिरला स्कूल में आयोजित हुई। इसमें विद्यालय के छात्र शान, प्रखर, अक्षर एवं आर्जव ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ तथा दसवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय की गरिमा बढ़ायी है। वहीं कैराली स्कूल में आयोजित, ताइक्वांडों प्रतियोगिता में विद्यालय के 28 छात्रों ने भाग लिया जिसमें विद्यालय के 27 छात्रों ने (8-स्वर्ण, 15-रजत एवं 4-कांस्य) पदक जीत कर शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विद्यालय की डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ रंजना स्वरूप एवं प्राचार्या ने छात्रों की इस विशिष्ट उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए बधाई दी एवं कहा कि शारदा ग्लोबल स्कूल के छात्र प्रत्येक स्पर्धा में विद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उपलब्धियां

अंडर 17 बालक वर्ग-अक्षर कुमार मिश्रा-प्रथम स्थान पर रहे

चेस-अंडर 14 बालक वर्ग-शान जरांग बोरो-द्वितीय स्थान, प्रखर राज-चैथा स्थान, आर्जव नायक-दसवां स्थान

ताइक्वांडो-28 छात्रों ने भाग लिया जिसमें 27 बच्चों ने 8-गोल्ड, 15-सिल्वर एवं 4-ब्रोंज मेडल प्राप्त किया।

राजद विधायक की सीएम से मांग, भईया योजना भी चलायें

रांची (आजाद सिपाही)। राजद विधायक सुरेश पासवान ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि झारखंड में भईया योजना भी चलायी जानी चाहिए। यह योजना मंईयां योजना की तर्ज पर चलाना चाहिए। बताते चलें कि सुरेश पासवान देवघर से विधायक हैं। उन्होंने चुनाव में भाजपा के नारायण दास को शिकस्त दी है।

अंजुमन फोरोगे उर्दू का एक दिवसीय सेमिनार

प्रो अहमद सज्जाद के व्यक्तित्व और साहित्यिक उपलब्धियों को सराहा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अंजुमन फोरोगे उर्दू के तत्वावधान में रविवार को रहोटल सरताज में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में वक्ताओं ने प्रोफेसर अहमद सज्जाद के व्यक्तित्व और साहित्यिक उपलब्धियों को सराहा। सेमिनार का आगाज हाफिज आरिफ की तिलावत एवं मौलाना अब्दुल वाजिद के नात पाक से हुआ। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के शिक्षक डॉ जैन रामिश ने अपने भाषण में प्रोफेसर अहमद सज्जाद की जीवनी पर प्रकाश डाला। वहीं प्रो अहमद सज्जाद ने अपने उपदेश में जीवन की घटनाओं को पेश किया। सेमिनार में अंजुमन फोरोगे र्दू की ओर से उर्दु फिक्शन के लिए डॉ अख्तर आजाद को शमोवेल अहमद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। धनबाद से आये मौलाना आफताब आलम नदवी ने प्रोफेसर अहमद सज्जाद के बारे में महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। इंजीनियर तारिक सज्जाद ने पीपीटी के माध्यम अपने पिता के साहित्यिक जीवन के बारे में सभी महत्वपूर्ण स्थितियों को प्रस्तुत किया। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार खुर्शीद परवेज सिद्दीकी ने प्रो अहमद सज्जाद के साथ बिताये हुए पलों को याद किया। सामाजिक कार्यकर्ता जुनैद अनवर ने भी दर्शकों के साथ पुरानी यादें साझा कीं। इस सत्र का संचालन दानिश हम्माद जाजिब ने किया। सेमिनार का दूसरा सत्र थीसिस लेखकों के लिए था, जिसमें आठ थीसिस लेखकों ने अपने शोधपत्र पढ़े। दानिश हम्माद ने दक्षिण भारत की शैक्षणिक और विद्वतापूर्ण यात्रा शीर्षक पर अपनी थीसिस प्रस्तुत की। डॉ. शाहनवाज खान नमकीन ने इस्लामिक साहित्य और डॉ अहमद सज्जाद के बारे में थीसिस पेश किया। डॉ. रूबीना नसरीन, डॉ. मकबूल मंजर, डॉ खालिद सज्जाद, डॉ अख्तर आजाद ने भी अपना थीसिस एवं शोध प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय भाषण में डॉ हुमायूं अशरफ ने सभी लेखकों के संबंध में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। सत्र का संचालन डॉ मुर्शीद ने किया।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 02 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in

प्रदेश भाजपा की दो दिवसीय समीक्षा बैठक संपन्न

फरवरी तक नये प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन हो जायेगा : डॉ लक्ष्मीकांत

भाजपा एक सजग लोकतांत्रिक प्रहरी की भूमिका निभायेगी : डॉ रवींद्र राय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय ने प्रदेश भाजपा की दो दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस किया।

इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि बैठक में जो निष्कर्ष निकला है, वह भारतीय जनता पार्टी के लिए भविष्य में मिल का पत्थर साबित होगा। यह सच है कि हम चुनाव हारे हैं, लेकिन चुनाव में अंकगणित काम देता है। हमने वोट बढ़ाये हैं। प्रतिशत बढ़ाया है। जनता में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ी है, लेकिन अंकगणित में बीजेपी पीछे रह गयी। इससे सीख लेकर इस हार से एक मजबूत संगठन बनाने का संकल्प लिया गया है। फरवरी तक नये प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन हो जायेगा। सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभायेंगे। सरकार अच्छे काम करती है तो ठीक है, जन विरोधी काम करने पर भाजपा सड़क पर भी जाने में कोई संकोच नहीं करेगी। संगठन के माध्यम से ताकत का सृजन करेंगे। ताकत का सृजन कर आगे बढ़ेंगे। सांसद पुंडेश्वरी झारखंड में सदस्यता अभियान की देखरेख करने के लिए नियुक्त हुई हैं। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा पार्टी ने दो दिनों तक पांच सत्रों में बैठक की। इस दौरान चुनाव के संचालन से लेकर उसके प्रबंधन और परिणाम तक की विस्तृत चर्चा की गयी। राजनीति में चुनाव महत्वपूर्ण पहलू है। इसका परिणाम सफलता और असफलता सामान्य नजरों में देखी जाती है। भाजपा इसे थोड़ा और गहराई जाकर इस रूप में लेती है कि हमको समाज ने किस रूप में जिम्मेदारी दी है और किस रूप में कितना स्वीकार किया है।

विश्वसनीयता में कोई कमी नहीं आयी है

झारखंड की जनता में भारतीय जनता पार्टी की विश्वसनीयता में कोई कमी नहीं आयी है। पहले से पार्टी को 9 लाख अधिक वोट मिले हैं। लोगों के बीच में भारतीय जनता पार्टी के मुद्दे और विषय को स्वीकृति भी मिली लेकिन वोटों के ध्रुवीकरण के कारण इसमें सांप्रदायिकता का भाव और जातीयता का उभार पैदा किया गया कुछ समूहवाद को और झारखंड को विभाजित करने का काम किया गया। इसकी वजह से जो परिणाम की उम्मीद की थी, वह नहीं आया। हालांकि इसमें भाजपा के संगठन और उम्मीदवार के स्तर पर कमी और आरोप प्रत्यारोप की बात कहीं से नहीं आयी। हर व्यक्ति ने स्वीकार किया कि समाज में हमारी बातों को सुना और सराहा गया।

विपक्षियों के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जातीय दुर्भावना, सांप्रदायिक दुर्भावना और अलग-अलग कम्युनिटी को भावनाओं को भड़काने का काम झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद के द्वारा किया गया। उसके कारण का ध्रुवीकरण का दुष्परिणाम आया, लेकिन भारतीय जनता पार्टी अपने संगठन और विचारधारा के प्रवाह में इस परिणाम की बिना परवाह किये झारखंड के जनता के हित में आगे अपना काम करती रहेगी। विपक्ष की भूमिका निभायेगी और सरकार के कार्यों का बहुत ही गंभीरता से निरीक्षण करेगी। देखती रहेगी कि जो जनता के सामने वादे हुए, पूरे हो रहे हैं कि नहीं हो रहे हैं। हम एक सजग लोकतांत्रिक प्रहरी की भूमिका निभायेंगे। डॉ राय ने कहा कि चुनाव के दौरान संचालन, प्रबंधन और उम्मीदवारों के जनसंपर्क अभियान में कोई कमी नहीं हुई। मुद्दों को जनता तक ले जाने में थोड़ी कमी रह गयी, जिसके कारण विरोधी सफल रहे। लेकिन भारतीय जनता पार्टी झारखंड को अपने राजनीतिक का बड़ा प्रयोग भूमि मानती है और एक व्यापक दृष्टिकोण लेकर आगे भी काम करती रहेगी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक भी मौजूद थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न के खिलाफ विहिप का प्रदर्शन

बांग्लादेश में चिन्मय दास की अविलंब रिहाई की उठी मांग

हिंदुओं पर लगातार उत्पीड़न विराम के लिए आगे आये विश्व समुदाय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत ने रांची के रेलवे स्टेशन के समीप रविवार को हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही बंग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की अविलंब रिहाई की मांग की। विहिप झारखंड प्रांत के मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने कहा कि बांग्लादेश प्रशासन द्वारा वहां के इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी की गिरफ्तारी प्रशासन की कायरता पूर्ण और अलोकतांत्रिक कार्रवाई है। बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा कि बांग्लादेश सरकार के इस कायरतापूर्ण और अलोकतांत्रिक घटना का पुरजोर विरोध करती है। इस प्रकार से अलोकतांत्रिक तरीके से गिरफ्तार करना, अलोकतांत्रिक और अमानवीय है। हिंदू समाज के मानवाधिकारों का हनन भी है।

हिंदू समाज का हो रहा है दमन

विहिप के प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने कहा कि बांग्लादेश में जो घटनाक्रम चल रहा है उसमें वामपंथी, इस्लामिक तत्वों के साथ मिलकर वहां के हिंदू समाज का दमन कर रहे हैं। दुर्भाग्य की बात है कि पूरे विश्व समुदाय ने, वैश्विक संगठनों ने इस घटनाक्रम पर जितनी चिंता व्यक्त करनी चाहिए थी, ऐसी रोक नहीं लगायी है। विश्व हिंदू परिषद पूरे विश्व समुदाय से यह अपेक्षा करती है कि वहां पर हो रहे घटनाक्रम को ध्यान से देखे, उसकी गंभीरता को समझे और बांग्लादेश के प्रशासन पर दबाव बनाये कि हिंदुओं के मानवाधिकारों की रक्षा की जाये, सुरक्षा की जाये।

विहिप प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने कहा कि भारत सरकार का प्रति-उत्तर इस विषय में बहुत ही सावधानीपूर्वक और न्यूनतम रहा है। एक बड़े हिंदू समुदाय के इस प्रकार के उत्पीड़न को भारत सरकार सिर्फ देखती रहे, लंबे समय तक यह भी स्वीकार नहीं किया जा सकता।

विधायक सीपी सिंह का सम्मान समारोह आयोजित

जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें सातवीं बार विधायक बनाया है, वह उसे पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे : सीपी सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन, झारखंड मोटर फाउंडेशन और छात्र युवा संघर्ष समिति द्वारा रांची के विधायक सीपी सिंह का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन के अध्यक्ष ललित नारायण ओझा की अध्यक्षता में हुआ। इस समारोह में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची का विकास उनकी पहली प्राथमिकता है और रांची को विकसित राजधानी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि रांची की जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए वह हमेशा तैयार हैं। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें सातवीं बार विधायक बनाया है, वह उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि रांची की जनता के हर सुख दुख में वह उनके साथ खड़े हैं और उनके दरवाजे रांची की जनता के लिए 24 घंटे खुले हैं। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल, सुनील सिंह चौहान, प्रभाकर सिंह, संजीव चौधरी, अशोक मिश्रा, राजकुमार जायसवाल, बैजू सोनी, अशोक यादव, विवेक सिंह, अमित चौधरी, कुणाल राय, उदय चौधरी, बाली राय, महेंद्र राय सहित हजारों की संख्या में मातृ शक्ति मजदूर यूनियन के मजदूर साथी और विभिन्न संगठन के समाजसेवी उपस्थित रहे।

पलामू बालिका गृहकांड : भाजपा ने की उच्च न्यायालय से निष्पक्ष जांच की मांगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पलामू जिले में स्थित बालिका गृह में बच्चियों के साथ यौन शोषण की घटना पर भाजपा ने राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इस गंभीर घटना को राज्य के तंत्र और प्रशासन की विफलता करार देते हुए, हेमंत सरकार पर कठोर आरोप लगाये हैं।

साह ने कहा कि बालिका गृह में उन बच्चियों को रखा जाता है, जो पहले ही यौन अपराधों की शिकार हो चुकी होती हैं। सरकार का उद्देश्य उन्हें वहां सुरक्षित वातावरण देना होता है। लेकिन अगर वही स्थान अपराध का केंद्र बनता है, तो यह स्पष्ट है कि रक्षक ही भक्षक बन गये हैं। साह ने यौन शोषण की इस घटना को गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि बालिका गृह में बच्चियों पर अधिकारियों को खुश करने का दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने सवाल उठाया, यह जानना जरूरी है कि ये अधिकारी कौन थे। यह मामला एक उच्च स्तरीय जांच का विषय है और इसकी जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से करायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बालिका गृह पर बाल कल्याण समिति, जिला कलेक्टर और कल्याण विभाग का नियंत्रण होता है। ऐसे में यह घटना सरकार की कार्यक्षमता और प्रशासनिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़े करती है। साह ने यह भी याद दिलाया कि तीन साल पहले राजधानी रांची के एक बाल गृह में भी इसी प्रकार का मामला सामने आया था, लेकिन राज्य सरकार ने इससे कोई सबक नहीं लिया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह घटना राज्य सरकार की बच्चों की सुरक्षा के प्रति उदासीनता को उजागर करती है। उन्होंने कहा, हाइकोर्ट के दबाव के बाद ही तीन साल पहले झारखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग का गठन किया गया। इसके बावजूद, पिछले एक साल से आयोग के अध्यक्ष का पद खाली पड़ा है, जो सरकार की लापरवाही को दर्शाता है। साह ने पलामू की घटना की तुलना बिहार के कुख्यात मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड से करते हुए कहा कि इस मामले में दोषी अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि घटना की उच्च स्तरीय जांच और निष्पक्ष कार्रवाई से ही बच्चियों को न्याय मिल सकता है।

एनटीपीसी ने उड़ान स्टेडियम में मनाया 50वां स्थापना दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/टंडवा। नॉर्थ कर्णपुरा एनटीपीसी के उड़ान स्टेडियम में 50वां स्थापना दिवस के अवसर पर इंडियल आइएडल विजेता लोक प्रसिद्ध गायक पवनदीप राजन, अरुणिता कांजीलाल गायिका के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परियोजना प्रमुख संजीव कुमार, डीइओ दिनेश मिश्रा सहित पदाधिकारियों ने दीप जलाकर किया। संगीत नृत्य की शुरुआत नटराज नृत्य समूह के द्वारा जय गणेशा के गीत पर नृत्य से किया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख एसकेसुआर, वसुंधरा लेडीज क्लब के अध्यक्षा दीपाली आचार्य ने दोनों को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। इस मौके पर डीइओ दिनेश मिश्रा, सीओ विजय दास, इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी अनिल उरांव टंडवा, एचओपी केरेडारी शिव प्रसाद, एचओपी चट्टी बरियातू नवीन गुप्ता, एचओपी उत्तरी करणपुरा संजीब कुमार सूआर, मध्य जिप सदस्य सुभाष यादव, मुखिया गाड़ीलांग साबिदा खातून, मुखिया कल्याणपुर महेश मुंडा, मुखिया राहम विश्वजीत उरांव, टंडवा मुखिया सुनीता देवी, सुभाष दास, व्यवसायिक संघ अध्यक्ष विकास गुप्ता सहित सैकड़ों संगीत प्रेमी उपस्थित थे।

वेब्स होटल के मालिक के घर से चोरी हुआ 20 लाख कैश और जेवर बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। शहर के वेब्स होटल के मालिक संजीव चड्ढा के घर से चोरी हुए कैश और जेवर पुलिस ने मध्य प्रदेश से बरामद कर लिया है। साथ ही उस चोर को भी पकड़ने में सफलता हासिल की है, जिसने इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार आकाश धनक को उसके घर से ही पुलिस ने पकड़ा है। इस छापेमारी में मध्य प्रदेश राज्य के सागर जिले की मोतीनगर थाना पुलिस का भी योगदान सराहनीय रहा है। संजीव चड्ढा के घर का पूरा मुआयना करने के बाद रामगढ़ पुलिस और टेक्निकल सेल ने काफी सक्रियता से काम करना शुरू किया। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने भी इस मामले को तत्काल उद्भेदन करने का निर्देश दिया। साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क कर सहयोग करने की अपील की। चोर की पहचान संजीव चड्ढा के परिजनों ने कर दी थी। उन्होंने बताया था कि आकाश धनक 8 वर्षों तक उनके होटल में काम कर चुका है। 3 महीने पहले ही उसने नौकरी छोड़ी थी। इसके बाद होटल के जिस स्टाफ गोपाल से वह बात करता था, उसने भी इसकी पुष्टि की। सीसीटीवी कैमरे में आकाश धनक को बैग लेकर घुसते हुए और भागते हुए भी देखा गया था। **नौकरी छोड़ते समय स्पीकर चुरा ले गया था आकाश** : पीड़ित परिवारों से पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि आकाश का नजरिया पहले से ही खराब हो गया था। 3 महीने पहले जब उसने वेब्स होटल की नौकरी छोड़ी तो वह होटल से एक स्पीकर चुरा कर ले गया था। उसे स्पीकर के लिए जब होटल मालिक ने आकाश को फोन किया तो उन दोनों के बीच काफी बहस हुई। इस दौरान आकाश ने संजीव चड्ढा के परिजनों को धमकी भी दी थी। लेकिन वह धमकी इतनी महंगी पड़ेगी शायद इसका अंदाजा उन्हें नहीं था। **सागर जिले की कोर्ट से रिमांड पर लिया जायेगा आकाश:** मध्य प्रदेश राज्य के सागर जिले से आकाश धनक की गिरफ्तारी हुई है। उसके घर से चोरी की संपत्ति भी बरामद हुई है। रामगढ़ पुलिस सोमवार को सागर कोर्ट में आकाश धनक को पेश करेगी और उसे रिमांड पर लेकर रामगढ़ लायेगी।

चोरी कर अपने घर पहुंचा था आकाश

रामगढ़ से चोरी कर आकाश धनक सीधे अपने घर मध्य प्रदेश के सागर जिला अंतर्गत मोती नगर थाना क्षेत्र के संत कबीर दास नगर पहुंचा। उसने सबसे पहले चोरी के माल को छुपाने की कोशिश की। वेब्स होटल के मालिक के घर से उसने लगभग 20 लाख रुपये कैश और लाखों रुपये के जेवर समेत कुल 50 लाख रुपये के संपत्ति चोरी की थी। अपने घर की छत पर ही उसने एक बैग में चोरी का पूरा माल छुपा कर रख दिया था।

राजेंद्र प्रसाद भाजपा की हार का कारण पीएम मोदी और गृहमंत्री को बतायेंगे

रांची (आजाद सिपाही)। मूलवासी सदान मोर्चा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने भाजपा की हार के बाद प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को झारखंड की वास्तविकता को समझना चाहिए। राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि उन्होंने भाजपा के प्रदेश प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा को पहले ही बता दिया था कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनते नहीं दिख रही है। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि मूलवासी सदानों की अनदेखी भाजपा की हार का मुख्य कारण है। उन्होंने बताया कि मूलवासी सदान मोर्चा ने स्थानीय नीति, नियोजन नीति और क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर लगातार आंदोलन किया है। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का समय मांगेंगे और झारखंड की वास्तविकता से अवगत करायेंगे।

भारतीय एकता कमेटी ने जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण किया

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय एकता कमेटी ने रविवार को जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि मानवता और इंसानियत से बड़ा कुछ भी नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इंसान को अपना दिल बड़ा रखना चाहिए और जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए। इस कार्यक्रम में सुमन और पीसी सेठी ने भी कंबल दान किये। भारतीय एकता कमेटी ने उनका आभार व्यक्त किया है। सचिव रामेश्वर राम ने कहा कि अभी और जरूरतमंद लोगों को कंबल दिया जायेगा।

178वां नि:शुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा महाप्रसाद का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पुंदाग स्थित निर्माणाधीन मंगल राधिका सदानंद श्री कृष्ण प्रणामी सद्गुरु कृपा अपनाघर आश्रम के प्रांगण में रविवार को 178वां नि:शुल्क श्री कृष्ण भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें 1400 श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान एवं कार्यक्रम संयोजक विशाल जालान के नेतृत्व में पंकज कुमार पोद्दार उनकी धर्म पत्नी रामा पोद्दार एवं ऋषभ पोद्दार, नेहा अग्रवाल के संग 178वें नि:शुल्क अन्नापूर्णा भंडारे का भोग किया। पंकज कुमार पोद्दार ने अपनी धर्म पत्नी रामा पोद्दार सुपुत्र ऋषभ पोद्दार एवं उनके परिवार के सौजन्य से दोपहर का विषेश प्रसाद कराया गया। संस्था के निर्मल जालान, सज्जन पाडिया, मनीष सोनी, चिरंजीलाल खंडेलवाल ने भगवान के दर पर भोग लगाते हुए यह भजन गायन कर भोग लगाया। श्री कृष्ण भंडारे में छोला, भटूरा, भेजिटेबल पुलाव, केसरिया जलेबी, खीर, आलूचिप्स के पैकेट का वितरण किया गया। भंडारे का प्रसाद कार्यक्रम संयोजक विशाल जालान सह संयोजक ओमप्रकाश सरावगी, पवन पोद्दार एव विष्णु सोनी के दिशा निर्देश में श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में निर्मित किया गया था। लगभग 1400 से ज्यादा भक्तजनों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल सचिव मनोज कुमार चौधरी, कार्यक्रम संयोजक विशाल जालान, नंद किशोर चौधरी, ओम प्रकाश सरावगी, विष्णु सोनी, सुरेश चौधरी, सुरेश भगत, पूर्णमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, चिरंजीलाल खंडेलवाल, अंजनी अग्रवाल, महिला समिति की वरिष्ठ सदस्य विधा देवी अग्रवाल, शोभा जालान, रचिता चौधरी कविता चौधरी, सुनिता अग्रवाल, कविता चौधरी, सरिता अग्रवाल सहित 50 से ज्यादा समसेवकों ने भंडारा वितरण में सहयोग किया। यह जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (राजू अग्रवाल) ने दी।

भाजपा चुनाव को हल्के में नहीं लेती

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत अप्रत्याशित नहीं थी। हालांकि, भाजपा ने 90 प्रतिशत से अधिक सीटों पर जीत हासिल की और उसके सहयोगियों ने भी शानदार जनादेश हासिल किया। भाजपा किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं लेती है। पंचायतों से लेकर संसद तक, यह हर चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगाती है। इसमें अपनी गलतियों से सीखने और जल्दी से जल्दी सुधार करने की जबरदस्त क्षमता है। अंत में, यह कुछ जीत सकती है और कुछ हार सकती है, लेकिन जब अगला चुनाव आता है, तो पार्टी पूरी ताकत से तैयार रहती है। भारत में किसी अन्य पार्टी ने चुनावों के दौरान ऐसा जादू नहीं दिखाया है। कहा जाता है कि सफलता के कई पिता होते हैं, असफलता अनाथ होती है। महाराष्ट्र इसका अपवाद नहीं है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व हमेशा यह समझता है कि चुनाव में जीत या हार किसी एक कारक के कारण नहीं हो सकती। कुछ निश्चित ताकतें होती हैं, लेकिन हर चुनाव में कुछ चर होते हैं। 7 दशकों से ज्यादा समय तक चली अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा में, पहले भारतीय जनसंघ (बीजेएस) के रूप में और बाद में भारतीय जनता पार्टी के रूप में पार्टी ने अपनी चुनावी मशीन को मजबूत किया है। जहां तक स्थिरांकों का सवाल है, यह नेता, कैडर और परिवार की तिकड़ी पर निर्भर करता है। अतीत में अटल बिहारी वाजपेयी एवं लाल कृष्ण अडवानी और अब नरेंद्र मोदी ने पार्टी को ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। पीएम मोदी ऐसा नेतृत्व प्रदान करते हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में दुर्लभ है। वे सत्ता विरोधी लहर के बारे में पारंपरिक राजनीतिक ज्ञान को चुनौती देते हैं। यही कारण है कि पार्टी बिना किसी खेद के अपनी चुनावी जीत का श्रेय उस बढ़ती हुई व्यापक अपील को देती है, जो प्रधानमंत्री को सत्ता में 10 साल से ज्यादा समय के बाद भी हासिल है। प्रधानमंत्री पद के साथ-साथ भाजपा के लिए 2 अन्य महत्वपूर्ण स्थिरांक हैं- इसकी सुव्यवस्थित संगठनात्मक मशीनरी और संघ परिवार से मिलने वाला अनौपचारिक महत्वपूर्ण समर्थन। महाराष्ट्र और अन्य जगहों पर भी, उनका योगदान बहुत बड़ा था। इन स्थिरांकों से परे ऐसे चर हैं, जिन पर पार्टी ने दशकों के अनुभव से महारत हासिल की है। एक विचारधारा से प्रेरित पार्टी के रूप में शुरू हुई भारतीय जनसंघ ने 1967 में अपना पहला लिटमस टैस्ट तब देखा जब उसे समाजवादियों और कम्युनिस्टों जैसे वैचारिक कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के साथ हाथ मिलाकर 7 राज्यों में संयुक्त विधायक दल (एसवीडी) की सरकार बनाने या अपने वैचारिक शुद्धतावाद को जारी रखने और बाहर बैठने की दुविधा का सामना करना पड़ा। दीनदयाल उपाध्याय से लेकर नरेंद्र मोदी तक और एसवीडी से लेकर महायुति तक यही लचीलापन और व्यावहारिकता है, जिसने पार्टी को आगे बढ़ाया और जीता, न कि इवीएम में हेरफेर जैसा कि कुछ लोग शिकायत करना चाहते हैं।

कहा जाता है कि सफलता के कई पिता होते हैं, असफलता अनाथ होती है। महाराष्ट्र इसका अपवाद नहीं है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व हमेशा यह समझता है कि चुनाव में जीत या हार किसी एक कारक के कारण नहीं हो सकती।

अभिमत
आजाद सिपाही

विश्व के इस भू-भाग में भारत ही एकमात्र लोकतांत्रिक और पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है, जो दुनिया में अपना खोया मान-सम्मान पुनः अर्जित कर रहा है और इसी कड़ी में स्वतंत्रता के बाद भारत आज सबसे अच्छे दौर में भी है। भारत के पड़ोस में चीन अधिनायकवादी है, तो पाकिस्तान, बंगलादेश और अफगानिस्तान विशुद्ध इस्लामी। इन चारों देशों में उनके वैचारिक अधिष्ठान के कारण लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता और मानवाधिकारों का कोई स्थान नहीं है।

आखिर 'पंथनिरपेक्ष' क्यों है भारत

बलबीर पुंज

गत 26 नवंबर को देश में 75वां संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पुरानी संसद के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संयुक्त सभा को संबोधित किया। इस दौरान सिक्का-डाक टिकट के साथ संस्कृत और मैथिली भाषा में संविधान की प्रतियां भी जारी की गयीं। विश्व के इस भू-भाग में भारत ही एकमात्र लोकतांत्रिक और पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है, जो दुनिया में अपना खोया मान-सम्मान पुनः अर्जित कर रहा है और इसी कड़ी में स्वतंत्रता के बाद भारत आज सबसे अच्छे दौर में भी है। भारत के पड़ोस में चीन अधिनायकवादी है, तो पाकिस्तान, बंगलादेश और अफगानिस्तान विशुद्ध इस्लामी। इन चारों देशों में उनके वैचारिक अधिष्ठान के कारण लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता और मानवाधिकारों का कोई स्थान नहीं है। यह ठीक है कि नेपाल और श्रीलंका लोकतांत्रिक हैं, परंतु बीते कुछ वर्षों से वहां बाहरी प्रभाव (चीन-वामपंथ सहित) के कारण इसका ह्रास हो रहा है।

क्या भारत सिर्फ इसलिए पंथनिरपेक्ष है, क्योंकि हमारा संविधान ऐसा है? जब भारत का 14 अगस्त 1947 को विभाजन हुआ, जिसे खंडित भारत ह्यविभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में याद करता है, तब देश का एक तिहाई हिस्सा, इस आधार पर तकसीम कर दिया गया था कि मुसलमानों को अपनी पहचान और मजहब की कथित सुरक्षा हेतु अलग पाक जमीन चाहिए। इस्लामी कब्जे वाले यह क्षेत्र पाकिस्तान और बांग्लादेश हैं। तब होना तो यह चाहिए था कि खंडित भारत भी स्वयं को हिंदू-राज्य घोषित करता, परंतु ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि हिंदू दर्शन या हिंदुत्व में पूजा-पद्धति और मजहब व्यक्तिगत विषय है, जिसका राज्य में कोई दखल नहीं होता।

स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माताओं ने 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन बाद गहन-मंथन के पश्चात भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार किया।

भारतीय इतिहास साक्षी है कि यहां जितने भी हिंदू राजा हुए, उन्होंने अपनी निजी आस्था और संबंधित परंपरा को न ही अपनी प्रजा पर थोपा और न ही उसके अनुपालन के लिए उन्हें बाध्य और प्रताड़ित किया। सम्राट अशोक ही एकमात्र ऐसे अपवाद थे, जिन्होंने बौद्ध मतांतरण के पश्चात राज्य संसाधनों का उपयोग अपने नव-मत के प्रचार-प्रसार हेतु किया था।

भारत को बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता की प्रेरणा किससे मिलती है? स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माताओं ने 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन बाद गहन-मंथन के पश्चात भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार किया। तब इसके तत्कालीन स्वरूप को हिंदी-अंग्रेजी में प्रसिद्ध सुलेखक प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने कलमबद्ध किया था, तो प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस ने इसकी दोनों मूल प्रतियों को अद्भुत चित्रों के साथ भारतीय इतिहास और परंपरा से जोड़ने का काम किया। इनमें नटराज (शिव जी), श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान गौतमबुद्ध, भगवान महावीर, मोहनजोदड़ो, मौर्य, गुप्त आदि कालों के साथ नालंदा विश्वविद्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोबिंद सिंहजी, गांधीजी, नेताजी बोस इत्यादि के सुंदर चित्र हैं। यह सभी सिर्फ सजावट हेतु कोई कलाकृति नहीं, बल्कि भारत की वैदिककाल से गणतंत्र बनने की विकास यात्रा का संस्मरण है। यही कारण है कि अनेकों षड्यंत्रों, मजहबी हमलों और सामाजिक घालमेल के बाद भी भारत का बहुलतावादी चरित्र अक्षुण्ण है।

भारत अनादिकाल से पंथनिरपेक्ष इसलिए भी है, क्योंकि यहां के बहुसंख्यक हजारों वर्षों से हिंदू हैं, जिनके सनातन दर्शन का आधार बहुलतावाद, सह-अस्तित्व और समग्रता है। क्या यह सच नहीं कि जब 1980-90 के दौर में इस्लाम बहुल कश्मीर से हिंदुओं को उनकी पूजा-पद्धति के कारण स्थानीय मुस्लिमों द्वारा मारा, उनकी महिलाओं से बलात्कार और मंदिरों को तोड़ा जा रहा था, जिसके कारण उन्हें पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा, तब संपूर्ण देश में संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और लोकतंत्र का राज था? इसके उलट, जब सदियों पहले दुनिया के कोनों से मजहबी अत्याचारों के कारण सीरियाई ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों ने अपना उद्गमस्थल छोड़ कर हिंदू प्रधान भारत में शरण ली, तब न केवल स्थानीय हिंदू-बौद्ध राजाओं और संबंधित प्रजा ने उनका स्वागत किया, बल्कि उन शरणार्थियों को अपनी पूजा-पद्धति, जीवनशैली और परंपरा को अपनाने की स्वतंत्रता भी दी।

सन 629 में तत्कालीन केरल के राजा चेरामन पेरुमल ने कोडंगलूर में चेरामन जुमा मस्जिद का निर्माण पैगंबर साहब के जीवनकाल में कराया था, जो कि अरब के बाहर बनने वाली विश्व की पहली मस्जिद थी। यह समरस, सहिष्णु, शांतिपूर्ण और बहुलतावादी परंपरा तब भंग हुई, जब 8वीं शताब्दी में अरब से इस्लाम के खालिस स्वरूप का, तो यूरोप से 16वीं शताब्दी में ईसाइयत का अपने स्वाभाविक मजमून के साथ दूसरी बार भारत में आगमन हुआ, जिसके अनुसार उनके मजहब द्वारा घोषित ईश्वरीय व्यवस्था ही एकमात्र सत्य और अन्य सभी झूठ है।

वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर अगले एक हजार वर्षों में गजनी, गौरी, खिलजी, तुगलक, बाबर, अकबर, जहांगीर, औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि आक्रांताओं ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत-विक्षत किया।

बात यदि ईसाइयत की करें, तो वर्ष 1541 में दक्षिण-भारत के गोवा में फ्रांसिस जेवियर ने जेसुइट मिशनरी के रूप में कदम रखा था। ईसाइयत के प्रचार हेतु भारत पहुंचे जेवियर ने उस समय गोवा इक्विजीशन के माध्यम से गैर-ईसाइयों के साथ उन मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ उत्पीड़नयुक्त मजहबी अभियान चलाया, जो देशज परंपराओं के साथ अपनी मूल पूजा-पद्धति का ही अनुसरण कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस भूखंड के करोड़ों लोगों के लिए आज भी उपरोक्त हमलावर प्रेरणास्त्रोत हैं, तो देश के कई हिस्सों में उनका अधूरा एजेंडा (मतांतरण सहित) बदस्तूर जारी है। इस त्रासदी को और अधिक बल तब मिला, जब वर्ष 1976 में आपातकाल (1975-77) के समय तत्कालीन इंदिरा सरकार ने अलोकतांत्रिक रूप से मूल संविधान की प्रस्तावना में भारत के विवरण को संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य से बदल कर संप्रभु, समाजवादी सैकुलर लोकतांत्रिक गणराज्य कर दिया था। विश्व के इस भूक्षेत्र में जहां-जहां इसके मूल सनातन-चरित्र का पतन हुआ, वहां-वहां लोकतंत्र, बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता ने दम तोड़ दिया।

ईसाइयत के प्रचार हेतु भारत पहुंचे जेवियर ने उस समय गोवा इक्विजीशन के माध्यम से गैर-ईसाइयों के साथ उन मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ उत्पीड़नयुक्त मजहबी अभियान चलाया, जो देशज परंपराओं के साथ अपनी मूल पूजा-पद्धति का ही अनुसरण कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस भूखंड के करोड़ों लोगों के लिए आज भी उपरोक्त हमलावर प्रेरणास्रोत हैं, तो देश के कई हिस्सों में उनका अधूरा एजेंडा (मतांतरण सहित) बदस्तूर जारी है।

देश-विदेश की खबरें

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मेघालय के री भोई जिले में सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

- केंद्रीय मंत्री ने री भोई जिले के प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे विभिन्न मापदंडों में अन्य आकांक्षी जिलों से काफी बेहतर बताया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मेघालय के री भोई जिले का दौरा किया और विभिन्न महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की और प्रमुख केन्द्र प्रायोजित सरकारी योजनाओं के तहत क्षेत्र की प्रगति का आकलन किया। अपनी यात्रा के दौरान, मंत्री ने जिले के कुछ गांवों का दौरा किया और ट्रांजिट होम में रह रहे परिवारों से भी मिलीं। उन्होंने बायरहाट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती माताओं के साथ बातचीत की। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने सैडेन गांव में आंगनवाड़ी केंद्र का भी दौरा किया, जहां उन्होंने केंद्र से जुड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं और प्रीस्कूल सेवाओं और पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) गतिविधियों में नामांकित बच्चों के साथ बातचीत की। मंत्री ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए डीसी सम्मेलन कक्ष में सभी विभागों और जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की और योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन हेतु आवाश्यक निर्देश दिये। बैठक में नीति आयोग और पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) सहित अन्य योजनाओं और पहलों के साथ-साथ वार्षिक कार्य निष्पादन लक्ष्यों की चुनौतियों, उपलब्धियों और प्रगति पर चर्चा की गयी।

मंत्री ने प्रारंभिक बचपन विकास मिशन और मुख्यमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना (सीएम-एसएमएस) सहित राज्य सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। मंत्री ने कहा कि सरकार की यह पहल सबसे अच्छे व्यवहारों में से एक है और हम देखेंगे कि मां और बच्चे के स्वास्थ्य में और सुधार लाने के लिए इसे देश के अन्य आकांक्षी जिलों में कैसे लागू किया जा सकता है।

अन्नपूर्णा देवी ने जिले की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि, री भोई के आकांक्षी जिला संकेतक बहुत उत्साहजनक हैं। आज, यह जिला महिलाओं और बच्चों के लिए कई संकेतकों में शीर्ष स्थान पर है। उन्होंने कुछ संकेतकों में अंतर को दूर करने और बैठक में उठाई गई चुनौतियों से निपटने के लिए अपना समर्थन देने का भी आश्वासन दिया। मंत्री ने राज्य के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और केन्द्र के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और कहा कि आपके प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए इन्हें जल्द पूरा करने का प्रयास करूंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र पर केंद्र सरकार के ध्यान को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा, आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया है और महिला एवं बाल विकास सहित सभी विभागों में सामूहिक प्रयास किए गए हैं। आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) की सफलता का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि एडीपी के तहत पहले उपेक्षित जिलों सहित दूरदराज के इलाकों में किए गए ठोस प्रयासों के कारण प्रमुख संकेतकों में विकास को बढ़ावा देने में बड़ी सफलता मिली है। समीक्षा बैठक के दौरान राज्य सरकार और केंद्र सरकार के अधिकारी उपस्थित थे। संपत कुमार, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मेघालय सरकार, मेघालय सरकार के सामाजिक कल्याण विभाग के आयुक्त एवं सचिव प्रवीण बख्शी, उप आयुक्त री भोई अभिलाष बरनवाल, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री की पीएस डॉ अंकिता चक्रवर्ती एवं महिला एवं बाल विकास उपस्थित थीं।

'जयपुर अलंकरण' से रतनू सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

जयपुर (आजाद सिपाही)। 297वें जयपुर स्थापना दिवस के उपलक्ष में जयपुर फाउंडेशन की ओर से इतिहास के क्षेत्र में सराहनीय सेवाओं के लिए कोलकाता में कार्यरत राजस्थान सूचना व जनसंपर्क के अतिरिक्त निदेशक और आधुनिक मॉरीशस के जनक स्वामी कृष्णानंद सरस्वती के पौत्र बीकानेरी हिंगलाज दान रतनू को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने विशिष्ट 'जयपुर अलंकरण' से आज सम्मानित किया। प्रतिवर्ष राजस्थान और अप्रवासी राजस्थानियों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के स्वीकृतिस्वरुप उक्त सम्मान से विभूषित किया जाता है। उल्लेखनीय है, कोलकाता के 30 लाख मारवाड़ियों को राजस्थान की माटी और संस्कृति से शिद्दत से जोड़े रखने में भगीरथ प्रयास कर रहे हैं हिंगलाज दान रतनू। समारोह में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न विषयों में देश के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की भागीदारी सराहनीय है।

'जयपुर अलंकरण' पुरस्कार लेते हुए हिंगलाज दान रतनू।

नवंबर में जीएसटी कलेक्शन 1.82 लाख करोड़

- नवंबर 2023 के मुकाबले 8.5% ज्यादा, अप्रैल से अब तक 19.74 लाख करोड़ कलेक्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सरकार ने नवंबर 2024 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, यानी जीएसटी से 1.82 लाख करोड़ रुपये जुटाये हैं। सालाना आधार पर इसमें 8.5% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी नवंबर-2023 में सरकार ने 1.68 लाख करोड़ रुपये जीएसटी कलेक्ट किया था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अब तक 19.74 लाख करोड़ रुपये जीएसटी से आये हैं। वहीं, पिछले महीने अक्टूबर में सरकार ने जीएसटी से 1.87 लाख करोड़ रुपये जुटाये थे, जो पिछले साल अक्टूबर के मुकाबले 9% ज्यादा था। वहीं नवंबर लगातार नौवां महीना है, जब मंथली कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है। साल के पहले छह महीनों में जीएसटी कलेक्शन 10.87 लाख करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही की तुलना में 9.5% ज्यादा था।

अब तक का तीसरा सबसे बड़ा कलेक्शन : ग्रॉस टैक्स कलेक्शन के लिहाज से नवंबर महीने में अब तक का तीसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है। इससे पहले अप्रैल 2024 में सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ रुपये जीएसटी के रूप में वसूले गये थे। वहीं, अप्रैल-2023 और अक्टूबर-2024 में 1.87-1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी सरकार ने वसूला था।

सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 34,141 करोड़ : पीटीआई के मुताबिक नवंबर में डॉमेस्टिक ट्रांजैक्शन के जरिए सरकार को ज्यादा रेवेन्यू हासिल हुआ है और इसका असर जीएसटी कलेक्शन में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिला है। सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन (सीएसजीटी) 34,141 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन (एसजीएसटी) 43,047 करोड़ रुपए, इंटिग्रेटेड आईजीएसटी (आइजीएसटी) 91,828 करोड़ रुपये और उपकर 13,253 करोड़ रुपये रहा है।

जनसंख्या में कमी चिंता का विषय, वृद्धि दर 2.1% से नीचे तो समाज नष्ट हो जायेगा : मोहन भागवत

नागपुर (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में कमी को चिंता का विषय बताया है। भागवत ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर 2.1% से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें। यह संख्या इसलिए जरूरी है, ताकि समाज जिंदा रहे। देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके अनुसार अगर किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज अपने आप नष्ट हो जायेगा। भागवत रविवार को नागपुर में कठाले कुल सम्मेलन में एक सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कुटुंब समाज का हिस्सा है और हर परिवार एक इकाई है। विजयादशमी उत्सव के दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में भारी अंतर के कारण देश की जनसंख्या में जहां भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायियों का अनुपात 88% से घटकर 83.8% रह गया है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 9.8% से बढ़कर 14.24% हो गया है। असंतुलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नीति होनी चाहिए। भागवत ने एक साल बाद फिर कहा- एक व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति की जरूरत है। जो सभी पर बराबरी से लागू होती हो। जनसंख्या असंतुलन पर हमें नजर रखनी होगी। जब सभी पर बराबरी से एक नीति लागू होगी तो किसी को भी रियायतें नहीं मिलेंगी। कुछ साल पहले फर्टिलिटी रेट 2.1 था। दुनिया की आशंकाओं से उलट हमने बेहतर किया और इसे 2 तक लेकर आये, लेकिन और नीचे आना खतरनाक हो सकता है।

पश्चिम बंगाल में डॉक्टर ने क्लिनिक में तिरंगा लगाया, लिखा

बांग्लादेशी मरीज झंडे को सलाम करें, तभी इलाज होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमले के विरोध में पश्चिम बंगाल में कुछ डॉक्टरों ने बांग्लादेशी मरीजों का इलाज करने से इनकार कर दिया है। सिलीगुड़ी में डॉक्टर शेखर बंदोपाध्याय ने अपने प्राइवेट क्लिनिक में तिरंगा लगाया है। डॉक्टर ने झंडे के साथ मैसेज में लिखा- भारत का राष्ट्रीय ध्वज हमारी मां की तरह है। कृपया चैंबर में एंट्री करने से पहले तिरंगे को सलाम करें। खासकर बांग्लादेशी मरीज, अगर वे सलाम नहीं करते हैं, तो उन्हें अंदर आने नहीं दिया जाएगा।

मेरे देश में आकर तिरंगे का सम्मान जरूर करें : डॉक्टर शेखर बंदोपाध्याय उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एठळ विभाग में विशेष चिकित्सा अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा- मुझे यह देखकर दुख हुआ कि बांग्लादेश में हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान हो रहा है। एक डॉक्टर के तौर पर मैं मरीजों को मना नहीं करना चाहता, लेकिन जो लोग मेरे देश में आते हैं, उन्हें हमारे झंडे, हमारी मातृभूमि का सम्मान करना चाहिए। ऐसा लगता है कि बांग्लादेश तालिबानी मानसिकता में चला गया है।

वे किसी बांग्लादेशी मरीज का इलाज नहीं करेंगे : एक अन्य डॉक्टर, जनरल सर्जन और चाइल्ड स्पेशलिस्ट चंद्रनाथ अधिकारी ने घोषणा की है कि वे अपने प्राइवेट क्लिनिक में किसी भी बांग्लादेशी मरीज का इलाज नहीं करेंगे। डॉक्टर ने कहा, मैं बोलपुर के एक सरकारी अस्पताल से जुड़ा हुआ हूं। वहां, मैं किसी भी मरीज को मना नहीं कर सकता, लेकिन मुझे अपने क्लिनिक में ऐसा करने की आजादी है। मैंने फैसला किया है कि मैं बांग्लादेश के मरीजों को नहीं देखूंगा। मेरा देश पहले आता है। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, वह हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

बांग्लादेशियों के इलाज से इनकार किया : पश्चिम बंगाल के कोलकाता और त्रिपुरा के अगरतला के दो अस्पताल बांग्लादेशी मरीजों का इलाज करने से पहले ही इनकार कर चुके हैं। कोलकाता के जेएन रे अस्पताल के सुभ्रांशु भक्त ने कहा- अब बांग्लादेशी मरीजों का इलाज नहीं करेंगे क्योंकि बांग्लादेश में तिरंगे का अपमान हो रहा है।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 02 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in

23वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता 14 जनवरी से होगी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। 23वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर रविवार को आरकेबीएस सोनपुरवा में संघ के संरक्षक अलखनाथ पांडेय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में 23 वी गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता 14 दिसंबर से शुरू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रतियोगिता तीन ग्रुप में आयोजित किया जायेगा। जूनियर वर्ग में वर्ग आठ तक के छात्र भाग ले सकते है। वही सीनियर वर्ग में दसवीं तक के छात्र शामिल हो सकते है। बालिका वर्ग में दसवीं तक की छात्राये शामिल हो सकती है। प्रतियोगिता में प्रवेश की अंतिम तिथि आठ दिसंबर रखा गया है। प्रवेश शुल्क 3500 रखा गया है। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले टीम अपने पंद्रह सदस्यीय टीम के खिलाड़ियों का दो फोटो, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, यूडायसस कोड की छाया प्रति के साथ प्रतियोगिता के कोषाध्यक्ष कमलेश दुबे, सह सचिव प्रिंस सोनी और ज्ञान निकेतन कान्वेंट स्कूल में जमा कर सकते है। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया जिसमें पर्यवेक्षक कमेटी का प्रमुख नंदकुमार गुप्ता को और सदस्य अशोक कुमार दुबे और मुजीबउद्दीन खान को बनाया गया। विशेष जानकारी के लिए संघ के कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार दुबे के मोबाइल 9304168422 पर संपर्क कर सकते है। प्रतियोगिता के संरक्षक अलखनाथ पांडेय ने कहा कि अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को आगे लाने और खेल का विकास करने के उद्देश्य से वर्ष 2000 में प्रतियोगिता शुरू किया गया। आज यह प्रतियोगिता 23 वे वर्ष में प्रवेश कर गया। यह राज्य का सबसे बड़ा प्रतियोगिता हो गया है। प्रतियोगिता की शुरूआत 14 दिसंबर से होगा। अध्यक्ष मदन केशरी ने कहा कि इस प्रतियोगिता के खिलाड़ी जिला का प्रतिनिधित्व लगातार कर रहे हैं। पलामू प्रमंडल में लड़कियों का क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सिर्फ गढ़वा में ही होता है। बैठक में संघ के उपाध्यक्ष सिस्टर रोशना,सुशील केशरी, डॉ तरुण भूषण सिन्हा, मुजीबुदिन खान, कोषाध्यक्ष कमलेश दुबे, अनिल विश्वकर्मा अशोक विश्वकर्मा शामिल थे।

एसपीडी कॉलेज में नैक पीयर टीम का रीविजिट संपन्न

गढ़वा (आजाद सिपाही)। नीलाम्बर/पीताम्बर विश्वविद्यालय की स्थायी संबद्ध इकाई गढ़वा में स्थित स्थानीय सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज का नैक पीयर टीम के द्वारा दो दिवसीय रीविजिट किया गया। 28 और 29 नवम्बर को दो दिवसीय रीविजिट कार्यक्रम के दौरान नैक पीयर टीम के द्वारा महाविद्यालय की विस्तृत रुप से जांच की गयी। जांच के पश्चात नैक पीयर टीम के द्वारा एग्जिट मीट में प्राचार्य को जांच रिपोर्ट सौंपा गया। उक्त आशय की जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो निकलेश चौबे ने दी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चौबे ने बताया कि नैक पीयर टीम में चेयरपर्सन के रुप में एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के प्रो वाईस चांसलर डा गजेंद्र कुमार असेरी, मेंबर के रुप में संत जेवियर कॉलेज, कोलकाता के प्राचार्य डॉ विंसेंट डोमीनिक सोवियो, मेम्बर कॉडिनेटर के रुप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो डॉ उज्जवल जाना उपस्थित थे। उन्होने बताया कि नैक पीयर टीम का महाविद्यालय परिसर में आगमन 28 नवम्बर को हुआ जबकि 29 नवम्बर को एक्जिट मीट संपन्न हुआ। रीविजट के दौरान नैक पीयर टीम के द्वारा महाविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, रीडिंग रुम, कम्प्युटर लैब, विभिन्न फैक्ल्टी, कार्यालय का लेखा-जोखा, टीचिंग एंड लर्निंग प्रोसेस, स्मार्ट क्लास, एनसीसी, एनएसएस आदि की विस्तृत जांच की गयी। इस दौरान नैक टीम के द्वारा महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राएं और अभिभावकों के साथ भी बैठक कर विस्तृत जानकारी हाशिल की गयी। वहीं नैक पीयर टीम के समक्ष महाविद्यालय के एनएसएस, एनसीसी और छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के विभिन्न सेल की भी जांच की गयी। साथ ही साथ महाविद्यालय के अद्यतन स्थिति की जांच की गयी। जांचोपरान्त पीयर टीम के द्वारा 29 नवम्बर को जांच रिपोर्ट एग्जिट मीट में प्राचार्य को हस्तगत कराया गया साथ ही आवश्यक निर्देश भी दिये गये रमडीह गांव का भी दौरा किया गया। इस दौरान प्रोग्राम ऑफिसर प्रो. कमलेश कुमार सिन्हा और निवर्तमान प्रोग्राम ऑफिसर डॉ उमेश सहाय भी उपस्थित थे। इस मौके पर नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रुप में डॉ विमल कुमार, महाविद्यालय के निवर्तमान प्राचार्य प्रो रवींद्र कुमार द्विवेदी, आईक्यूएसी कॉडिनेटर डॉ एचबी जारुहार भी उपस्थित थे। इस मौके पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के फैक्ल्टीज, विभिन्न सेल के प्रभारी, एनएसएस एवं एनसीसी के प्रभारी और उनके वालंटियर्स एवं कैडेट्स, विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

लड़कियों की शादी समय से पूर्व करने से करना पड़ता है आर्थिक शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना

रंका (आजाद सिपाही)। लड़कियों की शादी समय से पहले करने से जीवन में आर्थिक, शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए अब समय की मांग है कि आप (लड़कियां)सभी अपने माता-पिता को विश्वास में लेकर उन्हें समझाएं कि अभी हमें पढ़ाई करना है, कुछ बनना है, समय से पूर्व हमें शादी नहीं करनी है। उक्त बातें रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह ने रंका कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम के तहत बच्चियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बाल विवाह हो जाने के कारण लड़कियों में एनीमिया अर्थात खून की कमी के साथ साथ स्वास्थ्य से संबंधित अन्य बीमारियों का शिकार होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर माता-पिता समय से पूर्व शादी करना चाहते हैं तो आप इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविका, स्वास्थ्य सहिया के द्वारा मुझ तक पहुंचाने का कार्य करें। कानून इसका निष्पादन करेगा। उन्होंने ट्रैफिकिंग अर्थात मानव व्यापार के प्रति भी उपस्थित छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि आजकल दलालों का समूह विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत है जो गरीब और निरक्षर माता-पिता को लक्ष्य कर उन्हें कुछ पैसे देकर उनकी बेटी को दूसरे शहरों में काम दिलाने के नाम पर ले जाते हैं और वहां उनके साथ आर्थिक, शारीरिक और मानसिक शोषण का कार्य करते हैं। अगर आप सभी को ऐसी सूचना मिले तो उसे कानून के दायरे तक लाने में अपनी सहभागिता निभाएं। उन्होंने छेड़खानी, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधी बातों को विस्तार पूर्वक जागरूकता जानकारी दी। इस कार्यक्रम को वार्डन अनिमा बेक एवं पत्रकार नंद कुमार ने भी संबोधित किया जबकि संचालन स्वयंसेवक समाजसेवी अमरेंद्र कुमार ने किया। इस मौके पर काफी संख्या में छात्राएं उपस्थित थे।

20वीं प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में शांति निवास हाइस्कूल का दबदबा

बच्चों का सर्वांगीण विकास हमारा लक्ष्य : अलखनाथ पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

विजेता प्रतिभागी किये गये सम्मानित।

गढ़वा। जिला पब्लिक स्कूल समंवय समिति के तत्वावधान में 20वीं प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को रविवार को आरकेभीएस संस्थान में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का उद्घाटन जिला पब्लिक स्कूल समंवय समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय, सचिव मदन प्रसाद केसरी, उपाध्यक्ष सिस्टर रोशना, सुशील केशरी, संजय सोनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अलख नाथ पांडेय ने कहा कि आज के परिवेश में विद्यार्थियों का सवार्गीण विकास जरूरी है। आज का युग कंपटिशन का है। समिति का उद्देश्य छिपी हुई प्रतिभाओं की खोज कर उन प्रतिभाओं को बेहतर भविष्य के लिए उन्हें अवसर प्रदान करना है। इस परीक्षा से जिले के बहुत से प्रतिभागियों ने बेहतर कर आज देश के विभिन्न संस्थानों में अपनी सेवा दे रहे हैं। अभिभावक को अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है बच्चों को पढ़ने के लिए जो भी सामग्री की आवश्यकता है उसे अभिभावक अवश्य उपलब्ध कराये। बच्चों को मोबाइल से दूर रखें। उन्होंने कहा कि परीक्षा में पूरे जिले से लगभग 3000 बच्चे शामिल हुए थे। परीक्षा पूरी तरीके से निष्पक्ष संपन्न कराया गया और आज परीक्षा में सफल होने वाले लोगों को सम्मानित करने का काम किया जा रहा है।

परीक्षा को संपन्न कराने में जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति के लोगों ने काफी मदद की है। सचिव मदन प्रसाद केशरी ने कहा कि प्रतियोगिता को चार ग्रुप में आयोजित किया गया था। ग्रुप ए में वर्ग तीन से चार, ग्रुप बी में वर्ग पांच से छह, ग्रुप सी में वर्ग सात से आठ और ग्रुप डी में वर्ग 9 और 10 के बच्चे शामिल हुए थे। सिस्टर रोशन ने कहा कि आज के कंपटीशन के दौर में इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन गढ़वा जैसे जिले में बहुत ही आवश्यक है। अभिभावक मुकेश कुमार सोनी ने कहा कि इस तरह की प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन जिले में लगातार होना चाहिए। उपाध्यक्ष सुशील केसरी, सह कोषाध्यक्ष संजय सोनी ने भी लोगो को संबोधित किया और जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति द्वारा हर वर्ष किया जा रहे कार्यों से लोगों को अवगत कराय। ग्रुप ए में शांति निवास हाई स्कूल के दिव्यशक्ति पांडेय, अंशिका दुबे और परिधि झा ने प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप बी में शांति निवास हाई स्कूल की दिव्या कुमारी और सुप्रिया रानी ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा की सोनाक्षी तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । ग्रुप सी में शांति निवास हाई स्कूल की सृष्टि पाठक चाहत कुमारी ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया वहीं तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से आर के पब्लिक स्कूल गढ़वा की भव्य प्रकाश और शांति निवास हाई स्कूल की रुनझुन कुमारी को पुरस्कृत किया गया। ग्रुप डी में शांति निवास के शिवम कुमार को प्रथम प्रिंस कुमार को द्वितीय धीरज कुमार, आदित्य कुमार पांडे और आर पब्लिक स्कूल गढ़वा की साक्षी कुमारी को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रखंड स्तर पर टॉप छात्रों में मझिआव प्रखड से आरके पब्लिक स्कूल के अहनान जफर, चिनिया प्रखंड के हाई स्कूल के राधिका कुमारी, रंका प्रखंड के आदर्श बाल विकास विद्यालय के समर्थ सोनी, मेराल प्रखंड के एस मेमोरियल स्कूल के शाहीद राजा अंसारी, बिशनपुरा प्रखंड के बाल शिक्षा निकेतन के आयुष कुमार चंद्रवंशी, नगर ऊंटरी आर के पब्लिक स्कूल के पार्थ कुमार और डडई प्रखंड के आइडियल पब्लिक स्कूल के फैजान अफसर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया सभी विजेता प्रतिभागियों को समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समंवय समिति के मोजीबुद्दीन खान, जिला शिक्षा निकेतन के निदेशक अनिल विश्वकर्मा बिशनपुर से बाल विकास विद्यालय के निदेशक भोला नाथ साहू, बाल शिक्षा निकेतन के रामेश्वर राम, यासीन अंसारी शाहिद काफी संख्या में अभिभावक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन कमलेश कुमार दुबे और धन्यवाद ज्ञापन अशोक कुमार विश्वकर्मा ने किया

आरपी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट ने मनाया एड्स जागरूकता दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर के टंडवा स्थित राधा पार्वती हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में रविवार को आरपी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में एड्स जागरूकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक डॉक्टर पातंजली केशरी ने किया। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्त्री और प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निधि सिंह ने कहा कि विश्व एड्स दिवस हमें याद दिलाता है कि एचआइवी का पूरी तरह उंमूलन किया जाना अभी बाकी है। इसके लिए जन जागरूकता बढ़ाने, मरीज के मन से हीन भावना को समाप्त करने, धन जुटाने सहित इससे समर्थित अन्य कार्यक्रम को संचालित किया जाना आवश्यक है। रक्त, वीर्य, मां के स्तन के दूध सहित विभिन्न माध्यमों से यह बीमारी फैलती है। इसकी रोकथाम के लिए मां से बच्चों में एचआइवी का संचरण रोकने, दूषित सुई के उपयोग से बचने सहित अन्य सुरक्षात्मक तकनीक को अपनाना होगा। राधा पार्वती एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के निदेशक डॉक्टर पातंजली केशरी ने कहा कि एक दिसंबर को हर साल विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य एचआइवी संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक करना है । एड्स ग्रसित मरीज का इम्युन सिस्टम कमजोर हो जाता है। बचाव ही इसका इलाज है। उन्होंने कहा कि मरीज की बेहतर देखभाल, प्रोत्साहन और सही जानकारी के लिए विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर मनोज दास ने कहा कि एचआइवी इम्युन सिस्टम पर हमला करता है। मरीज को इतना कमजोर कर देता है कि शरीर दूसरा कोई संक्रमण अथवा बीमारी झेलने के लिए सक्षम नहीं रह पाता है। समय पर ईलाज नहीं होने के कारण बीमारी एड्स का रूप धारण कर लेता है। विश्व एड्स दिवस की शुरूआत एक दिसंबर 1988 में हुई थी। उन्होंने कहा कि यौन संबंध बनाते समय सुरक्षा के खास ख्याल रखें। एचआइवी का समय-समय पर परीक्षण करते रहें। किसी प्रकार के संदेह होने पर बिना देर किये निभिंक होकर डॉक्टर के पास जाये। ओबीसी जिला अध्यक्ष रवींद्र जायसवाल ने कहा कि हमारा देश एड्स उन्मूलन की दिशा में लगातार प्रयासरत है । पूर्ण रूप से एड्स मुक्त करने के लिए सक्रिय रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के प्रयास से एचआइवी के मरीजों की संख्या में कमी आई है। मौके पर डॉक्टर सत्येंद्र सोनी, डॉक्टर आदित्य प्रकाश, अब्दुल मन्नान, डॉक्टर इश्तियाक राजा, दामोदर राम, संतोष दास, नौशाद आलम, टिंकू गुप्ता, अंजली कुमारी, प्रमोद कुमार, माया कुमारी, विद्यानंद पाल, राहुल कुमार, राजवंती कुमारी, बबीता कुमारी, प्रीतिला तिर्की सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मुखिया इजहार अंसारी को हाइकोर्ट से मिली जमानत

रंका (आजाद सिपाही)। रंका थाना क्षेत्र के दूधवल पंचायत के मुखिया इजहार अंसारी को हाईकोर्ट से जमानत मिल गयी है। जिससे पंचायत वासियों में खुशी की लहर दौड़ गयी है। बताते चलें कि मुखिया इजहार अंसारी पर एक महिला ने यौन शोषण करने के आरोप लगाते हुए न्यायालय में न्याय की गुहार लगायी थी। न्यायालय के बढ़ते दबिश को देखते हुए इजहार अंसारी ने कोर्ट का सम्मान करते हुए न्यायालय में सरेंडर किया था।

दो साल से फरार सुबोध मिंज के घर इश्तिहार चिपकाया गया

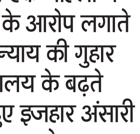

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया थाना क्षेत्र के जामौती गांव के 376 के फरार अभियुक्त सुबोध मिंज पिता मुकुल मिंज के घर चिपकाया इश्तिहार गया। थाना प्रभारी आशीष कुमार जायसवाल ने बताया कि गढ़वा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे के निर्देश पर दो साल के फरार अभियुक्त सुबोध मिंज के घर इश्तिहार चिपकते भंडरिया थाना प्रभारी आशीष कुमार जायसवाल और पुलिस के जवान उपस्थित थे

भानु के भांजे प्रशांत सिंह सहित उनके चार साथियों की पांचवीं श्रद्धांजली सभा का किया गया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही के आवास में दिवंगत प्रशांत सिंह सहित उनके चार साथियों की पांचवीं श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश के नगवा ब्लॉक प्रमुख सह भाजपा नेता स्व प्रशांत सिंह, सोनभद्र जिले के शक्ति नगर निवासी चैतन्य गिरी, बिहार के रोहतास जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र के भीसड़ा गांव निवासी उमा सिंह और हरिहरपुर निवासी प्रशांत कुमार उर्फ टिंकू सिंह का पांचवी पुण्यतिथि मनायी गयी। मौके पर सभी पांचों दिवंगत आत्माओं के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण राम ने कहा कि स्व प्रशांत सिंह एक कुशल संगठनकर्ता, मृदुभाषी और हंसमुख स्वभाव के व्यक्ति थे, उनकी कमी हमसभी को हमेशा महसूस होता रहेगा। आज वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वे एक एक कार्यकर्ता के दिलो में बसते हैं, परंतु दुःख कितना भी बड़ा क्यों ना हो धैर्य और संतुलन रखिये समय आपको हारने नहीं देगा। वही सोना किशोर यादव ने कहा कि प्रशांत सिंह अपने सरल मृदुभाषी व्यवहार के कारण आज भी कार्यकताओं के दिल दिमाग में बसे हुये हैं। इंद्रदेव बैठा ने कहा की प्रशांत सिंह और उनके चार साथियों की यादें हमेशा हम सबों के लिये प्रेरणा का काम करते रहेगा। इनके सपनों को हकीकत में बदलने का प्रयास जारी रहेगा। मृतुंजय तिवारी ने कहा कि मृत्यु सत्य है, और शरीर नश्वर हैं।

यह जानते हुए भी अपनों के जाने का दुःख होता हैं, हमें ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए कि दिवंगत आत्माओ को शांति प्रदान करें। वहीं स्व प्रशांत सिंह जी के छोटे अनुज प्रवीण सिंह ने भारी मन से सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दिये और उनके सपनों को पुरा करने का संकल्प लेते हुए भाजपा नेताओं के पुण्यतिथि पर विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ो गरीब असहाय महिला पुरुषों के बीच कम्बल का वितरण किया। इस मौके पर मनोज पहाड़िया, राजीव रंजन तिवारी, अनिल चौबे, गोरख मेहता, कुमार कनिष्क, विजयालक्ष्मी देवी, इंद्रदेव बैठा, मनोज सिंह, कृपाल सिंह, मृतुन्जय तिवारी, बिभूति चौबे, राजेश बैठा, संध्याकर विश्वकर्मा, राजा सिंह, श्रवण चंद्रवंशी, घनश्याम शुक्ला, जीतेंद्र यादव, मनोज पहाड़िया, संजय यादव, लक्ष्मण राम, मोहन पासवान, बलजीत सोनी, जोखू सिंह, शंकर चंद्रवंशी, कृष्णा विश्वकर्मा, जीतेन्द्र दीक्षित, कुमार कनिष्क, आनंद कुमार, संजय कस्यकार , दिलीप यादव, कंहाई गुप्ता, संतोष सिंह ,भानु गुप्ता, विपिन चौबे सहित हजारों लोग उपस्थित थें।

राजगृह में राजीव भारद्वाज को अंतराष्ट्रीय मगध गौरव सम्मान से किया गया सम्मानित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। साहित्य के विधा व्यंग लेखन के लिए पौराणिक मगध की राजधानी राजगृह में राजीव भारद्वाज को अंतराष्ट्रीय मगध गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। राजीव भारद्वाज समसामयिक विषयों पर व्यंग लेखन के लिए हर आयु वर्ग के लोगों में पहचान रखते हैं। अपने शब्दों से चुटिले कटाक्ष कर वो समाज में अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजय कुमार, अहमदाबाद गुजरात में कार्यरत भारतीय प्रशासनिक सेवा के डॉक्टर डी के रेवाला, धराधाम अंतराष्ट्रीय सेवा संस्थान के डॉक्टर सौरभ पांडेय, गोरखपुर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य नंद लाल मणि त्रिपाठी, मानवता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अभिषेक कुमार, एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के कार्यपालक पदाधिकारी नारायण यादव के द्वारा संयुक्त रूप से राजीव को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने के बाद राजीव ने बताया कि गढ़वा की मिट्टी के कण कण में साहित्य बसा हुआ है, बस आत्मबोध होने की जरूरत भर है। अपने व्यंग से हमने कई प्रकार की कुरीतियों पर प्रहार किया है, फलस्वरूप परिणाम भी सार्थक आया है। राजीव ने इस सम्मान को गढ़वा के समस्त नागरिक के साथ साथ मित्रों और परिवार के सदस्यों को समर्पित किया है, उनका कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति ने उन्हें प्रोत्साहित किया है।

मिलाप मेडिकल सेंटर की द्वितीय वर्षगांठ पर रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। स्थानीय मिलाप मेडिकल सेंटर में एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन के साथ-साथ अस्पताल के द्वितीय वर्षगांठ भी मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप समाजसेवी सह चिकित्सक डॉ यासीन अंसारी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और केक काट कर की गयी। इस दौरान मंच पर पूर्व सिविल सर्जन डॉ एनके रजक, डॉ रागिनी अग्रवाल, डॉ शमशेर सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी नंद कुमार गुप्ता, नसीम अख्तर, प्रो परवेज आलम, डॉ माहेरू, डॉ महजबीं, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ अरशद अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। मौके पर मुख्य अतिथि डॉ यासीन अंसारी और अन्य अतिथियों ने रक्तदान के महत्व और मिलाप मेडिकल सेंटर के सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल जरूरतमंदों को मदद मिलती है, बल्कि समाज में जागरूकता भी फैलती है। सभी अतिथियों ने मिलाप मेडिकल सेंटर के संचालक डॉ असजद अंसारी और डॉ महजबीं यमानी को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी। शिविर में बड़ी कई लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में वसीम खान, चंदन यादव, राधा देवी, डॉ नायला खान, नदीम खान, शहजाद अंसारी, रामजी राम, धीरज पाठक, विनय कुमार कुशवाहा, पर्सू महतो, राहुल कुमार, कौशल कुमार, कुंदन कुमार, सूर्य कुमार और अंजू कुमारी आदि के नाम शामिल है। सभी रक्तदाताओं को कार्यक्रम के अंत में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर संचालक डॉ असजद अंसारी ने अतिथियों और रक्तदाताओं का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी जारी रहेंगे। उन्होंने रक्तदान को एक महान सेवा बताते हुए सभी को इसे नियमित रूप से करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ पी कसमूर, डॉ राहुल कुमार, डॉ नायला खान, अरुण पांडेय, अंकित दुबे, नदीम खान, ब्लड बैंक के रोशन कुमार, प्रदीप कुमार, दया ठाकुर, नयन कुमार आदि का विशेष योगदान रहा।

कवि सह उपन्यासकार सुरेंद्र चंद्रवंशी 'सचेत' की नयी पुस्तक कचनार के फूल-काव्य-गजल संग्रह का लोकार्पण

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। स्थानीय कवि और उपन्यासकार सुरेंद्र चंद्रवंशी 'सचेत ' की नयी पुस्तक कचनार के फूल-काव्य-गजल संग्रह का लोकार्पण लौह नगरी टाटा के प्रसिद्ध तुलसी भवन में अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती झारखंड प्रदेश द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन सामारोह में किया गया। इस अवसर पर सांझा संकलन पुस्तक 'आये अवध श्रीराम-स्मारिका' का भी लोकार्पण मुख्य अतिथि लोकप्रिय साहित्यकार डॉ संजय पंकज, राम निवास शुक्ल प्रभारी मंत्री, सम्मानित अतिथि संजय मिश्रा प्रमुख संपादक प्रभात खबर, डॉ प्रसेनजीत तिवारी, विधायक सरयू राय के करकमलों द्वारा किया गया। इससे पहले भी चंद्रवंशी की दो कविता की पुस्तक-'धूप छांव काव्य प्रवाह', 'यादों का पिटारा काव्य रसधारा' और एक उपन्यास-पश्चाताप का प्रकाशन बीएफसी पब्लिकेशन लखनऊ के द्वारा प्रकाशित हो चुका है। इस अवसर मुख्य अतिथि लोकप्रिय साहित्यकार डॉ संजय पंकज ने कहा कि सुरेंद्र चंद्रवंशी सचेत द्वारा अपनी पुस्तक का नाम कचनार के फूल रखना बहुत ही सुंदर प्रयास है। जो सीधे जनमानस के दिल को छुता है। प्रभात खबर के प्रमुख संपादक संजय मिश्रा ने कहा कि इस पुस्तक में जो कविता और गजल का संकलन किया गया है। वह पाठक वर्ग के अंर्तमन को छुने वाला है। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिन्दी साहित्य भारती झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष डॉ अरूण सज्जन, उपाध्यक्षा डॉ संगीता नाथ, डॉ आशा गुप्ता, डॉ मिनाक्षी कर्ण, रेखा कुमारी, अशोक सिंह सहित बड़ी संख्या में कवि और साहित्यकार उपस्थित थें।

सीओ ने थाना प्रभारी के साथ मुसहर परिवार के बीच कंबल और राशन का किया वितरण

मेराल (आजाद सिपाही)। सीओ यशवंत नायक ने रविवार को थाना प्रभारी विष्णुकांत के साथ रविवार को प्रखंड मुख्यालय के बंका रोड रेलवे लाइन किनारे झोपड़ी लगाकर रह रहे मुसहर परिवार के बीच कंबल तथा राशन का वितरण किया। ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अंचलाधिकारी ने असहाय और जरूरतमंदों के बीच कंबल और 10-10 किलोग्राम चावल, आलू तथा अन्य सामग्री का वितरण कर मानवता का परिचय दिया है। उस मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार, स्थानीय मुखिया पति मुन्ना राम, मुखिया रामसागर महतो तथा अन्य कई लोग थे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 02 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in

रोहिणी परियोजना पदाधिकारी ने रैयत विस्थापितों के साथ की बैठक

खदान विस्तारीकरण को लेकर हुई चर्चा, विस्थापितों ने रखी अपनी-अपनी समस्याएं

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। रोहिणी परियोजना के नए परियोजना पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने रैयत विस्थापितो के साथ बैठक की। परियोजना कार्यालय में आयोजित बैठक में अधिकारी, मुखिया और विस्थापित शामिल हुए। बैठक में परियोजना पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने विस्थापित के साथ बैठक में खदान विस्तारीकरण को लेकर चर्चा की। विस्थापितो की ओर से खदान विस्तारीकरण से पहले विस्थापित की समस्या पर तत्काल पहल करने की बात कही गई। विस्थापितो ने कहा कि प्रबंधन के द्वारा खदान विस्तारीकरण की बात कही जाती है लेकिन प्रबंधन विस्थापित ग्रामीणों कि जो समस्या है उस पर केवल चर्चा होती है लेकिन कोई ठोस पहल नहीं दिख रहा है। खासकर विस्थापित गांव में पानी, बिजली और सड़क की समस्या पर तुरंत कार्य हो। साथ ही विस्थापित ग्रामीणों के पुनर्वास के संबंध में भी प्रबंधन के द्वारा कोई उचित कार्रवाई नही दिख रहा है। कहा गया की अपने क्षेत्र से दूर में कोई भी ग्रामीण पुनर्वास स्थल पर बसने नहीं जायेंगे।

इसके लिए प्रबंधन जबतक तुमांग पंचायत और पंचायत से सटे नजदीक क्षेत्र में ही ग्रामीणों के उपयुक्त जगह पर पुनर्वास स्थल के लिए कोई व्यवस्था नहीं करता है तो ग्रामीण प्रबंधन को कैसे सहयोग करेंगे। पुनर्वास के मामले पर प्रबंधन को ग्रामीणों की भावनाओं का भी ख्याल रखना होगा तभी खदान भी आगे बढ़ पायेगा। प्रबंधन और विस्थापित के बीच पुनर्वास स्थल को लेकर कई जगहों की चर्चा हुई। जिस पर प्रबंधन के द्वारा ग्रामीणों के मांग को देखते हुए आगे कार्रवाई की बात कही गयी। परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि गांव की जो समस्या है उस पर प्रबंधन तुंरत पहल करेगा साथ ही कोल इंडिया के आर एंड आर पॉलिसी के तहत जो होगा उसे प्रबंधन के द्वारा विस्थापित ग्रामीणों को मुआवजा और पुनर्वास देने के लिए तत्पर है और दिया भी जायेगा। इसको लेकर प्रबंधन भी पूरा प्रयासरत है।लेकिन कुछ प्रक्रिया है जिसके कारण इसमें देर हो रही है। ग्रामीण भी प्रबंधन को सहयोग करें। प्रबंधन भी ग्रामीण के हर समस्या के निदान के लिए लगा हुआ है। इस बैठक में मैनेजर दीपक कुमार, सतपाल सिंह, प्रहलाद, एसपी निगम तथा ग्रामीणो की ओर से तुमांग मुखिया संतोष कुमार महली, मुकद्दर लोहरा, अमृत भोगता, बहुरा मुंडा, शिवनाथ भोगता, उमेश लोहरा, सूरज लोहरा, राजेंद्र गंझू,बुधन गंझू, मनोज गंझू , टिकेश्वर भोगता, संतोष सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

डोभी के स्कूली बच्चों ने मैकलुस्कीगंज का किया भ्रमण, मनाया पिकनिक

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। बिहार के डोभी गया से आये स्कूली बच्चों ने रविवार को मैकलुस्कीगंज का भ्रमण किया।इस दौरान बच्चों ने जोभीया फास्ट फूड पॉइंट में पिकनिक मनाया और भोजन का आनंद लिया। गया डोभी के शहीद भगत सिंह पावलक स्कूल के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण पर मैकलुस्कीगंज आये। जिसमे छह शिक्षक और 30 बच्चे शामिल थे। शिक्षको ने बताया कि मैकलुस्कीगंज पर्यटन स्थल के बारे में काफी सुना था लेकिन आज यहां आकर बच्चों के साथ घूमने का मौका मिला तो लगा कि यह वास्तव मे एक प्राकृतिक सुंदरता से भरा हुआ रमणीक स्थल है। चारो तरफ शांत वातावरण और प्रकृति की गोद में समाया मैकलुस्कीगंज के पर्यटन स्थल लोगो को काफी आकर्षित करते हैं।

पुल नहीं होने के कारण गांव तक नहीं पहुंची एंबुलेंस, घर में ही कराया महिला का प्रसव

खूंटी (आजाद सिपाही)। सरकार संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है और इसके लिए प्रोत्साहन राशि भी दे रही है, लेकिन गांव तक जाने के लिए पुल नहीं होने के कारण तोरपा प्रखंड के जिलिंगबुरु गांव की मेरी सुरीन का प्रसव घर में ही कराया गया। जिलिंगबुरु गांव जाने के रास्ते में नाला पर बना पुल वर्षों टूटर पड़ा है। नाला में पानी भरा होने के कारण गांव तक वाहन नहीं पहुंच पाता है। ग्रामीण कई वर्षो से कर रहे हैं पुल बनाने की मांग रोन्हे से जिलिंगबुरु जाने के रास्ते में नाले पर पुल बनाने की मांग ग्रामीण एक वर्ष से भी अधिका समय से कर रहे हैं। यहां बनी पुलिया बरसात में टूटकर बह गयी है।

तोरपा में नि:शुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन आठ दिसंबर को

खूंटी (आजाद सिपाही)। आरसी चर्च तोरपा में आठ दिसंबर को निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर का आयोजन रांची के रश्मि चेस्ट क्लिनिक द्वारा किया जायेगा। शिविर में हार्ट सर्जन डॉ रश्मि और उनकी टीम हृदय रोगियों को परामर्श देंगी। डॉ रश्मि ने बताया कि शिविर में इसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, लिपिड प्रोफाइल और एचबीए1सी की निःशुल्क जांच की जायेगी। शिविर में सीने में दर्द, सांस फूलना, पैरों में सूजन, चक्कर, बेहोशी, दिल की तेज धड़कन, दिल की नसों में रुकावट, जन्मजात हृदय रोग, हार्ट में छेद, हार्ट वल्व की बीमारी, इको, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, बाईपास आपरेशन, हार्ट वल्व आपरेशन, हार्ट में छेद का आपरेशन, छोटे चीरे से हार्ट का आपरेशन सहित बच्चों में हृदय रोग, दिल में छेद, बच्चों का बार-बार नीला होना, हृदय की मोटी नाली में सिकुड़न, वल्व में सिकुड़न, जन्मजात हृदय विकार संबंधी समस्याओं के लिए परामर्श लिया जा सकता है।

सीआइएसएफ ने पिपरवार के अमृत वन मियावाकी एरिया मे किया पौधरोपण

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार एरिया के कायाक्लप वाटिका के समीप अशोका आउट पोस्ट के मियावाकी एरिया अमृत वन मे सीआईएसएफ के द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत की गयी। इस मौके पर सीआइएसएफ के सीनियर कमांडेड संदीप कुमार एस बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम मे सबसे पूर्व कमांडेड संदीप कुमार एस ने उपस्थित अधिकारियों और जवानों को स्वच्छता की शपथ दिलाया। जिसके बाद कमांडेड ने पौधा लगाकर वृक्षारोपण की शुरूआत की, इसके बाद उपस्थित अधिकारियों और जवानों ने बारी-बारी से वृक्षारोपण किया। इस दौरान कुल 80 बल सदस्यो ने करीब 100 पौधा लगाया, साथ ही इसकी देख भाल करने का संक्लप लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमांडेंड संदीप कुमार इस ने कहा कि एक दिसंबर से 15 दिसंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके तहत सीआइएसएफ के द्वारा भी कई कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि स्वछता हमारे जीवन के लिए काफी जरूरी है। बेहतर और स्वस्थ्य शरीर के लिए स्वच्छता को अपनाने की जरूरत है। स्वच्छता के लिए पर्यावरण को बचाने की भी जरूरत है,जिसके लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण को बचाने की जरूरत है,साथ ही पेड़ लगाकर इसकी देखभाल का संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाकर इसकी देखभाल करने की अपील की। साथ ही क्षेत्र के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। इस मौके पर वरिष्ठ कमांडेंड संदीप कुमार एस, निरीक्षक धनजय कुमार पांडेय, नागेंद्र कुमार, वीके संगा, संतोष बिन्हा, सीआइएसएफ विजिलेंस उप निरीक्षक धर्मराज सिंह, आरक्षक वीके द्विवेदी, अजीम अंसारी सहित सीआइएसएफ के अन्य अधिकारी और बल सदस्य मौजूद थे।

अशोका में समारोह आयोजित कर सेवानिवृत्त कर्मचारी को दी गयी विदाई

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के अशोक परियोजना के सब स्टेशन में रविवार समारोह आयोजित कर अशोक परियोजना के विद्युत और यांत्रिक विभाग से पंप ऑपरेटर मंसूर मियां को उनके रिटायरमेंट पर भावभीनी विदाई दी गयी। इस समारोह की अध्यक्षता अखिल पांडेय और संचालन अरविंद शर्मा ने किया।

इस समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों ने मंसूर मियां को फूल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। साथ ही शॉल ओढ़ाकर उनके आगे के सुखमय जीवन की कामना की गयी, साथ ही अन्य उपहार प्रदान कर विदाई दी गयी। समारोह में वक्ताओं ने उनके सीसीएल को 36 वर्ष दिये गये कार्य अवधि का वर्णन किया और खास तौर से अशोक परियोजना में उनके द्वारा विकट परिस्थितियों में भी खदान को डूबने से बचाने में अहम भूमिका निभाने का उल्लेख कर उन्हें बधाई दी गयी। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके उज्जवल एवं सुखमय जीवन की कामना की। इस मौके पर आरपी दत्ता,मनोज कुमार, साहेबराम सतनामी, जोगिंदर सिंह, अनिल सिंह, एनके प्रसाद, नेपाल चंद डे, जसमुद्दीन अंसारी, सत्येंद्र चौहान, हेमराज प्रजापति, चरका पासवान,रमेश कुमार, रामेश्वर भोक्ता, संजय पूर्ति, अर्जुन गंझु, चंद्रदीप भोक्ता, मुनिया कुमारी, रेघनि देवी, रामप्रसाद मोची, सिवा गंझु, बैजनाथ प्रजापति,लरेवा गंझु, लक्ष्मण प्रसाद, अनिल पांडेय, शंभू राम, रामकुमार गंझु सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे।

परोपकार करने से जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है : स्वामी वैष्णवानंद

खूंटी (आजाद सिपाही)। महर्षि मेंहीं आश्रम मलियादा मुरहू में रविवार को विशेष सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में बद्रीनाथ धाम के स्वामी वैष्णवानंद जी महाराज ने कहा कि परोपकार करने से जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है और अंतर साधना से परमात्मा की। उन्होंने कहा कि गुरु के वचन को शिरोधार्य करना चाहिए। माता शबरी अपने गुरु मतंग ऋषि के वचनों का पालन करती रही, जिसके फलस्वरूप श्रीराम स्वयं भक्त का दर्शन करने पहुंच गये। महर्षि मेंही परमहंस जी की वाणी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य को संसार के सभी प्राणियों पर स्नेह रखना चाहिए तथा झूठ, चोरी, नशा, हिंसा और व्यभिचार जैसे पंच पापों से सदैव दूर रहना चाहिए। सदगुरु की भक्ति, निष्कपट सेवा और उनके बताए मार्ग पर चलकर हम इस दुःखालय में आसानी से पार हो सकते हैं। जीवन जीने का सबसे साधारण फॉमूर्ला है कि हम किसी का अहित नहीं करे, तो हमारा भी सदा भला होगा। इससे सबका कल्याण होगा। मौके पर लोदरो लाहिरी बाबा, दिगंबर दास, डॉ डीएन तिवारी, मुचीराय मुंडा, चमरा मुंडा, रामहरि साव, कांडे मुंडा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नेत्र जांच शिविर का आयोजन

सिल्ली (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट और सेवा भारती सिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में एक दिसंबर को सिल्ली में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में नेत्र रोग के 78 लोगों की जांच हुईजांच उपरांत 26 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाये गये जिनका ऑपरेशन 02 दिसंबर को निरामया अस्पताल रांची में किया जायेगा। शिविर को सफल बनाने में प्रवीण अगरवाल, स्वरूप दत्ता ,भरत सिंह, पीयूष अग्रवाल, दिलीप दे , रिशी सोनार, प्रशान्त रविदास , जगदीश गोराई, कार्तिक गोराई , अमर अग्रवाल , प्रकाश अग्रवाल, आदि सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुआवजा और नौकरी की मांग को लेकर रेल लाइन बाधित करने की दी चेतावनी

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। लपरा पंचायत के हेसालोंग गंझू टोला प्राइमरी स्कूल परिसर में ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता रैयत विस्थापित मोर्चा के रोहिणी करकट्टा ओसीपी शाखा अध्यक्ष शिवनारायण लोहरा ने की, जबकि संचालन सुकरा गंझू ने किया। बैठक में मैकलुस्कीगंज पिपरवार रेल लाइन निर्माण में अधिग्रहीत जमीन के बदले रैयतों को मुआवजा और नौकरी मिलने में हो रही देरी को लेकर चर्चा की गयी । ग्रामीणों ने बताया कि पिपरवार राजधर साइडिंग के मैकलुस्कीगंज पिपरवार रेल लाइन के रैयतो को पिछले 33 वर्षों से न तो मुआवजा मिला है और न ही नौकरी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यदि इस समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो मैकलुस्कीगंज पिपरवार रेल लाइन फेज वन में अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जायेगा। ग्रामीणो को इसके लिए सीसीएल को 15 दिनों का समय दिया गया है। यदि समय सीमा के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो रेल लाइन बाधित किया जायेगा जिसकी जिम्मेदारी सीसीएल और अंचल की होगी।

सिविल सोसाइटी के 5वें स्थापना दिवस पर 24वां रक्तदान शिविर 16 दिसंबर को

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सिविल सोसायटी खलारी-डकरा की बैठक रविवार को डकरा वीआईपी क्लब में बलबीर सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 16 दिसंबर को सिविल सोसायटी का पांचवां स्थापना दिवस पर 24वां रक्तदान शिविर आयोजित करने और उसके संबंध में की जाने वाली तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। वरिष्ट सदस्य राजीव चटर्जी ने कहा कि मात्र चार साल के अंदर सोसायटी ने पूरे राज्य में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को रक्त उपलब्ध कराने और जरूरतमंदों की सेवा करने के मामले में एक अलग पहचान बनायी है। 26 नवंबर को सदर अस्पताल रांची ने सोसायटी को प्रथम छमाही के लिए प्रथम स्थान के लिए चुना है। जून और अगस्त महीने में छः शिविर आयोजित कर सोसायटी ने सदर अस्पताल को 540 यूनिट रक्त एकत्र कर भेजा है। इस काम में कोयलांचल के लोगों को सबसे अहम योगदान है और सीसीएल प्रबंधन नियमित रूप से सहयोग करता रहा है। बैठक में कमलेश प्रसाद, सुनील कुमार, अवधेश राय, मुनेश्वर मुन्ना, संतोष कुमार महतो,सुरज कुमार, ललन दास, मुन्नू सिंह धर्मेन्द्र,अनुज कुमार चौहान, ओमप्रकाश शर्मा आदि मौजूद थे।

मजदूर नेता अब्दुल्ला ने खाद्य सामग्री दी

खलारी (आजाद सिपाही)। मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी ने डकरा बरटोला में एक परिवार को खाद्य सामग्री दिया और आर्थिक मदद किया। मालूम हो की कुछ दिन पूर्व बरटोला की अंजली देवी का निधन हो गया था। जिसकी खबर पाकर मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी ने मृतका के घर जाकर परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त करते हुए खाद्य सामग्री दिया और आर्थिक मदद किया। अंसारी ने आगे भी परिवार वालों को हर संभव मदद करने काआश्वासन दिया।

पिपरवार के कारो में कोल वाहन से युवक की मौत के 50 घंटे बाद हटा सड़क जाम

मृतक के आश्रित को दस लाख मुआवजा पर बनी सहमति

पब्लिक रूट पर सुबह 7 से शाम 7 बजे तक नो एंट्री पर भी बनी सहमति।

धरनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़।

मृतक के आश्रित को मुआवजा राशि देते लोग।

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार थाना क्षेत्र के कारो कॉलेज के समीप शुक्रवार 29 नवंबर की शाम कोल वाहन की चपेट में आने से 18 वर्षीय दीपक उरांव की हुई मौत के बाद जारी सड़क जाम और धरना प्रदर्शन करीब 50 घंटे के बाद समाप्त हुआ। घटना के बाद घटनास्थल पर कई दौर की वार्ता हुई,लेकिन वार्ता में सकारात्मक सहमति नहीं बनने के कारण वार्ता विफल रही, लेकिन रविवार की देर शाम को हुई वार्ता में सहमति बनने के बाद ग्रामीणों के द्वारा जारी धरना प्रदर्शन एवं सड़क जाम को हटाया गया। जानकारी के अनुसार घटना के बाद से आक्रोशित ग्रामीण शव के साथ सड़क पर धरना पर बैठे हुए थे। ग्रामीण सड़क पर ही टेंट लगाकर शव को रखकर धरना पर बैठकर मृतक के आश्रित को उचित मुआवजा और पब्लिक रूट पर ट्रांसपोर्टिंग कार्य को बंद कराने की मांग कर रहे थे। इधर घटना की सूचना पाकर झारखंड के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, झारखंड मुक्ति मोर्चा के सिमरिया विधानसभा प्रत्याशी मनोज चंद्रा, जेएलकेएम के बड़कागांव विधानसभा प्रत्याशी बालेश्वर कुमार सहित कई लोग घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली और ग्रामीणों की मांगों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों से बातचीत की। दोपहर के बाद से लगातार संबंधित विभागों के अधिकारियों से संपर्क कर मांगों को लेकर बातचीत की गयी, जिसके बाद देर शाम को टंडवा अंचलाधिकारी विजय कुमार दास, पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ वार्ता की। काफी विचार विमर्श के बाद वार्ता में मृतक के आश्रित को 10 लाख रुपए मुआवजा राशि देने, उनके एक आश्रित को प्राइवेट नौकरी देने पर सहमति बनी। इसके अलावा ग्रामीणों के उग्र विरोध को देखते हुए सुबह 7:00 बजे से लेकर शाम 7:00 बजे तक पब्लिक रूट पर नो एंट्री लगाने का निर्णय लिया गया। आपदा प्रबंध, सरकारी नियमो के तहत बीपीएल परिवार को मिलने वाले लाभ और प्रशासन के मिलाकर पांच लाख कुल मिलाकर 10 लाख रुपये देने पर सहमति बनी। वार्ता में सहमति बनने के बाद पिछले 50 घंटे से जारी सड़क जाम और धरना प्रदर्शन को समाप्त कर दिया गया। वही पिपरवार पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया है। इस मौके पर पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, झामुमो नेता मनोज चंद्रा, जेएलकेएम नेता बालेश्वर कुमार, टंडवा प्रमुख रीना कुमारी, अंचलाधिकारी विजय कुमार दास, थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा, अवर निरीक्षक अंजनी कुमार,बहेरा मुखिया रेखा कुमारी, पंचायत समिति सदस्य बसंती देवी, किचटो मुखिया संगीता देवी, जितेंद्र कुमार, इकबाल हुसैन, रमेश मुंडा, प्रदीप उरांव, निर्मल उरांव, अब्दुल अंसारी, कासिम उर्फ मुन्ना, शिव शंकर साव,मोहम्मद असलम, बालेश्वर उरांव, बालकन्त उरांव, रविंद्र कुमार सिंह, धनेश्वर गंझु, अंगद महतो, बालकिशुन महतो,विकाश महतो, मोहम्मद साहिल,कृष्णा यादव,महेंद्र महतो सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

विस्थापित रैयत जाहिद अली ने राजधर साइडिंग का कामकाज पांच घंटे रखा बंद

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के राजधर रेलवे साईडिंग से विस्थापित हुए रैयत जाहिद अली ने अपने मांगो के समर्थन मे रविवार की सुबह राजधर रेलवे साईडिंग का काम-काज और कोयला ढुलाई के काम को बंद करा दिया।जिसके कारण राजधर रेलवे साईडिंग मे रैक लोडिंग और डिस्पैच सहित कोयला ढुलाई का काम पूरी तरह से बंद हो गया। सड़को पर हाइवा डम्परो की लंबी कतार देखी गयी। इस संबंध मे रैयत जाहिद अली ने बताया कि करीब 20 वर्ष पूर्व स्थानीय सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबधंन द्वारा राजधर रेलवे साईडिंग निर्माण के दौरान उनकी जमीन का अधिग्रहण किया था, लेकिन तक मकान और पेड़ पौधा का मुआवजा नही दिया गया है। वही पुर्नवास केंद्र मे प्लांट की समस्या है। सीसीएल प्रबंधन के द्वारा वार्ता कर सिर्फ आश्वासन ही दिया जाता रहा है। इससे आक्रोशित होकर उन्होंने छह नवंबर से बंदी की घोषणा की थी, लेकिन झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने के साथ आदर आचार संहिता लागू हो गयी, जिसके कारण उन्होंने बंदी को स्थगित कर दिया था। चुनाव संपन्न होने के बाद उन्होंने 25 नवंबर को साइडिंग बंद किया था, इसके बाद प्रबंधन के द्वारा मांगों को पूरा करने के लिए आश्वासन दिया था। रैयत जाहिद अली ने 30 नवंबर तक प्रबंधन को अल्टीमेटम दिया था, लेकिन निर्धारित समय के बावजूद मांगे पूरी नहीं होने पर उन्होंने आज पुनः बंदी की। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर वह सीसीएल के कार्यालय का चक्कर लगाकर थक चुके हैं और उनके पास अब आंदोलन के अलावा कुछ नहीं बचा है। पिछले 20 वर्षों से वह अपने परिजनों के साथ अपने मांगों और अधिकार के लिए दर-दर को भटकने को मजबूर है। इधर साईडिंग बंद होने की सूचना पाकर कई सीसीएल अधिकारी और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। अधिकारियों के आश्वासन के बाद रैयत जाहिद अली ने बंदी को स्थगित कर दिया।बंदी स्थगित होने के करीब 5 घंटे के बाद राजधर साईडिंग का काम काज और कोयला ढुलाई का काम चालू हो सका।

झालसा की सदस्य सचिव ने बाबा आम्रेश्वर धाम में की पूजा-अर्चना

खूंटी (आजाद सिपाही)। बाबा आम्रेश्वर धाम में रविवार को झारखंड हाइकोर्ट झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने पूरे परिवार के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने पूरे विधि-विधान से बाबा भोलेनाथ की पूजा करने के बाद पूरे परिसर का भ्रमण कर बाबा आम्रेश्वर धाम के विषय मे जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर खूंटी कोर्ट के रजिस्टार भी उपस्थित थी। बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने उनका स्वागत कर पूजा-पाठ कराने में सहयोग किया। महामंत्री द्वारा उनको स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

जनता ने काटने-बांटनेवालों की मंशा को विफल कर दिया: शिल्पी

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने रविवार को लापुंग प्रखंड में विजय जुलूस सह आभार यात्रा निकाला। सरसा सरना स्थल में मत्था टेककर विजय जुलूस इस दिन सुबह 10 बजे निकाली गई। फतेहपुर चौक में विधायक का फूल माला और गुलदस्ता भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शिल्पी नेहा तिर्की ने कांग्रेस की जीत के लिए लापुंग की जनता का आभार व्यक्त किया। कहा कि विरोधी ताकतों ने बांटने की बहुत कोशिश की, वे नाकाम रहे। लापुंग समेत पूरे मांडर विधानसभा में विकास करने का मौका यहां की जनता ने दिया हैं। आभार यात्रा सरसा, देवगांव नवटोली ,करम चावरा, ककरिया, कारुम बाजार ताड़, रामाटोली बाजार टॉड, फतेहपुर मोड, गोपालपुर, कालजे, हुलसु, बकाकेरा महुगाव मोड, लालपुर चालहा मोड, लालगंज, सांरगलोया, कटिंकेला, बिरसा चौक लापुंग, आरमा लाटदाग के उपरांत दोलाइचा बाजार ताड़ में आभार समाप्त हुआ। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नकुल सिंह, सुदामा माहली, जयंत बारला, सुरेश साहू, जन्मजय पाठक, सत्यनारायण पाठक, लखन साहू, दुबराज नाग, सुमित कमार उर्फ चंदू आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता के परिजनों से मिली शिल्पी, बंधाया ढांढस

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी के समाजसेवी व कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष बलराम गोप रविवार को पंचतत्व में विलिन हो गये। उनके अंतिम यात्रा में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के अलावा बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उधर, रविवार की शाम छह बजे विधायक शिल्पी नेहा तिर्की भी बलराम गोप के आवास पहुंची और दुःखी परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया। विधायक ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वो इस परिवार के साथ खड़ी हैं। कहा कि बलराम महतो के सर्मपण में कभी बुलाया नहीं सकता। बतातें चलें कि शनिवार को बलराम गोप का रिम्स अस्पताल में इलाज के दौरान हृदय गति रुक जाने से मौत हो गई थी। शव यात्रा में यादव महासभा के नरेन्द्र यादव, बुल्लू यादव, केदार टाईगर, पूर्व उप प्रमुख नरेश साहू, मुखिया रमेश महली, राजन किस्पोट्टा आदि शामिल थे।

ओरमांझी के हुटूप में बदमाशों का दूसरी बार उत्पात

श्रीराम कंस्ट्रक्शन साइट पर हमला गोलीबारी, टैंकर में लगायी आग

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड के हुटूप स्थित रुक्का रोड में शनिवार की रात अज्ञात अपराधियों ने श्रीराम कंस्ट्रक्शन साइट पर जमकर उत्पात मचाया। बदमाशों ने गोलीबारी कर दहशत फैलाने के साथ ही एक ट्रैंकर में आग भी लगा दिया। साथ ही वहां मौजूद चालक से उसका मोबाइल फोन भी लूट लिया। टैंकर चालक अखिलेश प्रसाद ने बताया कि हमलावरों ने उसे गाड़ी से जबरन उतार दिया और धमकाते हुए उनका मोबाइल फोन छीन लिया। इसके बाद भारत पेट्रोलियम टैंकर को आग के हवाले कर दिया। इसके बाद फायरिंग करते हुए वहां से भाग खड़े हुए। बतातें चलें कि सप्ताह के अंदर ओरमांझी थाना क्षेत्र में गोलीबारी की यह दूसरी घटना है। उक्त घटना से एक तरफ जहां लोगों में दहशत का माहौल है वहीं, सप्ताह के अंदर गोलीबारी की दूसरी घटना ओरमांझी पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल भी खड़ा कर रहा है। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही ओरमांझी पुलिस बदमाशों को गिरफ्तार को लेकर छापामारी शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक ओरमांझी पुलिस घटना के पीछे शामिल गिरोह का भी पता नहीं लगा सकी है। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह हमला दहशत फैलाने के उद्देश्य से किया गया होगा।

बदमाशों की ओर से आग लगाये जाने के बाद जला हुआ टैंकर।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ ओरमांझी में निकला कैंडल मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, मंदिरों और घरों को जलाने और इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में रविवार को ओरमांझी थाना चौक पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और मातृशक्ति के नेतृत्व में शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया। नारे और पोस्टरों, भगवा ध्वज के माध्यम से बांग्लादेश सरकार की नीतियों के विरोध में आवाज बुलंद की गई। सभी ने एक स्वर में बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई करने की मांग की। कैंडल मार्च का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री शशि मेहता ने किया। इसमें बजरंग दल प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर महतो, राजेश गुप्ता, ओबीसी मोर्चा कोषाध्यक्ष संतोष गुप्ता, आनंद महतो, मनोज महतो, विकी साहू, रूपेश साहू, राजा राम साहू, नीरज पांडे, आनंद नायक, अभय कुजूर, मनोज साहू, नीतेश मेहता, नीरज सोनी, अंकित दास, दिलीप गुप्ता, नीतेश साहू, भीम मुंडा, धीरज नायक, रमेश साहू, ललिता देवी, दीपा चौरसिया, उषा मेहता, किरण मेहता, ममता मेहता, बिना मेहता, रूपा तिवारी, रीना साहू, अनीता मेहता, प्रीति देवी, रासंती देवी और नमीता देवी आदि शामिल थे।

विधायक राजेश कच्छप को मंत्री बनाने की मांग

नामकुम (आजाद सिपाही)। खिजरी विधायक राजेश कच्छप को मंत्रिमंडल में शामिल करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्र के नागरिकों, सामाजिक संगठनों और युवा नेताओं ने रविवार को इस मांग को सार्वजनिक रूप से उठाया। टाटा रोड स्थित पतरा टोली के निवासी युवा नेता पृथ्वी सिंह चौहान ने रविवार को आजाद सिपाही से बातचीत में कहा कि राजेश कच्छप को उनकी दूसरी बार शानदार जीत और जनता के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए कांग्रेस कोटे से राज्य मंत्रिमंडल में स्थान मिलना चाहिए। विधायक कच्छप ने क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सराहनीय कार्य किया है। उनके कार्यकाल के दौरान खिजरी में कई परियोजनाओं को जमीन पर उतारा गया। जिससे यहां के निवासियों को बड़ा लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि खिजरी विधानसभा क्षेत्र से मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व से वंचित रहे है और अब समय आ गया है कि इस क्षेत्र के विकास को और अधिक गति दी जाए।

राजनीतिक अनुभव और योगदान

राजेश कच्छप ने खिजरी विधानसभा क्षेत्र से लगातार दो बार विधायक बनने का गौरव हासिल किया है। वह कांग्रेस पार्टी के एक अनुभवी और जमीनी नेता माने जाते हैं। उन्होंने हमेशा अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाया है।

क्षेत्र के लोगों का मानना है कि मंत्री बनने के बाद वे अपने क्षेत्र के विकास के लिए और भी अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर पायेंगे। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर राजेश कच्छप को मंत्रिमंडल में जगह मिलती है, तो खिजरी क्षेत्र को विकास के नये आयाम मिलेंगे। उनका कहना है कि राजेश कच्छप की लोकप्रियता और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें मंत्री बनाना न केवल क्षेत्र बल्कि पार्टी के लिए भी फायदेमंद होगा।

कुरमी महासभा की ममता देवी को मंत्री बनाये जाने की मांग

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। बड़गाइं रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में रविवार को झारखंड कुर्मी महासभा की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता कुमेश्वर महतो ने की। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजकिशोर गांधी और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रीय युवा सचिव मुनेश्वर महतो शामिल हुए। बैठक में प्रस्ताव पारित कर रामगढ़ विधानसभा से दो बार जीत हासिल करने वाली कुरमी समाज की बेटी ममता देवी को कांग्रेस कोटे से मंत्री बनाए जाने की मांग की गई। यह भी निर्णय लिया गया कि झारखंड में विभिन्न राजनितिक दलों से जो भी स्वजातीय बंधु विधानसभा चुनाव में जीते हैं, उन सभी को एक समारोह आयोजित कर सम्मानित किया जाएगा। बैठक में डॉक्टर भुवनेश्वर महतो, देवकी महतो, महासचिव कारीनाथ महतो, सुजीत कुमार पटेल, दिलीप सिंह, रामलाल महतो, मोहन महतो आदि उपस्थित थे।

पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन, मासू की टीम बनी विजेता

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम के तेतरी टोली स्थित हंशराज वाधवा स्कूल मैदान में आयोजित पांच दिवसीय शहीद बिरसा क्लब जोरार फुटबॉल टूर्नामेंट का रविवार को समापन हुआ। इसमें स्थानीय और सुदूर गांवों के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नामकुम थाना के सब-इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार के अलावा विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष रमेश पांडेय के साथ ऑर्गेनाइजिंग टीम के सदस्य रंजीत बड़ाईक, सालेम डाहंगा, दीपक राणा, जॉन पीटर बागे और ज्ञानी मुंडा भी मौजूद थे। फाइनल मैच की शुरूआत मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। प्रवीण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह मंच उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान करता है। वहीं, रमेश पांडेय ने कहा कि स्थानीय खिलाड़ियों के विकास के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने ग्रामीण युवाओं को खेलों के माध्यम से अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। दूसरी ओर, फाइनल मुकाबला चीकू एफसी मासु और एमएफसी बनोरा के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने जोरदार प्रदर्शन किया। लेकिन चीकू एफसी मासु की टीम ने पेनल्टी शूटआउट में एक गोल से जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता टीम चीकू एफसी मासु को शील्ड और एक बड़ा खस्सी देकर सम्मानित किया। जबकि उपविजेता टीम एमएफसी बनोरा को शील्ड और एक छोटा खस्सी, तीसरे स्थान पर रही टीम शहीद बिरसा क्लब जोरार और चौथे स्थान पर रही टीम पाहन टोली एफसी को भी एक-एक खस्सी देकर प्रोत्साहित किया। अंत में आयोजकों और अतिथियों ने ऐसे और भी आयोजन करवाने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपना नाम रोशन कर सकें।

समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए करें बौद्धिक मदद : चौहान

- बेड़ो के पुरनापानी चौक में लगा खुशी चौपाल
- उत्साहित ग्रामीणों ने कहा-आज से हमारे गांव में तनाव, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति का प्रवेश बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। रांची लाइफ केयर अस्पताल और खुशी क्लास के तत्वावधान में बेड़ो के पुरनापानी चौक में रविवार को खुशी चौपाल का आयोजन हुआ। डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति के खिलाफ आयोजित खुशी चौपाल का संचालन ग्राम प्रधान सह पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा ने किया। उन्होंने कहा कि तनाव हर घर को प्रभावित कर रहा है। आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही है। नकारात्मक घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है। उनके कारणों में जाएं तो तनाव, डिप्रेशन ही दिखेगा। सकारात्मकता की खुशियों को खुद में समेटा व्यक्ति गलत कदम उठाता ही नहीं है। ऐसी परिस्थिति में हमें तनाव के खिलाफ खड़ा होना ही होगा। खुशी क्लास के संस्थापक सह संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि तनाव, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति से लड़ने का मजबूत हथियार है बौद्धिक मदद। हम सभी पैसों से नहीं, पर एक-दूसरे का बौद्धिक मदद तो कर ही सकते हैं। मनोबल तोड़ नहीं सकते। हमें जहां भी लगे, वहां की मात्र 5 फीट की दूरी को गोद ले लें। वहां कोई भी गलत हो, आप टोकियेगा जरूर। सामने वाला क्या कहता है, सुनता भी है या नहीं, इसे दरकिनार कर बस गलत के खिलाफ आवाज उठाना है। बिना किसी दबाब, लड़ाई-झगड़े के बस सादगी से कह देना है कि यह गलत है। हम जैसे ही यह बौद्धिक मदद शुरू करेंगे, आने वाला परिवेश बदलता चला जाएगा। हो सकता है, इसमें लंबा समय लग जाएं, पर शुरूआत तो करनी होगी। देश आजाद होने में भी 250 वर्ष लग गए थें। तनाव, डिप्रेशन की यह लड़ाई भी हो सकता है लम्बी खींच जाए, पर परिवर्तन आएगा जरुर। उन्होंने सभी को खुशी परिवार में शामिल होकर खुशी दूत बन समाज में खुशियां फैलाने का आह्वान किया। मौके पर तंजीर हुसैन, तस्लीम मिरदाहा, कोरेश मिरदाहा, अश्विनी सिंह, नइमु खान, सरवन खान, कयूम फरास, सनाउल्लाह मिरदाहा, सुभान अंसारी, लाल परमेश्वर नाथ शाहदेव, सहेदुल मिरदाहा, दिनेश्वर सिंह, मजबूल खान और अनिल गोप आदि मौजूद थे।

रांची में 9 फरवरी को आयोजित होगा केसरवानी वैवाहिक परिचय सम्मेलन सह मिलन समारोह

पिस्कानगडी (आजाद सिपाही)। रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा के बैनर तले नगडी स्थित केशरी बैंक्विट हॉल में रविवार को बैठक हुई। जिसमें रांची सहित खूंटी, गुमला, लोहरदगा और सिमडेगा जिलों के अध्यक्ष और महामंत्री शामिल हुए। बैठक में सभी पांच ज़िलों के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि केसरवानी वैवाहिक परिचय सम्मेलन सह मिलन समारोह नौ फरवरी 2025 को रांची स्थित जगन्नाथ मंदिर के समीप निलाद्री भवन में आयोजित होगा। साथ ही सम्मेलन को सफल बनाने की रूपरेखा तय करने के लिए विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा के उपाध्यक्ष हेमंत केसरी और संचालन महामंत्री मनीष केसरी के अलावा धन्यवाद ज्ञापन नगडी केसरवानी वैश्य सभा के अध्यक्ष रामजीवन केसरी ने किया। इस मौके पर वरीय संरक्षक तपेश्वर केशरी, दौलत राम केशरी, प्रेमसागर केशरी, रेखा केसरी, नेहा केसरी, अनिल केसरी, दिनेश केसरी, मोहन केशरी, श्याम केशरी, मनीष केशरी, विनोद केशरी, मनोहर केशरी, राम जीवन केशरी, द्वारिका नाथ साहू, राधेश्याम केशरी सुनील केशरी, अरविंद केशरी, दीपक केशरी, विमल केशरी, संजय चौधरी, आदित्य केशरी, रवि कुमार केशरी, दिलीप कुमार केशरी, मनीष केशरी, मनोहर लाल केशरी, प्रदीप कुमार केशरी और कमलेश कुमार केसरी सहित लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा एवं खूंटी जिले के अध्यक्ष एवं महामंत्री शामिल हुए।

झारखंड कुरमी विकास परिषद के 50वें वार्षिक मिलन समारोह को लेकर बैठक

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। आरटीसी बीएड कॉलेज में केंद्रीय अध्यक्ष रणधीर कुमार चौधरी की अध्यक्षता में 25 दिसंबर को झारखंड कुरमी विकास परिषद के 50वें वार्षिक मिलन समारोह के आयोजन को लेकर बैठक हुई। जिसमें सभी पदाधिकारियों ने 50वें वार्षिक मिलन समारोह को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। इसमें वर्तमान व पूर्व सांसद, विधायक के अलावा समाज के सभी गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही समाज के विकास में विशेष योगदान देने वालों को परिषद की ओर से सम्मानित भी किया जाएगा। बैठक में महामंत्री राजेंद्र महतो, कैलाश महतो, संजय पटेल, सुरेश प्रसाद, सुजीत महतो, सुनील महतो, रांची जिला अध्यक्ष राजकुमार महतो, राजेंद्र ओहदार, बलित महतो और वीरेंद्र महतो आदि उपस्थित थे।

आजादी के 77 साल बाद भी नहीं बदली बेड़ो बस्ती की सूरत

चारों तरफ गंदगी का लगा अंबार, बजबजाती नालियों ने लोगों का जीना किया मुश्किल

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। आजादी के 77 वर्ष बीत जाने के बावजूद बेड़ो की बस्ती की ना ही सूरत बदली ना ही यहां रहने वालों की जिंदगी। खर्च तो योजनाओं के नाम पर लाखों हुए, पर बस्ती को गंदगी से निजात नहीं मिल पाई। आज भी यहां के लोग बदहाली से जूझ रहे। बेड़ो बस्ती सात दशक के बाद भी विकास से कोसों दूर हैं। बस्ती की गंदी सूरत बदलने और यहां रहनेवालों को मूलभूत सुविधाओं के साथ ही आशियाना, शौचालय, नाली सड़क व पेयजल उपलब्ध कराने के नाम पर सरकार द्वारा कई योजनाएं बनाई गई हैं। योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए लाखों रुपये खर्च भी कर दिए गए, पर बस्ती के लोग अब भी गंदगी के बीच जीवन यापन करने को विवश हैं। हालांकि बस्ती के विकास व यहां के लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के नाम पर कई संस्थाएं मालामाल जरूर हो गई। पर आज भी बस्ती में रहने वाले लोगों के दरवाजों के आगे कीचड़, सड़क में बहता गंदा पानी, गंदगी व जलजमाव के लगे अंबार के कारण जीना मुहाल हो रहा है। दर्जनों परिवारों के लोग दशकों बाद भी नारकीय जिंदगी जीने के लिए विवश हैं। कई बार गुहार लगाने के बाद भी लोगों को सड़क, नाली, कीचड़ और गंदगी से निजात नहीं दिलाई जा रही है। यहां बड़ी बिमारी फैलने का खतरा हमेशा मंडराता रहता है। जबकि सरकार की ओर से गांव-गांव, गली-गली विकास कराने के दावे किये जा रहे हैं। पर ग्रामीणों की शिकायत के बाद भी जिम्मेदार घरों के आगे जमा कीचड़, पानी निकासी, जलजमाव व गंदगी से निजात दिलाने में नाकाम साबित हुए हैं। गंदगी के कारण बच्चे और लोगों में डेंगू, डायरिया और मलेरिया की बीमारियों का डर सता रहा हैं। महिलाओं व बच्चों ने बताया कि लोगों को गंदगी व दुर्गंध के कारण घरों में रहना दूभर हो रहा है। खाना बनाने और खाने में भी मुश्किल होती है। बस्ती वासियों ने कहा कि जिम्मेदारों ने शीघ्र ध्यान नहीं दिया तो आने वाले समय में लोगों को मौत का नजारा भी देखने के लिए विवश होना पड़ेगा।

रिटायर शिक्षक की गला काट कर हत्या

शौच के लिए खेत में गये थे, तभी घात लगा कर बैठे बदमाशों ने कुल्हाड़ी से किया हमला

डॉग स्क्वाई की मदद से पुलिस ने शुरू की जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

सतबरवा/पलामू। सतबरवा थाना अंतर्गत हलुमाड़ गांव में रविवार की सुबह बदमाशों ने तेज धारदार हथियार से गला काटकर 65 वर्षीय एक वृद्ध व्यक्ति की हत्या कर दी गई। उसकी पहचान हलुमाड़ निवासी परिखन सिंह के रूप में की गई है। वह पेशे से शिक्षक थे, जो रिटायर्ड हो चुके हैं। वहीं, मृतक के पुत्र सतीश सिंह

खेत में पड़े शव के पास पुलिस व स्थानीय ग्रामीण।

चरो ने बताया कि रविवार तड़के चार बजे उससके पिताजी सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगा कर बैठे अपराधियों ने कुल्हाड़ी से गला काटकर उनकी हत्या कर दी। घटनास्थल पर मृतक की घड़ी, टॉर्च व लोटा भी पड़ा मिला है। इसके बाद सुबह उजाला होते ही मौत की खबर आग की तरफ फैल गई। सैकड़ो ग्रामीणों के भीड़ घटनास्तल पर पहुंच गयी। दूसरी ओर, घटना की सूचना पाकर सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार भी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और डॉग स्क्वायड की टीम मंगवाकर जांच में जुट गये। कानूनी प्रक्रिया पूरा करने के बाद शव को अंत परीक्षण के लिए मेदिनीनगर एमएमसीएच भेज दिया गया है। इधर, घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। बताते चले की मृतक परीक्षण सिंह परिखन गुरु जी के नाम से प्रसिद्ध थे। वे एक बार मनिका विधानसभा से विधायक प्रत्याशी भी रह चुके हैं। खबर लिखे जाने तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

हुसैनाबाद-हरिहरगंज का विकास एवं जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध हूं : संजय

राजद विधायक ने मोहम्मदगंज में निकाला विजय जुलूस, नगाड़ों की थाप पर थिरके कार्यकर्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। नवनिर्वाचित राजद विधायक संजय सिंह यादव ने रविवार को मोहम्मदगंज प्रखंड में विजय जुलूस निकाला, जो सबनवा, माली, लटपौरी, भजनिया, मोहम्मदगंज होते हुए कादलकुर्मी में जाकर समाप्त हुआ। मोहम्मदगंज के अंबेडकर और जगदेव चौक पर विधायक ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर और शहीद जगदेव प्रसाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण किया। वहीं, पूरे रास्ते समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य

स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ माहौल पूरी तरह उत्सवी बना रहा। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष पच्चू रजवार, मंटू सिंह, राकेश सिंह, सिद्धार्थ कुमार, गणेश मेहता, मनोज सिंह, राकेश चौरसिया, बालेश्वर यादव, राहुल सिंह, उमेश रामआदि शामिल थे। वहीं, विधायक ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत जनता की है। वे हमेशा क्षेत्र के विकास और जनसेवा की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

बरवाडीह चुनार पैसेंजर को सांसद ने दिखायी हरी झंडी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने रविवार तड़के तीन बजे डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर बरवाडीह चोपन चुनार पैसेंजर ट्रेन संख्या 05653/03654 का परिचालन का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया। कोविड-19 के दौरान उक्त पैसेंजर ट्रेन का परिचालन बंद कर दिया गया था। जिसे आज पुनः शुरू होने से पलामू संसदीय क्षेत्र अंतर्गत लगभग 11 रेलवे स्टेशनों क्रमशः नगर उंटारी, रमना, मेराल, गढ़वा, गढ़वा रोड़, तोलरा, लालगढ़ बिहार, रजहारा, कजरी, डालटनगंज एवं चियांकी के यात्रियों को आवागमन सुगम होगी। यहां की जनता लगातार इस ट्रेन को प्रारंभ करने की मांग कर रही थी। इस अवसर पर धनबाद मंडल रेलवे एडीआरएम विनीत कुमार, जिला सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, वरिष्ठ नेता मुरारी पांडेय, किशोर पांडेय, ईश्वरी पाण्डेय, शिव कुमार मिश्रा, संजय गुप्ता, शशि भूषण पांडेय, अनिल कुमार, संजय कुमार, भोला पांडेय, मनीष कुमार, सुशील सिंह, राघवेन्द्र तिवारी, आनंद सिंह एवं रेलवे पदाधिकारी मनोहर लाल, अनिल कुमार तिवारी, विकास कुमार, स्टेशन अधीक्षक उमेश कुमार, राजीव रंजन सिंह, वैसी मानडी, संजय पासवान, बीरबल प्रजापति, अनिल कुमार आदि उपस्थित थे। वहीं, कार्यक्रम का संचालन मनीष मिश्रा ने किया।

यौन शोषण के आरोप में पलामू बालिका गृह के संचालक एवं महिला कॉउंसलर भेजे गये जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू बालिका गृह में यौन शोषण का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। मेदिनीनगर महिला थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए संचालक राम प्रताप गुप्ता (72) और महिला कॉउंसलर प्रियंका कुमारी (26) को रविवार की दोपहर एक बजे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए शनिवार की देर शाम आनन-फानन में बालिका गृह को सील कर सभी लड़कियों को जेलहाता स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है। अधिकारियों की जांच दूसरे दिन भी जारी है। गौरतलब हो कि बालिका गृह का संचालन समाज कल्याण विभाग के जरिए होता है। पिछले तीन वर्षों से एनजीओ विकास इंटरनेशनल को इसे चलाने का जिम्मा दिया गया था। आरोपित राम प्रताप गुप्ता इस एनजीओ का सचिव है। जिस नाबालिग लड़की के साथ रामप्रताप ने दुष्कर्म किया है, वह जिले के नक्सल प्रभावित इलाके की रहने वाली है। उसके माता-पिता नहीं हैं। उसके साथ गांव के ही युवक ने दुष्कर्म किया था, जिसके बाद उसे दो साल पहले बालिका गृह लाया गया था। पीड़िता के साथ उसकी छोटी बहन भी यहां रहती थी। जून महीने में छोटी बहन की मौत हो गयी। इसका एक भाई बाल गृह में रहता है। बालिका गृह के मैनेजमेंट पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। यहां से बच्चियों के भाग निकलने की घटनाएं भी हमेशा सामने आती हैं। बच्चियों के भागने के बाद उन्हें खोज कर फिर से लाया जाता है।

क्या है मामला

पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के सुदना में संचालित बालिका गृह में रहने वाली बच्चियों का यौन शोषण किया गया है। बालिका गृह में 28 बच्चियां रहती हैं, जिसमें दो बच्चियों ने बालिका गृह के संचालक राम राम प्रताप गुप्ता पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। राम प्रताप को बच्चियां दादा जी कहती थीं। मामला सामने आने के बाद शनिवार को पुलिस की टीम घंटों मामले की जांच में जुटी रही। बच्चियों के आरोप को पुलिस ने सही पाया। इसके बाद आरोपी संचालक और बालिका गृह की एक महिला काउंसलर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। एएसपी राकेश सिंह ने बताया कि जांच में बच्चियों के यौन शोषण की बात सही साबित हुई है। इसके बाद संचालक और काउंसलर पर एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई गयी। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को मानवाधिकार संगठन की एक टीम अध्यक्ष संध्या सिंह के नेतृत्व में बालिका गृह की व्यवस्था को देखने गयी थी। इसी दौरान बच्चियों ने यौन शोषण की बात बतायी। बच्चियों के मुताबिक आरोपित राम प्रताप गुप्ता का घर बालिका गृह के पास ही बैंक कॉलोनी में है। एक बच्ची ने कहा कि दीपावली से छठ के बीच दो बार राम प्रताप उसे अपने घर ले गये। इसी दौरान उन्होंने बच्ची के साथ शारीरिक संबंध बनाया। दूसरी बच्ची ने कहा कि उसके साथ भी संचालक ने गलत करने का प्रयास किया था। बालिका गृह में बच्चियों के साथ यौन शोषण का मामला सामने आते ही पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया। बालिका गृह में रहने वाली कुछ लड़कियां अब 18 वर्ष की उम्र पार कर गयी हैं। पूछताछ में पुलिस को लड़कियों ने कहा कि बालिका गृह से बाहर निकलने के लिए उनके सामने अधिकारियों को खुश करने की शर्त रखी गयी। जांच में यह भी पता लगा है कि बालिका गृह की एक महिला कर्मी ने लड़कियों के कुछ फोटो भी लिये हैं।

ओबीसी समाज को अधिकार दिलाना ही लक्ष्य, संघर्ष जारी रहेगा : ब्रह्मदेव

ओबीसी एकता अधिकार मंच की हुई चुनावी समीक्षा बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर कार्यालय में ओबीसी एकता अधिकार मंच की रविवार को समीक्षा बैठक हुई। जिसमें चुनाव परिणाम को लेकर चर्चा की गयी। सात ही आगे की रणनीति की रूपरेखा भी तैयार की गयी। बैठक में शामिल मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि ओबीसी समाज को लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अभी लंबा सफर तय करना होगा। हमारा उद्देश्य सिर्फ चुनाव लड़ने और जितने तक ही सीमित नहीं है। बल्कि समाज के दबे-कुचले वर्गों को उनका अधिकार दिलाना है, जिसके लिए मंच का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने पूरे प्रदेश में ओबीसी समुदाय के लिए किए गए प्रयासों को रेखांकित करते हुए

कहा कि हमारे आंदोलन का विरोध किसी भी राजनीतिक पार्टी ने नहीं किया, लेकिन समर्थन भी नहीं दिया। बीडी प्रसाद मंच के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को साथ लेकर झारखंड में ओबीसी समाज की लड़ाई लड़ता रहा है आगे भी लड़ेगा। उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं को अपना परिवार का हिस्सा बताते हुए कहा कि वे संगठन के रीढ़ की हड्डी हैं। वे लोग गांव-गांव जाकर मंच के नीति सिद्धांतों से लोगों को अवगत करायें। इस मौके पर गोकुल बसंत, शत्रुघ्न कुमार शत्रु, गिरनानंद विश्वकर्मा, अविनाश कुमार, अजय राम, अरुण गुप्ता, सुरेंद्र भारती, आनंद विश्वकर्मा, लक्ष्मी साव, चंदन चंद्रवंशी, बालमुकुंद राम, रेखा देवी, चंदन कुमार, दीपक यादव, संजीत कुमार, हीरा प्रसाद, अखिलेश राम, राधेश्याम प्रसाद, सुनील यादव, धर्मेंद्र कुमार, श्याम लाल राम, विजय कमलापुरी, राज कुमार गुप्ता, प्रदीप प्रसाद, दिलीप पासवान, बसंत राम चंद्रवंशी, दिलीप पाल, रमेश विश्वकर्मा, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, अखिलेश रजवार और उपेंद्र पाल आदि थे।

चुनाव में हार-जीत तो लगी रहती है : अमरजीत कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज-हुसैनाबाद विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी रहे अमरजीत कुमार ने मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि चुनाव में एक प्रत्याशी की जीत, तो अन्य सभी को हरना पड़ता है। हार से घबराने की आवश्यकता नहीं है। वे रविवार को हरिहरगंज स्थित अपने आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनता के फैसले को स्वीकार करते हुए मतदाताओं का आभार जताया और हर समय दुख तकलीफ व खुशी के पलों में साथ रहने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा

कि जीत हार किस्मत की बात है। मतदाताओं ने खूब वोट दिए, पर उनके भाग्य में जीत नहीं लिखी थी। वोट देने वाले सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं। कहा कि हार के बावजूद हरिहरगंज हुसैनाबाद की जनता की सेवा में तत्पर रहूंगा।

मारपीट के तीन आरोपी भेजे गये जेल, तीन फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के सलैया पंचायत अंतर्गत रब्दी में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी, जिसमें एक पक्ष के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने रविवार को अभिलाख कुमार उर्फ अभिषेक, दशरथ यादव और रामप्रसाद यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में प्रथम पक्ष के रब्दी गांव निवासी विनोद यादव का एक पैर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। जबकि उसके पुत्र वशिष्ट यादव भी घायल है। भुक्तभोगी आवेदक वशिष्ट यादव ने पुलिस को बताया कि दो वर्ष पहले छत्तीसगढ़ में मारपीट हुई थी जिसका बदला लेने के लिए अभिलाख कुमार उर्फ अभिषेक कुमार, दशरथ यादव, रामप्रसाद यादव, भीम कुमार, नेपाली उर्फ जितेंद्र कुमार और कमलेश यादव ने घर से थोड़ी दूर खेत में धान के बोझा बांधने के दौरान अकेला पाकर हमला कर दिया। इस संबंध में हरिहरगंज थाना के एसआई सतीश गुप्ता ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आलोक में थाना कांड संख्या 165/24 के तहत उक्त छह आरोपियों के विरुद्ध भादवि की धारा 126 (2), 115 (2), 117 (2), 109, 352, 351 (2), 3(5) लगाया गया है। जिसमें तीन आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जबकि तीन अन्य फरार हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

जपला स्टेशन रोड से बाइक चोरी, थाने में दर्ज करायी शिकायत

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शहर के चिकटोली मुहल्ला निवासी नजीर राइन की बाइक रविवार की दोपहर जपला स्टेशन रोड से चोरी को गयी। इस संबंध में भुक्तभोगी ने हुसैनाबाद थाना में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में बुक्तभोगी ने बताया कि जपला स्टेशन रोड स्थित फल गोदाम के बाहर बाइक खड़ी कर गोदाम में गए थे। जब दोपहर दो बजे बाहर निकले तो बाइक वहां नहीं थी। आसपास काफी खोजबीन की बाइक का कुछ भी पता नहीं चला। जिसके बाद इसकी सूचना हुसैनाबाद थाने को दी है। पुलिस तलाश में जुट गयी है।

अबुआ आवास योजना में लाभुक से बिएफटी ने धमका कर मांगी रकम

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार की ओर से 'अबुआ आवास' योजना की शुरूआत की गई है, जिसके अंतर्गत राज्य के गरीब लोगों को तीन कमरों का पक्के का मकान बनाकर दिया जाता है। इस योजना को झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के रूप में देखा जाता है। लेकिन पलामू

जिले में इस योजना को लेकर लाभुक से जियो टैग करने के नाम पर पैसा उगाही का आरोप लगा है। बतातें चलें कि पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड के सेमरा पंचायत के टोला बलहिया निवासी रुक्मणि देवी ने अबुआ आवास योजना में पैसा मांगने का आरोप लगाया हैं। उन्होंने बताया कि सेमरा पंचायत के बिएफटी संजय रवि ने अबुआ आवास योजना में अबुआ आवास की पहली किस्त 30 हजार रुपये डलवाने में 10 हजार लिया और दूसरे किस्त की राशि 50 हजार आने पर बिएफटी ने फिर से 10 हजार रुपए की मांग की है। कहा कि पैसा बड़े अधिकारी को भी देना पड़ता है। बता दें कि वर्ष 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस योजना की शुरूआत की थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो लाभुक वंचित रह गए थे, वैसे लाभुकों को राज्य सरकार के अबुआ आवास योजना के तहत पक्का मकान देने की बात कही है।

स्पोर्ट्स

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं क्रिकेटर रहे मोहसिन रजा ने तो यूपीसीए की अनियमितताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया

यूपीसीए के साथ आरओसी की मिलीभगत की शिकायत पहुंची कॉर्पोरेट मंत्रालय

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) में हो रही गड़बड़ियों का मामला कम होने का नाम नहीं ले रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व क्रिकेटर रहे मोहसिन रजा ने तो यूपीसीए की अनियमितताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इससे अन्य लोगों को भी बल मिला और अब यूपीसीए की शिकायत कॉर्पोरेट मंत्रालय के सचिव तक पहुंच गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यूपीसीए और रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज (आरओसी) कानपुर के अधिकारियों के मिलीभगत से संघ के भीतर वित्तीय घोटाले, धोखाधड़ी व खिलाड़ियों के धन का दुरुपयोग किया गया है।

शिकायतकर्ता उपेन्द्र यादव ने कॉर्पोरेट मंत्रालय के सचिव को ईमेल के जरिये शिकायत में यह दर्ज करवाया है कि कई बार संघ के अधिकारियों की ओर से की गयी वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों के बाद भी अभी तक किसी प्रकार की कार्यवायी नहीं की गयी है। मामले में आरओसी के अधिकारियों की भूमिका भी स्पष्ट रुप से संदेहास्पद दिखायी दे रही है। यूपीसीए जो एक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के रूप में कार्यरत है, ने अपने निदेशक मंडल की शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए संशोधित आर्टिकल आफ एसोसिएशन (एओए) को आरओसी कानपुर से मंजूर कराया, जिसमें नियमों का घोर उल्लंघन किया गया। मेल में यह दशार्या गया है कि संघ ने अपने तीन निदेशकों को ₹नॉन-रिटायरिंग निदेशक₹ घोषित किया था। दुर्भाग्यवश इनमें से दो निदेशकों का 2018 में निधन हो गया और एक निदेशक केवाईसी अनुपालन न करने के कारण अयोग्य घोषित हो चुका है। इसके बावजूद आरओसी कानपुर

ने 2022 में संशोधित एओए को मंजूरी दी। जिसमें इन तीन निदेशकों के साथ नॉन-रिटायरिंग निदेशक का नियम जोड़ा गया। यह स्पष्ट रूप से आरओसी की मिलीभगत और सत्यापन की कमी को दशार्ता है।

आरओसी की मिलीभगत से हुई गड़बड़ियां : शिकायतकर्ता का कहना है कि आरओसी का यह दायित्व था कि संशोधित एओए को स्वीकृत करने से पहले यह निश्चित करें कि यह सभी कानूनी प्रावधानों और वास्तविक स्थिति के अनुरूप है। आरोप है कि गैर-लाभकारी संगठन की आड़ में लाभ कमाने का प्रयास किया गया है, जबकि एमसीए के नियमों के अनुसार, धारा 8 के तहत पंजीकृत कोई भी गैर-लाभकारी संगठन लाभ नहीं कमा सकता और उसकी आय केवल जनहित के लिए उपयोग की जानी चाहिए। यूपीसीए ने आरओसी कानपुर की मिलीभगत से इस नियम का उल्लंघन कर धन गबन के साथ ही लाभ अर्जित किया।

करीब तीन करोड़ का हुआ घोटाला : बताया कि आरओसी ने यूपीसीए के निदेशकों की अवैध गतिविधियों पर न केवल चुप्पी साधी, बल्कि इसे समर्थन देकर कर चोरी और धन के दुरुपयोग को बढ़ावा दिया। जिससे खिलाड़ियों और सरकार के हितों को नुकसान हुआ है। बताया कि 2022 में 297.89 लाख रुपया का व्यय ₹स्टेडियम निर्माण₹ के नाम पर दिखाया, जबकि उक्त स्थल पर कोई निर्माण कार्य किया ही नहीं गया। यूपीसीए के निदेशकों ने खिलाड़ियों और जनता को गुमराह करते हुए वित्तीय घोटाला किया। आरओसी कानपुर ने संघ के निदेशकों को बेधड़क नियमों का उल्लंघन करने की अनुमति प्रदान कर दी। शिकायतकर्ता ने सचिव से मांग की है जिसमें कहा गया है कि आरओसी कानपुर की भूमिका की गहन जांच की जाए और सत्यापन में चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाये।

निदेशकों के रद्द किये जायें डीआइएन

शिकायतकर्ता का कहना है कि संघ के निदेशकों के डाइरेक्टर आइडेंटीफिकेशन नंबर (डीआईएन) को तुरंत रद्द किया जाए और उन्हें भविष्य में निदेशक बनने के लिए अयोग्य घोषित किया जाए। एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की नियुक्ति की जाए, ताकि संघ के संचालन में पारदर्शिता लाई जा सके और खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। यूपीसीए और आरओसी कानपुर की मिलीभगत से हुए वित्तीय घोटाले और कर चोरी के मामलों की जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। संघ के बैंक खातों और सम्पत्तियों को तुरंत सील किया जाए ताकि आगे धन का गबन रोका जा सके। सीएजी या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी से संघ की बैलेंस शीट और उनके व्ययों का विशेष ऑडिट कराया जाए। संघ और आरओसी कानपुर की मिलीभगत ने न केवल कर प्रणाली और सरकारी नियमों का मजाक उड़ाया है, बल्कि खिलाड़ियों और जनता के विश्वास को भी ठेस पहुंचाई है। ऐसी अनियमितताओं पर तुरंत रोक लगाने और कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। सचिव से मांग की गयी है कि इस मामले को प्राथमिकता देते हुए दोषियों को सख्त दंड दिलाने और यूपीसीए के संचालन में पारदर्शिता लाने के लिए तत्काल कार्रवाई करें।

निर्माणाधीन पीसीसी पथ का मुखिया ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता पर उठाये सवाल

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर प्रखंड अंतर्गत बाघमनवा पंचायत के चोरटिया गांव में निमार्णाधीन पीसीसी पथ का मुखिया मंजू देवी ने निरीक्षण किया। इस क्रम में पाया कि प्राक्कलन के अनुसार कार्य नहीं कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में घटिया मेटल, छरी व सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा किया। कहा कि ग्रामीणों से शिकायत मिलने का बाद जांच की गयी है। उन्होंने संवेदक को निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार लाने को कहा। मुखिया मंजू देवी ने कहा कि अगर प्राक्कलन के अनुसार कार्य नहीं कराया गया तो संबंधित विभाग को जांच व कार्रवाई के लिए लिखा जायेगा। जरूरत पड़ी तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन भी किया जायेगा। इस मौके पर समाजसेवी मनीष कुमार सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। बताते चलें कि, ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से विश्रामपुर से कौड़ियां तक तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। एक करोड़ 37 लाख 56 हजार रुपये की लगत से बनने वाले इस सड़क का कार्य नंदनी कंस्ट्रक्शन को मिला है। आबादी वाले जगहों पर पीसीसी करना है। इसी के तहत गौरा घरटिया मोड़ से चोरटीया गांव तक पीसीसी पथ का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसका मुखिया मंजू देवी ने रविवार को निरीक्षण किया।

बस्ताकोला, चांदमारी व विक्ट्री के लोगों ने विधायक से मिलकर सुनायी समस्या

झरिया में पानी की समस्या को दूर करना पहली प्राथमिकता : रागिनी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। बस्ताकोला, विक्ट्री व चांदमारी कॉलोनी के दर्जनों लोगों ने झरिया विधायक रागिनी सिंह से रविवार को उनके आवासीय कार्यालय सिंह मेंशन जाकर मुलाकात की। सभी ने बुके देकर विधायक को जीत की बधाई देने के साथ ही उनके मुहल्लों में पानी की समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों का कहना था कि पूर्व विधायक पूर्णिमा सिंह ने यहां के लोगों की पानी की समस्या को दूर करने का आश्वासन दिया था। लेकिन जीतने के बाद कभी मुहल्ले में झांकने तक नहीं आयीं। जिस कारण इन कालोनियों में पेयजल की घोर संकट है। इसपर

झरिया विधायक रागिनी सिंह से मिलकर क्षेत्र की समस्याएं बताती महिलाएं।

रागिनी सिंह ने कहा कि जिस विश्वास के साथ जनता ने मुझे वोट देकर विधायक बनाया है। उनके विश्वास पर खरा उतरूंगी। पानी की समस्या को दूर करना ही मेरी पहली प्राथमिकता है। झरिया की जनता के लिए मेरे घर के दरवाजे हमेशा खुले है। झरिया के लोगों की सेवा में हमेशा तत्पर रहूंगी। इस दौरान रागिनी सिंह ने भी सभी लोगों को मिठाईयां खिलाते हुए कहा कि यह मेरी नहीं जनता की जीत है। इसके बाद लोग कुंती निवास जाकर जमसं के महामंत्री सह रागिनी के देवर सिद्धार्थ गौतम से भी मिले और बूके देकर सम्मानित किया। सिद्धार्थ गौतम भी लोगों को आश्वासन देते हुए कहा कि झरिया में जलसंकट दूर करना हमलोगों की पहली प्राथमिकता है। इस मौके पर दीपक चौहान, भोला चौहान, चंदेश्वर चौहान, अजय चौहान, बबलू भुईया, सुमन हांसदा, सुगा देवी, सरस्वती देवी और राकेश आदि उपस्थित थे।

युवाओं की भलाई और क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा : जयराम महतो

डुमरी से जैनामोड़ जाने के क्रम में विधायक का पिछरी में हुआ भव्य स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछरी/बेरमो। जेएलकेएम सुप्रीमो सह डुमरी विधायक जयराम महतो को रविवार को डुमरी से जैनामोड़ जाने के क्रम में कुछ देर के लिए पिछरी में रूके थे। जहां कार्यकर्ताओं-समर्थकों ने फूलो का माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही शाल ओढ़ाकर व बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की किताब देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक ने ने कहा कि वे युवाओं की लिए बेहतर काम करेंगें। लोगों की समस्याओं का समाधान करते हुए विकास कार्यों को धरातल पर उतारने का पूरा प्रयास करेंगें। विधायक जयराम महतो ने युवाओं को विश्वास दिलाया कि उनके हित के लिए जो भी करना होगा करेंगे। इस मौके पर संजय मल्लाह, विकास कुमार महतो, कृष्णा तुरी, सीताराम महतो, खिरू महतो, अंकु हरी, विश्वनाथ महतो, बिनोद महतो, गौतम साव, मो बंटी, किशोर मल्लाह, संजीव सिंह, राजेन्द्र सिंह, दिनेश सिंह, कमाल सिंह, कार्तिक तुरी, सबीर अंसारी एंव राजू पाल आदि उपस्थित थे।

2029 में झारखंड की सभी 81 विस सीटों पर लड़ेंगे चुनावः जयराम महतो

जैनामोड़/बेरमो। जैनामोड़ के बांधडीह स्थित प्रजापति धर्मशाला में रविवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की समीक्षा बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष रथु लहेरी और संचालन रंजन प्रकाश ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह डुमरी के विधायक जयराम महतो भी शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी के सभी सहयोगी व सदस्यों ने पूरी ताकत के साथ झारखंड में अपनी पहचान बनाने के लिए लड़ा है। साल 2029 में झारखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी राज्य की सभी 81 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र में हौसला बनाए रखते हुए कार्य करने को कहा। संगठन को बूथ लेवल पर मजबूत बनाने को कहा। उन्होंने झारखंड के सभी मतदाताओं का पार्टी को समर्थन देने के लिए आभार जताया। इस मौके पर बोकारो जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार महतो, बेरमो विधानसभा प्रभारी महादेव रवानी, बोकारो जिला महिला अध्यक्षा रेखा महतो, उत्पल मंडल, विश्वजीत कुमार, महेश बेसरा, गुप्तेश्वर मंडल, बादल मूर्मू, रामकुमार टुडू, मजहर अंसारी, जिलानी अंसारी, गोबिंद महतो, शहजाद अंसारी, मंशु आदि उपस्थित थे।

सार्वजनिक कुआं पर कब्जे की थाने में शिकायत

झरिया (आजाद सिपाही)। झरिया थाना अंतर्गत पूर्व कोयरीबांध में सार्वजनिक कुआं पर कब्जा करने को लेकर स्थानीय लोगों ने रविवार को झरिया थाना में लिखित शिकायत की है। जिसमें बताया गया है कि पूर्वी कोयरीबांध के कुआं से आसपास के लगभग 250 परिवार निर्भर है। झरिया में पेयजल आपूर्ति बाधित होने के दौरान स्थानीय लोगों की प्यास 100 वर्ष पुराने इसी से कुआं से ही बुझती है। लेकिन कुछ विशेष समुदाय के लोगों द्वारा इसे अतिक्रमण कर घेरते हुए अपनी नीजि संपत्ति बनाने की कोशिश की जा रही है। इसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया तो विशेष समुदाय के लोग मारपीट और गालीगलौड पर उतारू हो गए। इस संबंध में झरिया थाना प्रभारी शशि रंजन कुमार ने बताया कि दोनों ही पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है। पुलिस पड़ताल कर रही है। जांच के बाद झरिया अंचल अधिकारी को जानकारी देने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर डब्ल्यू कुमार, सूरज रजक, राजेश रजक, मुन्नी देवी, पार्वती देवी, मनोज कुमार बाल्मीकि, तारा देवी, गायत्री देवी और श्याम सुंदर साव आदि उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर टाटा स्टील फाउंडेशन झरिया शाखा ने निकाली जागरूकता रैली

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन की झरिया शाखा ने रविवार को अपने परिचालन क्षेत्रों और आसपास के विभिन्न ब्लॉकों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कई रैलियों का आयोजन किया। इस अभियान की शुरुआत 29 नवंबर को भेलाटांड़ स्थित टाटा स्टील फाउंडेशन कार्यालय से रामपुर दुर्गा मंदिर तक आयोजित रैली के साथ आरंभ हुआ था। जिसका समापन रविवार को आदर्श स्कूल लालबंगला से अपर डुमरी गांव तक भव्य रैली निकालकर हुआ। इन रैलियों का

उद्देश्य एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के संदेश 'सही रास्ता अपनाएंः मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' को जन-जन तक पहुंचाना था। इस आयोजन में जोश और उत्साह से भरी 320 महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिन्होंने न केवल इस मुहिम को समर्थन दिया, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश भी दिया। रैली टाटा स्टील फाउंडेशन झरिया शाखा के जारी प्रयासों का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति एक अधिक जागरूक और संवेदनशील समाज का निर्माण करना है।

जूडो ट्रायल में राजकमल सवि मंदिर व धनबाद पब्लिक स्कूल हिरक ब्रांच के खिलाड़ी छाये

धनबाद (आजाद सिपाही)। रांची में 26-27 दिसंबर से आयोजित होने वाले झारखंड राज्य सब जूनियर एवं सिनियर जूडो चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए धनबाद जिला जूडो ट्रायल का शानदार आयोजन धनबाद मार्शल आर्ट सेंटर, नन्हे कदम प्ले स्कूल, धोवाटांड में किया गया। इसकी जानकारी देते हुए धनबाद जिला जूडो संघ के सचिव पप्पू कुमार ने बताया कि ट्रायल के लिए भारी संख्या में धनबाद के खिलाड़ी शामिल हुए। सभी खिलाड़ियों का वजन माप, शारीरिक जांच, जूडो टेक्निक व फाईट के बाद धनबाद जूडो टीम का चयन किया गया जिसमें सब जूनियर (लड़के) प्रशांत हेम्ब्रम, दिवाकर कुमार शर्मा, काव्यांश कुमार, आर्यन प्रकाश, उल्लास रंजन, हर्ष कुमार, अरन्व सिंह, सिद्धार्थ सैनी, मोहित

कुमार ठाकुर, संघर्ष सुमन, आदर्श राज, प्रेरित कुमार, युवराज सिंह, सत्यम सिंह, मिहिर कुमार झा, युवराज शर्मा, शिवम दे, प्रियांशु राज, राजवीर राज, लक्ष्य कुमार सिंह, सिनियर (लड़के) संभव कुमार, सोमनाथ भट्टाचार्य, अंकित कुमार, रणवीर ठाकुर, अनिकेत भारद्वाज, संजीव कुमार भारती और देव कुमार राय शामिल हैं। जबकि लड़कियों में कोमल कुमारी, अर्पणा कुमारी, अणुप्रिया लाल, मानसी कुमारी, अलाफिया जोहा, लक्ष्मी कुमारी, आरती कुमारी, आरती कुमारी शर्मा शामिल हैं। चयनित खिलाड़ियों में राजकमल सवि मंदिर व धनबाद पब्लिक स्कूल हिरक ब्रांच के छात्रों की संख्या ज्यादा है। सभी चयनित जूडोका 25 दिसंबर को रांची के लिए प्रस्थान करेंगें। धनबाद जिला जूडो संघ के अध्यक्ष शैयद मतलुब हाशमी, कोषाध्यक्ष विनय रिटोलिया, दिनेश मंडल, तोराब खान, पंचम लाल शर्मा, अरूण कुमार, संजय रवानी, मनोज सिंह और गणेश कुमार सिंह ने सभी चयनित खिलाड़ियों को राज्य प्रतियोगिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं।

झामाडा कर्मचारियों का प्रदर्शन, हड़ताल की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोड़ापोखर। पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज झमाडा और नगर निगम के कर्मचारी व मजदूर रविवार को अमलेश कुमार और सुभाष रावत के नेतृत्व में जामाडोबा झमाडा वाटर बोर्ड जल संयंत्र कार्यालय पहुंच गये। सभी वेतन की मांग को लेकर एमडी सह नगर आयुक्त रवि राज शर्मा के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान वेतन नहीं तो काम नहीं का नारा लगाया। कर्मचारियों ने अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। सुभाष रावत ने कहा कि पहले का वेतन तो अभी तक नहीं मिला है। इधर सितंबर महीने से लगभग 200 कर्मचारियों का वेतन रोक कर रखा गया है। कुल 30 महीने का वेतन अभी तक बाकी है। झमाडा एमडी सह

नगर आयुक्त से वेतन की मांग कई बार की जा चुकी है, लेकिन सिर्फ आश्वाशन दिया जाता है। हर बार एमडी के तरफ से एक-दो दिन में वेतन देने की बात कही जाती है, पर वेदन दिया नहीं जाता है। वेतन नहीं मिलने से हमलोगों के समीप भूखमरी की स्थिति बन गई है। बच्चों की फीस और घर के राशन पर आफत आ गयी है। उन्होंने कहा कि अगर सभी कर्मचारियों का वेतन दो दिनों के अंदर नहीं दिया गया तो मजबूरन हमलोग हड़ताल के लिए बाध्य होगे। जिसकी सारी जिम्मेवारी झमाडा और नगर निगम के उच्च अधिकारियों की होगी। कहा कि हम लोग ही प्लांट चलते है और हमें ही वेतन नहीं मिलता है। अधिकारी को वेतन मिलता रहता है, लेकिन मजदूर की सुनने वाला कोई नहीं है। बतातें चलें की धनबाद जिले के झरिया के जामाडोबा स्थित झमाडा जल संयंत्र केंद्र से लाखों की आबादी को पीने का पानी उपलब्ध कराने वाले कर्मचारी और मजदूरों की आर्थिक स्थिति को देखने वाला आज कोई नहीं है। झरिया के लोगों को पानी की किल्लत ना हो इसके लिए दिन रात वे मेहनत करते है। इसके बावजूद झमाडा तथा नगर निगम के उच्च अधिकारियो के उदासीन रवैये के कारण कई महीनों से वेतन नहीं मिलने पर यहां के कर्मचारी आज भुखमरी के कगार पर पहुंच गए है। वहीं, प्रदर्शन करने वालों में सुभाष रावत, अमलेश कुमार, सोहराय महतो, सुभाष, जमील अख्तर, निमाई रवानी, सुरेंद्र यादव, राजेश महतो, सोनू तुरी, रौशन वर्णवाल, अखिलेश यादव, नासिर अंसारी आदि थे।

बरारी में ठेकेदार ने जेइ के साथ की मारपीट

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। धनबाद नगर निगम के जेई अनिकेत कुमार बरारी में निरीक्षण करने आए थे। जहां बिल भुगतान में टालमटोल को लेकर संवेदक रंजन कुमार सिंह से विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद संवेदक ने अपने तीन-चार अन्य लोगों के साथ मिलकर मारपीट की है। इसे लेकर जेई ने जोरापोखर थाने में लिखित शिकायत करते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा कि संवेदक रंजन सिंह शिमलाबहाल के रहने वाले और नगर निगम में संवेदक का कार्य करते हैं। ठेका कार्य के बिल प्रक्रिया पूरा करने को लेकर संवेदक का जेई अनिकेत के साथ विवाद चल रहा है। इसी क्रम में शनिवार को जेई अनिकेत जब बरारी में एक कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे तो संवेदक रंजन सिंह अपने तीन अन्य साथियों के साथ पहुंचा और जेई के साथ गली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। मामले को लेकर जेई अनिकेत कुमार ने रविवार की शाम को जोरापोखर थाना प्रभारी से मिलकर घटना की लिखित शिकायत की है। थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने कहा कि शिकायत मिली है। मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी ।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा सात को

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की सभा सात दिसंबर को परिषद की ओर से संचालित सेक्टर-4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में होगी। परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि संस्था की नई कार्यकारिणी समिति के गठन को लेकर विगत 13 अक्टूबर को संपन्न हुई मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा के निर्णयानुसार परिषद की दूसरी आमसभा 20 अक्टूबर आहूत की गई थी। पर विधानसभा चुनाव के आलोक में आदर्श आचार संहिता लागू रहने के कारण चास अनुमंडल पदाधिकारी के आदेशानुसार उक्त सभा की बैठक स्थगित कर दी गई थी। इसी वजह से परिषद की आमसभा अब सात दिसंबर को सभा होनी है. उन्होंने आमसभा में परिषद के सभी सदस्यों से शामिल होने का आग्रह किया है।

संडे कटौती को लेकर कारो में माइनिंग सरदार-ओवरमैन ने किया कार्य बहिष्कार

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के कारो खुली खदान में माइनिंग सरदार और ओवरमैन ने संडे ड्यूटी कटौती के विरोध में कार्य का बहिष्कार कर दिया है। हलांकि आउटसोर्सिंग कंपनियों का उत्पादन जारी रहा। माइनिंग सरदार और ओवरमैन का कहना था कि प्रबंधन जब तक पूर्व की भांति संडे ड्यूटी नहीं देगा कार्य ठप रहेगा। इधर, माइनिंग सरदार और ओवरमैन के कार्य बहिष्कार के बाद मामले की जानकारी इनमोसा प्रतिनिधियो को दी। कारो ओसीपी व्हाइट हाउस में मामले पर इनमोसा की बैठक हुई। इसमें निर्णय हुआ कि माइनिंग स्टाफ के साथ इनमोसा हमेशा खड़ा रहेगा। किसी भी हाल में प्रबंधन को मनमानी नहीं करने दी जाएगी। कहा कि खदान से सुरक्षित उत्पादन के लिए पूर्व की भांति माइनिंग सरदार और ओवरमैन को ड्यूटी दी जाए। इस मौके पर इनमोसा के एरिया अध्यक्ष अनिल सिंह, कारो शाखा अध्यक्ष डोमन पासवान, सचिव निरंजन सिंह सहित प्रमोद सिंह, दिनेश सिंह, अशोक सिंह, सूरजेश सिंहा, अजीत सिंह, तन्मय डे, सुनील कुमार मोदी, लक्ष्मण मोदी, चंचल कुमार, धर्मेंद्र सिंह, तारो महतो, कार्तिक गोस्वामी, अशोक महतो, अभिषेक रजक, गोमेज सिंह, मकसूद आलम, सुनील कुमार, लवली कुमार, उत्तम, महेश रजक, पिंटू कुमार आदि मौजूद थे।

धोखरा में फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

धनबाद (आजाद सिपाही)। धोखरा एनएसी क्लब की ओर से धोखरा दुर्गा मंडप फुटबॉल मैदान में 29 से एक दिसंबर (रविवार) तक आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का सफल समापन हुआ। क्लब के संरक्षक प्रेम किशोर विपलबी ने टीमों को टूर्नामेंट के नियम व शर्तें का पालन करते हुए अनुशासित रहकर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि टूर्नामेंट में कुल 24 टीमों ने भाग लिया। क्लब युवाओ के कौशल व प्रतिभा निखाने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करती है। प्रतियोगिता के विजेता को बलियापुर थाना प्रभारी अशोक कुमार की ओर से धनबाद अनन्या क्लब को प्रथम पुरस्कार के रूप में नकद 21 हजार रुपये, बिग टॉफी एक सेट, जर्सी, राजद के प्रदेश महासचिव उदय शर्मा द्वारा आजाद स्पॉटिंग क्लब खास कुइयां को द्वितीय पुरस्कार नकद 15 हजार रुपये, स्मॉल टॉफी, जर्सी और सरना क्लब बलियापुर तृतीय नकद 10 हजार रुपये जर्सी दिया गया। टूर्नामेंट में शाहिल फाइनल मैन ऑफ द मैच शाहिल स्पॉटिंग, मैन ऑफ द सिरीज एनसी क्लब बेस्ट गोल किपर विवेक महतो, वेस्ट डिफेन्स महादेव, वेस्ट मिड फिल्डर को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। टूर्नामेंट को लेकर क्षेत्र के युवा काफी उत्साहित थे। वहीं, टूर्नामेंट के सफल संचालन में छोटू चौहान, नरेश महतो, वीरेंद्र कुमार साव, जगदीश रवानी, क्लब के राजेश रवानी, बिशु सोरेन, शक्ति रवानी, प्रेमानंद, दिनेश रवानी, गौतम, अजय, राजू, अशोक सौरेन, सूरज महतो, मिहिलाल रवानी, सुजीत गोराई और तनु आदि का सराहनीय योगदान रहा।

रोजगार की तलाश में गये महुदा के मजदूर की हैदराबाद में ट्रन से कट कर हुई मौत

पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो की पहल पर लाया जा रहा शव

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। झारखंड के एक मजदूर की हैदराबाद में ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। घटना शनिवार की बतायी जा रही है। मृतक की पहचान महुदा के राधानगर गांव निवासी हीरालाल महतो (24) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक बाघमारा में रोजगार नहीं मिलने की वजह से मजदूर हीरालाल के घर की माली हालत ठीक नहीं थी। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वो रोजगार की तलाश में हैदराबाद जा रहे थे। तभी हैदराबाद रेलवे स्टेशन में पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ जाने के कारण मौत हो गयी। इसकी

सूचना हैदराबाद जीआरपी ने फोन से उसके परिजनों को दी हैं। वहीं, खबर मिलने के बाद पूर्व मंत्री सह प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने इस घटना पर शोक जताया है। मजदूर का शव उसके पैतृक गांव लाने के लिए उन्होंने पहल की है। बतातें चलें कि धनबाद जिले के बाघमारा विस क्षेत्र स्थित महुदा के राधानगर गांव निवासी हीरालाल महतो की रेल हादसे में मौत होने की खबर सुनकर पूर्व मंत्री ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने निजी मद से मृतक के शव को हैदराबाद से लाने की पहल की हैं। साथ ही परिजनों को हर संभव मदद करने का भी भरोसा दिया है। इससे पूर्व जलेश्वर महतो ने तीन अन्य प्रवासी मजदूरों के शव को मांगवाने का काम किया हैं। बताया जा रहा कि मृतक अपने पीछे पत्नी के आलावा एक 10 वर्ष की बेटी एवं 5 वर्ष का एक बेटा छोड़ गया है। वहीं, जलेश्वर महतो ने बताया कि बाघमारा में कोई रोजगार नहीं मिलने की वजह से ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लाचार और मासूम लोग गरीबी और भुखमरी के कारण रोजगार की तलाश में घर-परिवार को छोड़कर दूसरे प्रदेश पलायन करने को मजबूर होते हैं। अंत में घर वापस उनका शव आता हैं। ऐसे में अगर उनके लिए अपने घर में ही रोजगार मिल जाता है तो लोगों के लिए यह काफी बेहतर होता। उन्होंने सरकार से पलायन के बढ़ते मुद्दों से अवगत कराकर अविलंब इसका समाधान करने का आग्रह करने को कहा।

विधायक योगेंद्र प्रसाद को मंत्री बनाने की मांग

आइइएल (आजाद सिपाही)। गोमिया प्रखंड अंतर्गत हजारी पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने वरिष्ठ समाजसेवी सह झामुमो नेता कृष्ण दयाल सिंह के नेतृत्व में गोमिया विधायक योगेंद्र प्रसाद को मंत्री बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गोमिया विस के विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो को मंत्री बनाने से राज्य में सर्वांगीण विकास में बल मिलेगी। उनके पास पार्टी की विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का अनुभव भी है। वहीं, कांग्रेस नेत्री रेणुबाला ने कहा कि योगेंद्र प्रसाद में बेहतर काम करने की ऊर्जा है।

भव्य समापन समारोह के साथ 55वां इफ्फी संपन्न

28 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित इफ्फी 2024 में रिकॉर्ड संख्या में शामिल हुए प्रतिनिधि

फिल्म बाजार में अब तक के सर्वाधिक प्रतिनिधियों ने शिरकत की और इसमें 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होने का अनुमान, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है

हाउसफुल मास्टरक्लास और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा और भारतीय पैनोरमा की स्क्रीनिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

गोवा। जैसे सभी अच्छी चीजों का अंत अवश्य होता है, भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) 2024 का भी गोवा के डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में 28 नवंबर को संपन्न हो गया, लेकिन निश्चित रूप से सिनेमा के जादू और कहानी कहने की भावना का जश्न मनाने तथा भविष्य के फिल्म निर्माताओं के लिए कई रास्ते खोलने के अपने स्थायी प्रभाव के साथ। इफ्फी के 2024 संस्करण में 11,332 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो इफ्फी 2023 की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 28 देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ-साथ देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए। फिल्म बाजार के संबंध में, प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ कर 1,876 हो गयी, जो पिछले साल के 775 से काफी ज्यादा है। विदेशी प्रतिनिधियों ने 42 देशों का प्रतिनिधित्व किया। इस साल फिल्म बाजार में व्यापार अनुमान 500 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 15 उद्योग भागीदारों वाला टेक पैवेलियन भी प्रतिभागी प्रतिनिधियों के लिए एक दिलचस्प घटक रहा। उद्योग भागीदारों से 15.36 करोड़ रुपये का प्रायोजन प्राप्त हुआ। 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के प्रमुख कार्यक्रमों का सारांश निम्नलिखित है।

उद्घाटन और समापन समारोह

उद्घाटन और समापन समारोह में भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा दोनों का जश्न मनाते सितारों की भव्य मौजूदगी और प्रस्तुतियों की धूम रही। उद्घाटन समारोह में शताब्दी समारोह और भारतीय सिनेमा की समृद्ध विविधता के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। समापन समारोह में संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ ही साथ असाधारण उपलब्धि हासिल करने वालों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें फिलिप नॉयस को दिया गया सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और विक्रांत मैसी को दिया गया इंडियन फिल्म पर्सनालिटी ऑफ द ईयर अवार्ड शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा : इफ्फी में अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा 189 फिल्मों का क्यूरेटेड चयन था, जिसे 1,800 से अधिक प्रस्तुतियों में से चुना गया। लाइनअप में 16 विश्व प्रीमियर, 3 अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर, 44 एशिया प्रीमियर और 109 भारतीय प्रीमियर शामिल रहे। महोत्सव के दौरान 81 देशों की फिल्में प्रदर्शित की गयीं, जिनमें विभिन्न संस्कृतियों, मतों और दृष्टिकोणों की छाप देखने को मिली। प्रतिस्पर्धी खंड भी बेहद रोमांचकारी रहे। इनमें 15 फिल्मों ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता पुरस्कार के लिए, 10 ने आइसीएफटी यूनेस्को गांधी पदक खंड और 7 ने निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फीचर फिल्म श्रेणी के लिए प्रतिस्पर्धा की।

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख (फोकस) देश होने के कारण इस महोत्सव में एक विशिष्ट भावना जुड़ गई, जिसमें स्क्रीन ऑस्ट्रेलिया के साथ करार की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला। महोत्सव की शुरुआत माइकल ग्रेसी द्वारा निर्देशित ऑस्ट्रेलियाई फिल्म बेटर मैन की स्क्रीनिंग के साथ हुई। लिथुआनियाई फिल्म 'टॉक्सिक' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का स्वर्ण मयूर पुरस्कार जीता तथा रोमानियाई फिल्म 'ए न्यू ईयर दैट नेवर केम' ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का रजत मयूर पुरस्कार जीता।

शानदार प्रीमियर और रेड कार्पेट : अंतरराष्ट्रीय खंड, भारतीय पैनोरमा, गोवा खंड और बियॉन्ड इंडियन पैनोरमा के 100 से ज्यादा रेड कार्पेट इवेंट आईनॉक्स पंजिम में दिखाये गये।

भारतीय पैनोरमा : इस वर्ष, भारतीय पैनोरमा 2024 के अंतर्गत अपनी सिनेमाई उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित 25 फीचर फिल्मों और 20 गैर-फीचर फिल्मों का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया भारत भर के सिनेमा जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों के एक पैनल द्वारा आयोजित की गयी, जिसमें फीचर फिल्मों के लिए बारह जूरी सदस्य और गैर-फीचर फिल्मों के लिए छह जूरी सदस्य थे, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व उनके संबंधित अध्यक्ष ने किया। देश भर की युवा फिल्म निर्माण प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए एक नया पुरस्कार शुरू किया गया, जो इफ्फी की थीम 'युवा फिल्म निर्माताओं' के अनुरूप है। निर्देशक को प्रमाण पत्र और 5 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के लिए कुल 102 फिल्मों ने इसमें प्रतिस्पर्धा की। जिनमें से समापन समारोह में नवज्योत बांदीवाडेकर को 'घराट गणपति' के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इफ्फी की थीम 'यंग फिल्म मेकर्स : द फ्यूचर इज नाओ' पर केंद्रित रही

इफ्फी की थीम सूचना एवं प्रसारण मंत्री के दृष्टिकोण से रचनात्मकता के भविष्य को आकार देने में युवाओं की क्षमता को मान्यता देते हुए 'युवा फिल्म निर्माताओं' पर केंद्रित रही। क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो मंच की पहल को पिछले संस्करणों में 75 से बढ़ा कर 100 युवा प्रतिभाओं को समर्थन देने के लिए बढ़ाया गया। मंत्रालय द्वारा देशभर के विभिन्न फिल्म स्कूलों से लगभग 350 युवा फिल्म छात्रों को इफ्फी में भाग लेने के लिए सुविधा प्रदान की गयी। देश भर में युवा फिल्म निर्माण प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए एक नया खंड और सर्वश्रेष्ठ नवोदित भारतीय निर्देशक का पुरस्कार स्थापित किया गया। मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, फिल्म बाजार और फिल्म पैकेज सभी युवा रचनाकारों के लिए तैयार किये गये। युवाओं की भागीदारी और जुड़ाव बढ़ाने के लिए इफि एस्टा-एक एंटरटेनमेंट जोन शुरू किया गया।

इफिएस्टा : जोमैटो के साथ मिलकर इफिएस्टा ने 'डिस्ट्रिक्ट' नामक एक जीवंत एंटरटेनमेंट जोन बनाया, जिसमें फूड स्टॉल और विशेष रूप से क्यूरेटेड प्रदर्शनों का एक अनूठा मिश्रण पेश किया गया। इनमें व्हेन चाय मेट टोस्ट और असीस कौर के अभिनय शामिल थे। इस जोन का मुख्य आकर्षण सफरनामा नामक एक क्यूरेटेड प्रदर्शनी थी, जिसमें भारतीय फिल्म निर्माण के समृद्ध इतिहास को दिखाया गया। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा एक विशेष अनुभव जोन ने उपस्थित लोगों को शानदार अनुभव प्रदान किया, जिन्होंने इसे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बना दिया। 6000 छात्रों सहित कुल 18,795 आगंतुकों ने इफिएस्टा का आनंद लिया।

क्लासिक्स को सहेजा गया : इफ्फी 2024 में एनएफडीसी - नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया द्वारा सूचना और प्रसारण मंत्रालय की पहल पर राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन के तहत रिस्टोर्ड क्लासिक्स खंड में प्रस्तुत एनएफडीसी-एनएफएआइ द्वारा फिल्मों की डिजिटल बहाली को दिखाया गया। यह खंड भारतीय सिनेमा के संरक्षण में एनएफडीसी-एनएफएआइ के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डालता है, जो इसके डिजिटलीकरण और बहाली कार्य पर ध्यान केंद्रित करता है। प्रदर्शित की गयी उल्लेखनीय फिल्मों में शामिल हैं: **कालिया मर्दन (1919),**-दादा साहब फाल्के की यह मूक फिल्म विशेष लाइव साउंड के साथ फिल्मायी गई जो दर्शकों को बहुत पसंद आयी।

शताब्दी के लिए: राज कपूर की आवारा (1951), एएनआर की देवदासु (1953), हम दोनो (1961), रफी के गीतों सहित तपन सिन्हा की हारमोनियम (1975), सत्यजीत रे की सीमाबद्धा (1971)।

क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो : इफ्फी के 2024 संस्करण में प्रतिभागियों का प्रभावशाली चयन हुआ। इस बार फिल्म निर्माण की 13 श्रेणियों में भारत के 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) से 1,070 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुल 100 प्रतिभागियों को चुना गया, जिनमें 71 पुरुष और 29 महिलाएं शामिल थीं (2023 में 16 महिला प्रतिभागियों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि)। इन प्रतिभागियों ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व किया, जो कार्यक्रम में विविध प्रकार के मत और अनुभव लेकर आये।

महोत्सव के दौरान, 10 प्रतिभागियों की टीमों द्वारा 48 घंटों के भीतर पांच लघु फि ल्में बनाई गयीं। इन फिल्मों में हिंदी में गुल्लू (निर्देशकः अशार्ली जोस), कोंकणी और अंग्रेजी में द विंडो (निर्देशकः पीयूष शर्मा), अंग्रेजी में वी कैन हियर द सेम म्यूजिक (निर्देशकः बोनिता राजपुरोहित), अंग्रेजी में लवफिक्स सब्सक्रिप्शन (निर्देशकः मल्लिका जुनेजा) और हिंदी/अंग्रेजी में हे माया (निर्देशकः सूर्यांश देव श्रीवास्तव) शामिल हैं। इन फिल्मों का चयन एक ग्रैंड जूरी द्वारा किया गया, जिसमें निम्नलिखित विजेता रहे : सर्वश्रेष्ठ फिल्म - गुल्लू (अशार्ली जोस), प्रथम रनर-अप - वी कैन हियर द सेम म्यूजिक (बोनिता राजपुरोहित), सर्वश्रेष्ठ निर्देशक - अशार्ली जोस (गुल्लू), सर्वश्रेष्ठ पटकथा - अधिराज बोस (लवफिक्स सब्सक्रिप्शन), सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री - विशाखा नाइक (लवफिक्स सब्सक्रिप्शन), और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता - पुष्पेंद्र कुमार (गुल्लू)। क्रिएटिव माइंड्स के प्रतिभागियों ने एक प्रतिभा शिविर में भी हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप उभरते फिल्म निर्माताओं को 62 प्रस्ताव दिए गए। इस नई प्रक्रिया ने महत्वपूर्ण दिशा और अवसर प्रदान किए, जिससे भारतीय सिनेमा में नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए रंगमंच की दृढ़ता को बल मिला।

पीआइबी को देशभर से मीडिया मान्यता के लिए करीब 1,000 आवेदन प्राप्त हुए और इफ्फी की कवरेज के लिए 700 से अधिक पत्रकारों को मान्यता दी गयी। जिन पत्रकारों ने रुचि दिखायी, उन्हें एफटीआइआइ के सहयोग से फिल्म को समझने और उसका विश्लेषण करने संबंधी एक दिवसीय पाठ्यक्रम की पेशकश की गयी।

आइएफएफआइ 2024 को कई प्लेटफॉर्म पर व्यापक मीडिया कवरेज मिला, जिससे इस आयोजन को व्यापक रूप से लोगों तक पहुंचाया जा सका। अकेले प्रिंट मीडिया में, टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स, मिडडे, इंडियन एक्सप्रेस, द हिंदू और अन्य सहित प्रमुख राष्ट्रीय प्रकाशनों में 500 से अधिक लेख प्रकाशित हुए, जिससे इस उत्सव के महत्व पर और अधिक प्रकाश डाला गया।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर, बॉलीवुड हंगामा, पिंकविला जैसी प्रमुख मनोरंजन वेबसाइटों और लाइवमिंट और इकोनॉमिक टाइम्स जैसे व्यवसाय-केंद्रित प्लेटफॉर्म पर 600 से अधिक ऑनलाइन लेख देखने को मिले। इसके अतिरिक्त, इफ्फी की पहुंच बढ़ाने के लिए एमवाईजीओवी के माध्यम से 45 सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर को शामिल किया गया, जिससे विभिन्न डिजिटल स्पेस पर उत्सव के बारे में जीवंत चर्चा हुई।

पीआइबी ने बाहर के 26 देशों के आधिकारिक हैंडल से अंग्रेजी और छह विदेशी भाषाओं में सामग्री वितरण की सुविधा भी प्रदान की है। ऐसा विदेश मंत्रालय के सहयोग से किया गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, आइएफएफआइ ने वैरायटी और स्क्रीन इंटरनेशनल के साथ साझेदारी की। अपने वैश्विक ग्राहकों को तीन ई-दैनिक समाचार पत्र भेजे, जिससे महोत्सव की वैश्विक उपस्थिति और मजबूत हुई।

सीएमओटी जूरी सदस्यों की उपस्थिति में सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू, सीबीएफसी अध्यक्ष प्रसून जोशी ने सीएमओटी का किया उद्घाटन

समापन समारोह में विक्रांत मैसी को वर्ष का इंडियन फिल्म पर्सनालिटी ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान किया गया।

सिनेमाई हस्तियों का यशगान : इफ्फी 2024 में शताब्दी श्रद्धांजलि

नवंबर 2024 में आयोजित 55वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) एक ऐतिहासिक उत्सव रहा, जिसमें भारतीय सिनेमा की चार महान हस्तियों को श्रद्धांजलि दी गयी : अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर), राज कपूर, मोहम्मद रफी और तपन सिन्हा। उनकी शानदार विरासत की शताब्दी को चिह्नित करते हुए महोत्सव ने अद्वितीय योगदान को सावधानीपूर्वक क्यूरेट किये गये कार्यक्रमों, डाक टिकट, स्क्रीनिंग और प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

मणिरत्नम के मास्टरक्लास के दौरान खचाखच भरा ऑडिटोरियम

इफ्फी ने 7 दिन के दौरान, 30 मास्टरक्लास, इन-कन्वर्सेशन और पैनल चर्चाओं की मेजबानी की, जिसमें सिनेमा की दुनिया की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुई। जानी-मानी हस्तियों में फिलिप नॉयस, जॉन सील, रणबीर कपूर, एआर रहमान, क्रिस किर्शबाम, इम्तियाज अली, मणि रत्नम, सुहासिनी मणि रत्नम, नागार्जुन, फारुख धोंडी, शिवकार्तिकेयन, अमीश त्रिपाठी और कई अन्य शामिल थे। 22 नवंबर को आयोजित मणिरत्नम के सत्र में 89 प्रतिशत उपस्थिति के साथ सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की गयी, जबकि रणबीर कपूर के सत्र में 83 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गयी।

48 घंटे की फिल्म निर्माण चुनौती के दौरान छात्रों का एक समूह

युवा फिल्म निर्माता कार्यक्रम में कुल 345 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें 13 प्रसिद्ध फिल्म स्कूलों जैसे एफटीआइआइ, एसआरएफटीआइ, एसआरएफटीआइ अरुणाचल प्रदेश, आइआइएमसी और अन्य राज्य सरकार और निजी संस्थानों के 279 छात्र शामिल थे। इसके अलावा, पूर्वोत्तर राज्यों के 66 छात्रों और युवा फिल्म निर्माताओं को कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए चुना गया।

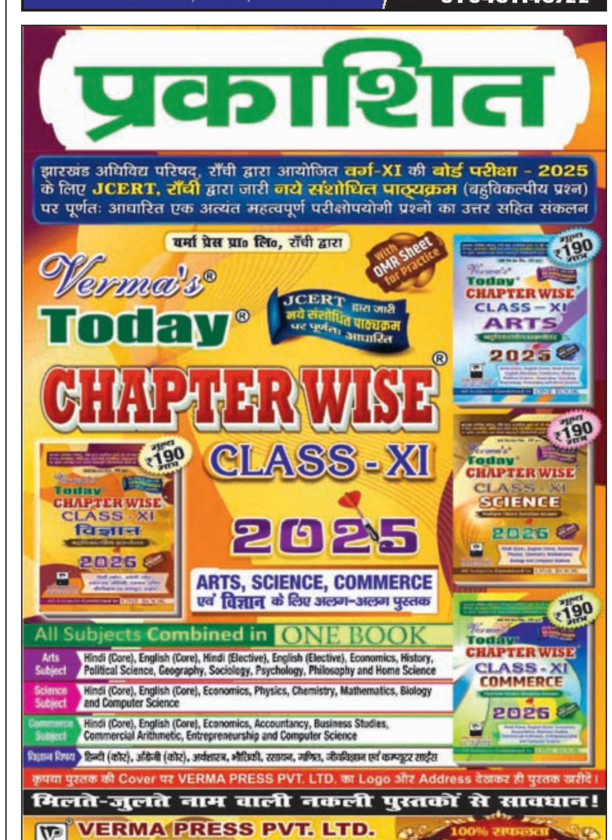

स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने दी जानकारी

ओड़िशा में आयुष्मान भारत योजना चालू वित्त वर्ष में लागू की जायेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-2025 से ओड़िशा में आयुष्मान भारत योजना लागू करने का फैसला किया है। रविवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने यह जानकारी दी। गोपबंधु आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत योजना के बीच जल्द ही एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जायेंगे। ओड़िशा के तीन करोड़ लोगों को अद्वितीय स्वास्थ्य कार्ड दिये जायेंगे। इस योजना के तहत, कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे भारत में लगभग 27,000 लाभार्थी स्वास्थ्य लाभ उठा सकेंगे, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग ने बताया। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लाभार्थी अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के सत्यापन के बाद आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

ओड़िशा में आयुष्मान भारत योजना को लेकर सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अब अन्य राज्यों में रहने वाले ओडिशा के लोग भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे।

भारतीय नौसेना ने नौसेना दिवस समारोह से पहले पुरी समुद्र तट पर अभ्यास किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। भारतीय नौसेना ने 4 दिसंबर को नौसेना दिवस समारोह से पहले पुरी समुद्र तट पर रिहर्सल किया। पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनीत अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि नौसेना दिवस समारोह की तैयारियां और रिहर्सल की जा रही हैं। पुरी एसपी ने बताया, कार्यक्रम के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गयी हैं। राज्य के सभी लोगों से प्रशासन और पुलिस टीमों का समर्थन करने की अपील करता हूं। शनिवार को भारतीय नौसेना नौसेना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में ओड़िशा के पुरी तट पर एक 'ऑपरेशनल प्रदर्शन' करने जा रही है। भारतीय नौसेना के अनुसार नौसेना दिवस 2024 के एक रोमांचक उत्सव में, भारतीय नौसेना ओडिशा के पुरी तट पर एक शानदार परिचालन प्रदर्शन करेगी, जिसमें अपने नौसैनिक बेड़े की ताकत और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जायेगा। यह आयोजन न केवल भारत की समृद्ध समुद्री विरासत के लिए एक श्रद्धांजलि है, बल्कि आम जनता के लिए नौसेना संचालन की दुनिया को पहली बार देखने का अवसर भी है। इस प्रदर्शन में भारतीय नौसेना की ताकत और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जायेगा, तथा दर्शकों को भारत की समुद्री शक्ति की परिचालन क्षमताओं की एक दुर्लभ झलक देखने को मिलेगी।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**